THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 130 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण शु.10 2080 शुक्रवार,** 28 जुलाई 2023

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 : 8 रुपये**

सीकर में गरजे पीएम मोदी

लाल डायरी चुनाव में कांग्रेस का डिब्बा गोल करेगी

सीकर में प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित किया।

सीकर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीकर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा यहां का जनसैलाब बता है कि आने वाले चुनाव में ऊंट किस करवट बैठेगा। अब राजस्थान की करवट भी बदलेगी और मेरी गारंटी है राजस्थान की किस्मत भी बदलेगी। आज राजस्थान में चारों तरफ एक ही गूंज है, जीतेगा कमल, खिलेगा कमल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल डायरी का जिक्र करते हुए कहा लाल डायरी चुनावों में कांग्रेस का डिब्बा गोल करेगी।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस देश की सबसे बड़ी दिशा विहीन पार्टी बनकर रह गई है। इन दिनों कांग्रेस व सहयोगी दलों ने नया पैंतरा चला है। यह है नाम बदलने का। पहले के जमाने में कोई पीढ़ी, कोई कंपनी बदनाम हो जाए तो तुरंत कंपनी वाले नया बोर्ड लगाकर अपना कारोबार चलाकर लोगों को भ्रमित करने का काम करते हैं। नाम बदलकर अपना धंधा पानी जमाने का काम करते हैं। कांग्रेस उनके सहयोगियों की जमान ऐसे ही काम कर रहे हैं। यूपीए के कुकर्म लोगों को याद नहीं आए इसलिए आईएनआईडीआईए कर दिया है। इन्होंने नाम बदलकर कर्ज माफी के नाम पर किसानों के साथ धोखा कर सके। गरीबों के साथ छलकपट को छिपा सके।

राजस्थान की धरती से बता रहा हूं कि इनका तरीका वही है जो हमेशा देश के दुश्मनों ने अपनाया है। ये तो आईएनडीआईए के नाम से आए हैं। इंडिया नाम में भी ईस्ट इंडिया में भी था। इंडिया नाम भारत भक्ति दिखाने के लिए नहीं लूटने के लिए हिसाब से लगाया गया था। कांग्रेस के जमाने में सिमी बना, जिसमें भी इंडिया था। मिशन आतंकी हमलों से इंडिया को बर्बाद करना था। सिमी को बैन किया। नया नाम लगाकर आए, पीएफआई इसमें इंडिया भी है। नाम में इंडिया काम वही पुराना। साथियों ने आईएनडीआईए के नाम से अपने पुराने कारनामों को छिपाना चाहते हैं। इनको इंडिया की परवाह होती तो क्या ये विदेश में जाकर भारत में दखल करने पर बात करते हैं। इंडिया की परवाह होती तो सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाते क्या? ये वही चेहरे हैं जो आतंकी हमला होने पर दुनिया के आगे रोते थे। कुछ नहीं करते थे।

'राजस्थान में पेपर लीक उद्योग चल रहा है'

पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान में पेपर लीक उद्योग चल रहा है। राजस्थान के युवा काबिल है, लेकिन पेपर लीक ने उनका भविष्य बर्बाद कर दिया है। इससे बचने के लिए अब युवाओं को कांग्रेस को हटाने पड़ेगा। राजस्थान में गैंगवार, तीज त्योहारों पर खतरा मंडरा रहा है। कानून व्यवस्था बिगड़ी है। कब पत्थर चले, कर्फ्यू लग जाए किसी को नहीं मालूम।

मोदी ने कहा कि राजस्थान के लोग कुछ भी बर्दाश्त कर सकते हैं, लेकिन बेटियों के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं कर सकता है। दलित बेटी के साथ रेप कर उस पर एसिड डाल दिया जाता है। दलित बहन के साथ पति के सामने रेप करते हैं। वीडियो वायरल करते हैं। स्कूलों में पढ़ाने वाले टीचर तक सुरक्षित नहीं है। कार्रवाई करने की बजाय कांग्रेस के नेता पीड़िताओं पर ही झूठ लगाने का आरोप लगा रहे हैं। पीएम ने कहा कि राजस्थान वीरों की धरती है। इसलिए इस बार चारों ओर एक ही नारा है कि बहन बेटियों पर अत्याचार नहीं सहेगा राजस्थान। बहन बेटियों पर अत्याचार नहीं सहेगा राजस्थान।

15 सितंबर तक पद पर बने रहेंगे ईडी निदेशक एसके मिश्रा

अदालत ने दी कार्यकाल विस्तार को मंजूरी

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी निदेशक एसके मिश्रा को 15 सितंबर तक ईडी निदेशक पद पर बने रहने की अनुमति दी। केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल बढ़ाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। वहीं अब सुप्रीम कोर्ट ने ईडी निदेशक के तौर पर एसके मिश्रा के कार्यकाल विस्तार को मंजूरी दे दी है।

गौरतलब है, इससे पहले सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार को करारा झटका लगा था। शीर्ष कोर्ट ने ईडी निदेशक संजय कुमार मिश्रा के कार्यकाल विस्तार को अवैध ठहराया था। शीर्ष अदालत ने उन्हें अपने लंबित काम निपटाने के लिए 31 जुलाई 2023 तक का समय दिया। साथ ही न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने ईडी निदेशक के कार्यकाल को अधिकतम पांच साल तक बढ़ाने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम और दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम में संशोधन को सही ठहराया।

गौरतलब है कि संजय कुमार मिश्रा को नवंबर 2018 में प्रवर्तन निदेशालय के पूर्णकालिक प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था। संजय मिश्रा 1984-बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) आयकर कैडर के अधिकारी हैं। उन्हें पहले जांच एजेंसी में प्रमुख विशेष निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। ईडी में नियुक्ति से पहले संजय मिश्रा दिल्ली में आयकर विभाग के मुख्य आयुक्त के रूप में कार्यरत थे। केंद्र सरकार ने सबसे पहले 2020 में उनको एक साल का सेवा विस्तार दिया था। तब उन्हें 18 नवंबर, 2021 तक एक साल के लिए उनका कार्यकाल बढ़ाया गया था।

पीएम मोदी के पास देश भर में भाषण देने का समय है लेकिन संसद में नहीं : खड़गे

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि वह मणिपुर हिंसा पर संसद में बोलना नहीं चाहते, जो लोकतंत्र का मंदिर है, लेकिन उनके पास देश भर में राजनीतिक भाषण देने के लिए पर्याप्त समय है जो लोकतंत्र को खराब कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जो सरकार मणिपुर के लोगों की पुकार नहीं सुनती, वह मानवता पर कलंक है।

खड़गे ने एक ट्वीट में कहा, मणिपुर का जलना देश के लिए एक काला अध्याय है। जिस सरकार ने पिछले 85 दिनों से मणिपुर के लोगों की चीख-पुकार पर ध्यान नहीं दिया, वह मानवता पर कलंक है। संसद सत्र चल रहा है और प्रधानमंत्री सदन में बोलने के बजाय जगह-जगह जाकर भाषण दे रहे हैं, यह लोकतंत्र को कलंकित कर रहा है। उन्होंने कहा, विपक्ष को गाली देकर, मोदी सरकार के कुकर्मों को मिटाया नहीं जा सकता। केवल दलित, जनजाति और पिछड़े विरोधी लोग ही काले कपड़ों का मजाक उड़ा सकते हैं, लेकिन हमारे लिए काला रंग विरोध और ताकत का प्रतीक है। काला रंग न्याय का प्रतीक है और सम्मान का प्रतीक है। मणिपुर के लोग न्याय, शांति और सम्मान के पात्र हैं। उन्होंने कहा, भाजपा मणिपुर के जीवन को अंधकार में धकेलकर, तानाशाही रवैया अपनाकर, मुद्दे से ध्यान भटकाकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं भाग सकती। संसद के इतिहास में इससे बुरा दौर कभी नहीं आया।

ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे पर रोक बढ़ी, तीन अगस्त को आएगा फैसला

प्रयागराज, 27 जुलाई (एजेंसियां)। ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे पर लगी रोक तीन अगस्त तक बढ़ गई है। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब तीन अगस्त को कोर्ट इस पर फैसला सुनाएगा। इससे पहले काशी विश्वनाथ मंदिर स्थित ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे के मामले में बृहस्पतिवार को निर्धारित वक्त से पहले सुनवाई शुरू हुई।

मुस्लिम पक्ष के वकील नकवी ने बहस की शुरूआत की। एएसआई के अतिरिक्त निदेशक आलोक त्रिपाठी भी कोर्ट में हाजिर हुए। मुस्लिम पक्ष के वकील ने एएसआई के हलफनामे का जवाब दाखिल किया। गुरुवार को सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष के वकील ने दोहराया रामजन्म भूमि मामले में एएसआई को सर्वे की अनुमति मिली थी। इस पर मुस्लिम पक्षकार ने कहा, राम मंदिर मामले में साक्ष्य प्रक्रिया के बाद अनुमति दी गई थी। ज्ञानवापी मामले में ये सब असामयिक हो रहा है। उधर, अतिरिक्त निदेशक आलोक त्रिपाठी ने बताया की एएसआई की स्थापना 1871 में हुई थी। उन्होंने कोर्ट को बताया कि जीपीआर सर्वे ही करेंगे। खोदाई नहीं करेंगे। सर्वे में इमारत को खरोंच तक नहीं आएगी। यूपी के महाधिवक्ता अजय कुमार मिश्रा के बहस की शुरू।

IGBC

Partner State

CII
Confederation of Indian Industry

India's First
GREEN PROPERTY SHOW
Exhibiting IGBC Certified Projects

Inauguration by
Sri. K T RAMA RAO
Hon'ble Minister for MA & UD,
Industries & Commerce, IT, E&C,
Government of Telangana

IGBC GREEN PROPERTY SHOW

28, 29 & 30 JULY 2023

HITEX EXHIBITION CENTRE, HITEC CITY, HYDERABAD

TIME: 10 AM - 8 PM

ENTRY FREE

UNLOCK THE CHANGE
BY OWNING A GREEN HOME

Visit & Choose
from the widest range of Green Homes
• Apartments • Villas • Gated Communities

WIN EXCITING PRIZES EVERY DAY

Principal Exhibitors
APARNA Lead the future · HONER HOMES · 360LIFE ENLIGHTENED LIVING · VASAVI GROUP You dream. We deliver.

Platinum Exhibitors
CYBERCITY BUILDERS & DEVELOPERS PVT. LTD. · pooja CRAFTED HOMES · RAJAPUSHPA PROPERTIES PVT. LTD. Shaping Innovations · RAMKY ESTATES · re Sustainability

Expo Hall - 3 Presented by
PRANAVA GROUP PRESENTING THE FUTURE

Expo Hall - 1 Presented by
tp technopaints

Diamond Exhibitors
ARK Group Above & Beyond · MY HOME GROUP · NSL INFRATECH Creating a Better Tomorrow · organo · SATTVA TRUST. IT'S WHAT WE BUILD · SHANGRILA

Gold Exhibitors
ALEKHYA HOMES · EIPL · giridhari Homes · ICICI Bank · POULOMI · prosperiti · RV NIRMAAN · SAINT-GOBAIN · TRANQUILLO · Ultratech · VIJAYAKALPA

www.igbc.in | 70086 38406 | www.greenpropertyshow.com

राहुल गांधी ने मलप्पुरम के विश्वंभरा मंदिर में पूजा अर्चना

मलप्पुरम, 27 जुलाई (एजेंसियां)। (केरल) कांग्रेस नेता राहुल गांधी केरल दौरे पर हैं। अपनी केरल यात्रा के दौरान राहुल ने कोट्टाकल के विश्वंभरा मंदिर में पूजा-अर्चना की। गांधी ने कोट्टक्कल के आर्य वैद्य शाला में पीएसवी नाट्यसंघम में 'कथकली' (एक पारंपरिक नृत्य शैली) का प्रदर्शन भी देखा। केरल के वायनाड जिले से ही राहुल गांधी पूर्व सांसद हैं। 'मोदी' उपनाम मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद उन्हें दो साल की जेल की सजा सुनाई गई थी, जिसके बाद उन्हें संसद से सांसद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

उमर अब्दुल्ला का बड़ा दावा, कहा- कश्मीर में चुनाव कराने को लेकर बीजेपी डरती है

जम्मू, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के नेता उमर अब्दुल्ला ने राज्य में युवाओं के बीच उच्च बेरोजगारी दर को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल की ओर से इस केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने से बचने के कारणों में बढ़ती बेरोजगारी भी है। अब्दुल्ला ने कहा, 'इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि बीजेपी जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने को लेकर भयभीत है।'

ज्योति शुक्ला हत्याकांड; चरित्र संदेह के चलते

छह लाख की सुपारी देकर कराई पत्नी की हत्या

छतरपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। शहर में पिछले दिनों एक महिला को दिनदहाड़े गोली मारे जाने की सनसनीखेज वारदात का खुलासा हुआ। हत्या की साजिश किसी और ने नहीं बल्कि खुद महिला के पति ने रची थी और उसने ही हत्यारों को सुपारी देकर अपनी पत्नी पर गोली चलवाई थी।
पति को अपनी पत्नी के किसी और से अवैध संबंध होने का संदेह था, जिसके चलते उसने यह पूरी साजिश रची थी। सुपारी देकर पत्नी की हत्या करवाई थी। बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने मामले का खुलासा करते हुए पूरी कहानी बताई। हत्याकांड के मुख्य आरोपी मृतिका के पति सहित सभी पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

जेल से बाहर आए मनोज ने युवक के सिर में ईंट मारकर हत्या की

भिवानी, 27 जुलाई (एजेंसियां)। रोहतक के भिवानी रोड पर डोभ गांव में गुरुवार सुबह 24 वर्षीय युवक मनोज के सिर में ईंट मारकर हत्या कर दी गई। वारदात गांव के हनुमान मंदिर में हुई है। युवक अभी जेल से बाहर आया था। लड़की के भाई पर जताया जा शक। बहु अकबरपुर थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि सुबह करीब 7:30 बजे सूचना मिली कि डोभ गांव के हनुमान मंदिर में एक युवक का शव लहूलुहान हालत में पड़ा हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की, तो मृतक की पहचान गांव के युवक मनोज के तौर पर हुई ग्रामीणों ने बताया कि मनोज की गांव के ही एक परिवार से पुरानी रंजिश चल रही है। उसके खिलाफ गांव की लड़की के अपहरण का मामला दर्ज था,

मणिपुर में फिर हिंसा, मोरेह में तोड़फोड़, आगजनी और गोलीबारी

इंफाल, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य के टेंगनौपाल जिले के सीमावर्ती शहर मोरेह में फिर गोलीबारी और आगजनी की घटना के बाद तनाव की स्थिति बनी हुई है। कई घरों में और दुकानों में आग लगा दी गई है और लूटपाट की कोशिश की गई। संदिग्ध कुकी आतंकवादियों ने तैनात केंद्रीय अर्धसैनिक और राज्य सुरक्षा बलों की बीच गोलीबारी हुई। मणिपुर पुलिस सूत्रों से गुरुवार को जानकारी मिली कि बुधवार को कई कुकी महिलाओं ने मैतेई समुदाय के स्वामित्व वाली दुकानों को लूटने से रोकने की कोशिश की। इस पर असम राइफल्स के जवानों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उग्र भीड़ सुरक्षाकर्मियों से ही भिड़ गई। गुस्साई भीड़ ने मोरेह वार्ड संख्या 6, 7, 8 और 9 में कई मैतेई घरों और दुकानों को आग लगाना शुरू कर दिया। जिससे अन्य राज्यों के प्रवासियों की कई दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है। पुलिस नियंत्रण कक्ष के अनुसार, भीड़ ने लगभग 15-16 घरों को जला दिया और वन गेस्ट हाउस को भी आंशिक रूप से जला दिया। झड़प के बाद संदिग्ध कुकी आतंकवादियों और सीमावर्ती शहर में तैनात केंद्रीय अर्धसैनिक और राज्य सुरक्षा बलों की टीम के बीच गोलीबारी हुई। सूत्रों के मुताबिक, देर शाम तक गोलीबारी होती रही। इस गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ। मोरेह की घटना के जवाब में इम्फाल पूर्व के अकम्पट राहत केंद्र में रहने वाले विस्थापित लोगों ने बुधवार को सिंगजामेई ब्रिज पर विरोध प्रदर्शन किया। यह विस्थापित लोग मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से मिलने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें सिंगजामेई पुल पर रोक दिया। बाद में समूह के चार प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री से मिलने की अनुमति दी गई थी। राहत शिविर में रह रहे पीड़ितों में से एक ने मीडिया को बताया कि हम अपने घर वापस लौटना चाहते हैं। लेकिन, उचित सुरक्षा के बिना हम कैसे लौट सकते हैं। संकट के बीच कुकी उग्रवादी लगातार अलग-अलग जगहों पर हमले कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर वे हमलों को नहीं रोक सकते तो बड़ी संख्या में केंद्रीय बलों को तैनात करने का क्या फायदा है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद विस्थापितों के प्रतिनिधियों में से एक ने पत्रकारों को बताया कि उन्हें बताया गया कि मुख्यमंत्री ने मोरेह में अतिरिक्त बल भेजने का निर्देश दिया है। साथ ही मोरेह क्षेत्र में तैनात असम राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर को भी कुकी उग्रवादियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है।

मुंबई में 13 मंजिला टावर की छत पर फंसा चार फीट लंबा सांप

हैरान रह गए लोग, इस तरह किया गया रेस्क्यू

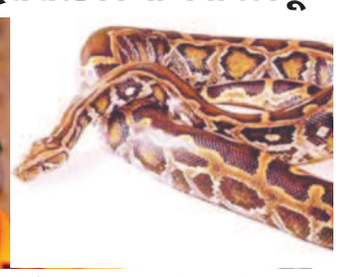

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में एक चार फुट लंबा भारतीय रॉक अजगर जो किसी तरह घाटकोपर (पश्चिम) में एक 13 मंजिला टावर की छत पर चढ़ गया था, उसे बचाव कर्मियों ने जैसे-तैसे बचा लिया। बाद में इसे वन विभाग को सौंप दिया गया।
हालांकि, स्थानीय निवासी इस बात से हैरान थे कि अजगर टावर तक इतनी ऊंचाई तक कैसे पहुंच गया। स्थानीय पशु कार्यकर्ता सूरज साहा, जो मुंबई में एक आईटी फर्म के लिए काम करते हैं। उन्होने बताया कि,"भारतीय रॉक अजगर को मंगलवार को एलबीएस रोड, घाटकोपर (पश्चिम) पर व्रज पैराडाइज बिल्डिंग की छत पर देखा गया था। यह गीली सीमेंट से ढका हुआ था, क्योंकि छत पर निर्माण कार्य हो रहा था। हमने तुरंत राज्य वन विभाग को सूचित किया ताकि सांप को बचाया जा सके।

'गद्दारों को मेरे पास आने की हिम्मत नहीं'

उद्धव ठाकरे ने शिवसेना के बागी विधायकों को दी चेतावनी

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में कुछ दिन पहले अजित पवार समेत एनसीपी विधायकों ने बगावत कर शिंदे-फड़णवीस के साथ गठबंधन कर लिया और राज्य सरकार को समर्थन दिया है। चर्चा थी की अजित पवार ने शरद पवार से दुश्मनी भरा कदम उठाया है। लेकिन अजित पवार समेत सभी विधायकों के शरद पवार से मिलने और उनका आशीर्वाद लेने के एक हफ्ते के अंदर ही राजनीतिक हलकों में कई तरह की आशंकाएं जताई जाने लगीं।

उद्धव ठाकरे ने साधा निशाना

विपक्षी दलों ने अजित पवार और शरद पवार की भूमिका पर भी आपत्ति जतानी शुरू कर दी। 'सामना' में दिए एक इंटरव्यू में शिवसेना सांसद संजय राउत ने उद्धव ठाकरे से यही सवाल पूछा। इस सवाल का जवाब उद्धव ठाकरे ने बड़ी ही बेबाकी से दिया। उद्धव ठाकरे से पूछा गया कि क्या मंत्री पद की शपथ लेने और एनसीपी में फूट पड़ने के बाद शरद पवार का आशीर्वाद लेने गए थे। ठाकरे ने जवाब देते हुए कहा, शिवसेना छोड़ने वाले गद्दारों की मेरे पास आने की हिम्मत नहीं हुई। यह मेरे पास नहीं आ सकते। उनमें कोई साहस नहीं है। वे मेरे स्वभाव को जानते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह अच्छी तरह से जानते हैं कि शिवसेना की विचारधारा बालासाहेब की विचारधारा है।

उद्धव ठाकरे ने क्यों की अजित पवार की आलोचना?

उद्धव ठाकरे ने अजित पवार की आलोचना करते हुए कहा कि, 'अजित पवार की राय बहुत खराब है। क्योंकि जिनसे हम सब कुछ लेते हैं, उनके बारे में ऐसे बयान देना हमारी संस्कृति के अनुरूप नहीं है। मुझे उनका यह बयान पसंद नहीं आया कि आशीर्वाद किससे लेना है। "आगे उन्होने कहा कि अगर आप सहमत नहीं हैं तो बताएं कि आप सहमत क्यों नहीं हैं। इस उम्र में भी, मुझे विश्वास नहीं है कि आप उन लोगों से इस तरह से बात करेंगे जिन्होंने आपको सब कुछ दिया। न केवल अजित पवार, बल्कि जो भी अपने स्वार्थ के लिए जाना चाहता है।

कोलकाता, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव एलायंस (इंडिया) के नाम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हमले के मद्देनजर उन पर कटाक्ष किया और कहा कि उनकी टिप्पणियां साबित करती हैं कि

'जब इंडियन टीम खेलने जाती है तो..

' सीएम ममता बनर्जी का 'इंडिया' नाम पर पीएम मोदी के तंज पर पलटवार

उन्हें 'इंडिया' शब्द कितना पसंद है। पश्चिम बंगाल के गवर्नर सीवी आनंद बोस के साथ एक संक्षिप्त बैठक के बाद राजभवन से बाहर आते ही ममता बनर्जी मीडियाकर्मियों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने विधानसभा के चल रहे मानसून सत्र के बारे में कहा, मैं प्रधानमंत्री को धन्यवाद देना चाहूंगी, क्योंकि उन्हें 'इंडिया' नाम पसंद है। ऐसा लगता है कि उन्होंने इसे देश के आम नागरिकों की तरह स्वीकार कर लिया है।

इंडिया हमारी मातृभूमि है- ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की सीएम ने कहा कि पीएम मोदी इस नाम के बारे में जितना अधिक बात करेंगे, नाम के प्रति उनकी पसंद उतनी ही स्पष्ट होगी। ममता ने पीएम की टिप्पणियों का हवाला देते हुए सवाल किया कि जब भारतीय टीम खेलने जाती है तो क्या कोई उसे इंडियन मुजाहिदीन कहता है। उन्होंने कहा, यह टीम इंडिया है। देश का नाम इंडिया है। इंडिया हमारी मातृभूमि है। मैं फिर से कह रही हूं कि वे इस नाम पर जितना अधिक झूठ फैलाएंगे, नाम के प्रति उनकी पसंद उतनी ही स्पष्ट हो जाएगी।

पीएम ने इंडिया नाम पर किया था कटाक्ष

इससे पहले, मंगलवार को प्रधानमंत्री ने विपक्षी गठबंधन पर प्रहार किया और इसे इंडिया नाम का उपयोग करके देश के लोगों को गुमराह करने के उद्देश्य से की गई एक दिशाहीन पहल बताया और इंडियन मुजाहिदीन और ईस्ट इंडिया कंपनी का भी संदर्भ दिया। पीएम मोदी ने ईस्ट इंडिया कंपनी और आतंकवादी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के नामों का हवाला देते हुए कहा था कि, केवल देश के नाम के इस्तेमाल से लोगों को गुमराह नहीं किया जा सकता।" जिसके बाद से विपक्षी दलों और बीजेपी नेताओं के बीच बयानबाजी शुरू हो गई है।

कर्नाटक में तेज रफ्तार कार ने पहले बाइक सवार को मारी टक्कर फिर छात्रों को भी रौंदा

बेंगलूरू, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के रायचूर से हिट एंड रन का एक मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दिख रहा है कि किस तरह से एक तेज रफ्तार कार पहले एक बाइक सवार को टक्कर मारती है और उसके बाद कुछ ही दूर आगे सड़क किनारे चल रहे कुछ छात्रों को भी रौंद देती है। यह हादसा घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में कैद हो गया। वायरल हो रहे इस वीडियो में दिख रहा है कि किस तरह से तेज रफ्तार कार की टक्कर की वजह से सड़क किनारे चल रहे छात्र हवा में उड़ गए। मिल रही जानकारी के अनुसार इस घटना में दो छात्राओं को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार यह घटना 18 जुलाई की है। पुलिस ने इस घटना के वीडियो के वायरल होने के बाद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मद्रास हाईकोर्ट : हटाया जाएगा 300 साल पुराना मकबरा

आर्कियोलॉजिस्ट भड़के, मद्रास एचसी के फैसले को चुनौती देने की तैयारी

चेन्नई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट देश के कुछ शीर्ष आर्कियोलॉजिस्ट ने मद्रास हाईकोर्ट की ओर से केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को कोर्ट से 300 साल पुराने संरक्षित मकबरे को हटाने के निर्देश देने के मामले की कड़ी आलोचना की है। भारतीय पुरात्व विभाग (एसएसआई) इस आदेश के खिलाफ कोर्ट की खंड पीठ में याचिका दायर करने की तैयारी कर रहा है। यह मकबरा 1687 से 1692 तक मद्रास के राज्यपाल रहे एलिहू येल ने अपने बेटे डेविड येल और दोस्त जोफस हायमर की याद में बनवाया था। ब्रिटेन लौटने के बाद येल ने भारत से जुटाए धन का काफी बड़ा हिस्सा 'कोलीगेट स्कूल' को दिया, जिसे बाद में येल कॉलेज नाम का दिया गया और अब यह येल यूनिवर्सिटी के नाम से जाना जाता है। यह दुनिया के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में से एक है।

1921 में किया गया संरक्षित स्मारक घोषित

एएसआई ने तत्कालीन प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम 1904 के तहत पहली बार 1921 में मकबरे को 'संरक्षित स्मारक' घोषित किया था। स्वतंत्रता के बाद इसे एक 'संरक्षित स्मारक' की श्रेणी में लाया गया। कोर्ट में अधिवक्ताओं, कर्मचारियों, वादियों, सरकारी अधिकारियों की संख्या बढ़ने से वाहनों की संख्या भी बढ़ रही है इसलिए यहां बहु-स्तरीय पार्किंग बनाई जानी है और इसके लिए ही अदालत परिसर में स्थित इस मकबरे का स्थानांतरण प्रस्तावित है।

कोर्ट ने क्यों दिया ये फैसला

कानून के अनुसार संरक्षित स्मारक के 100 मीटर के दायरे में कोई निर्माण नहीं किया जा सकता,यह मकबरा विकासात्मक गतिविधियों के रास्ते में आ रहा है। मद्रास हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता बी मनोहरन की याचिका पर स्थानांतरण आदेश पारित किया था। कोर्ट ने आदेश में कहा कि मकबरे का न तो पुरातात्विक महत्व है और न ही ऐतिहासिक महत्व है, न ही यह कोई कलात्मक कृति है। सुनवाई के दौरान एएसआई ने स्थानांतरण का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 49 के खिलाफ है, जिसमें हर राज्य को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वह प्रत्येक स्मारक या कला की दृष्टि से, ऐतिहासिक महत्व वाले स्थानों या वस्तुओं को सुरक्षित करे।

आर्कियोलॉजिस्ट ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण फैसला

कुछ प्रसिद्ध आर्कियोलॉजिस्टों ने इस आदेश के खिलाफ तर्क दिया कि अदालत के पास किसी स्मारक के कलात्मक या पुरातात्विक महत्व को तय करने की विशेषज्ञता नहीं है। एएसआई के संयुक्त महानिदेशक (रिटायर) डॉ। एम नंबिराजन का कहना है कि यह मकबरा ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका निर्माण एहिलु येल ने कराया था, जिन्होंने विश्व प्रसिद्ध येल यूनिवर्सिटी स्थापना की थी। एक अन्य प्रसिद्ध आर्कियोलॉजिस्ट डॉ। जीएस ख्वाजा ने कहा कि यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण आदेश है। स्मारक संसद के अधिनियम के तहत संरक्षित है और हाईकोर्ट कानून से ऊपर नहीं है।

दिल्ली का कंझावला कांड

कोर्ट का बड़ा फैसला, चारों आरोपियों पर चलेगा हत्या का केस

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली के कंझावला कांड में आरोपियों पर हत्या का केस चलेगा। अदालत ने कंझावला हिट एंड रन मामले में 17 जुलाई को आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए जाने पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। गुरुवार को कंझावला हिट एंड ड्रैग केस में रोहिणी कोर्ट ने आरोपी मनोज मित्तल, अमित खन्ना, कृष्ण और मिथुन पर आईपीसी की धारा 302 (हत्या), 201 (साक्ष्य नष्ट करना), 212 (अपराधी को शरण देना), 120बी(आपराधिक साजिश) के तहत आरोप लगाए। न्यायालय द्वारा अभियुक्त दीपक, आशुतोष और अंकुश पर 201, 212, 182, 34 आईपीसी का आरोप लगाया है। इन तीनों को आईपीसी की धारा 120बी से बरी कर दिया गया है। अमित पर लापरवाही से गाड़ी चलाने की धारा लगाई गई है। अदालत 14 अगस्त को औपचारिक आरोप सुनाएगी। 31 दिसंबर 2022 को दिल्ली निवासी अंजलि की कार के नीचे फंसकर घिसटने से मौत हो गई थी। दिल्ली पुलिस ने कंझावाला मामले में एक अप्रैल को आरोप पत्र दाखिल किया था। उसमें सात लोगों को आरोपी बनाया गया था। आरोप पत्र लगभग आठ सौ पन्नों का था। 117 लोगों को गवाह बनाया गया था। इसमें कहा गया था कि आरोपियों ने शराब पी रखी थी।

ओडिशा के 100 से अधिक गांवों में हाथियों का आतंक

गुस्साए गांव वालों ने पीठ पर लगा दी आग

भुवनेश्वर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के मयूरभंज जिले के करंजिया बनखंड में हाथियों ने इन दिनों उत्पात मचा रखा है। जानकारी मिली है कि पिछले कुछ दिनों से हाथियों ने करंजिया बनखंड के 100 से अधिक गांवों में आतंक मचा रखा है। बताया जा रहा है कि पिछले 26 दिनों में करंजिया बनखंड में हाथियों ने लगभग 35 ऊंचे मकानों को ध्वस्त कर दिया है। बताया जा रहा है कि यहीं से एक वीडियो सामने आया है जिसमें कुछ लोग हाथियों को खदेड़ने के लिए आग से जलती लकड़ी से हमला करते दिख रहे हैं। खबर है कि वन विभाग को हाथियों के कारण देर रात शुक्रीली ब्लॉक के अलग-अलग हिस्सों में मकान ध्वस्त होने और व्यापक क्षति करने की सूचना मिली है। करंजिया रेंज अंतर्गत शुक्रीली ब्लॉक के अलग-अलग स्थानों पर 22 हाथी हैं। एक आदमी हाथियों के इस झुंड को भगाने के लिए इनकी पीठ पर मशाल से हमला कर रहा है। इस दौरान हाथी की पीठ पर आग भी रह जाती है। इस पूरी घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है। हाथी की पीठ पर आग लगने के बाद उसकी पीठ धीरे-धीरे जलती दिख रही है। हाथियों पर हमले का ये वीडियो अब वायरल हो रहा है। ये लोग हाथियों पर आग से हमला करते रहे लेकिन वहां दूसरे मौजूद लोग बस देखते रहे। हालांकि केंद्र और राज्य सरकार के सख्त नियम होने के बाबजूद यहां हाथियों पर अत्याचार हो रहा है। हालांकि आग से हमला किए जाने के बाद घायल हाथी की हालत का पता नहीं चल पाया है। इस घटना को लेकर हमने वन विभाग के कर्मचारियों से हमने संपर्क किया। करंजिया डीएफओ ने कहा कि हम घटना की जांच कर रहे हैं।

पुणे में घिनौना कृत्य, लोन न चुकाने पर साहूकार ने पार की हैवानियत की हद; वीडियो वायरल

पुणे, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। पुणे में लोन न चुका पाने पर एक महिला से कथित तौर पर एक साहूकार ने दुष्कर्म किया है। साथ ही इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि पुणे शहर में 47 वर्षीय एक साहूकार ने कथित तौर पर एक महिला के साथ दुष्कर्म किया, क्योंकि उसका पति उससे लोन लिया था, जिसे वह चुका नहीं पाया था। डपसर पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये घटना इस साल फरवरी में हुई थी और इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता के पति ने पैसे उधार लिए थे, लेकिन वह चुका नहीं पाया। अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने कथित तौर पर चाकू की नोक पर पीड़िता के पति को धमकाया और फिर उसकी मौजूदगी में उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने कहा कि आरोपी ने इस घिनौने कृत्य को मोबाइल में रिकॉर्ड किया और वीडियो क्लिप को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल कर दिया। अधिकारी ने कहा कि हमने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ग्रामीणों ने 2 युवकों को पेड़ से बांधकर पीटा, लगाया चोरी का आरोप

चंडीगढ़, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के बठिंडा जिले में ग्रामीणों के एक समूह ने बिजली के तार चोरी करने के संदेह में दो लोगों की पिटाई की और उन्हें तारों के साथ एक पेड़ से बांध दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में, बिजली केबल चोरी करने के आरोपी दो लोगों को दया की गुहार लगाते देखा गया, जबकि एक ग्रामीण उन्हें छड़ी से मारता हुआ दिखाई दे रहा था। यह घटना तब सामने आई जब बठिंडा के भगता भाई का में हाल ही में चोरों ने रात के समय खेतों में लगी पानी की मोटर की बिजली केबल चोरी कर ली।

26वें दिन 11 हजार से अधिक लोगों ने की अमरनाथ यात्रा

श्रीनगर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा के 26वें दिन 11,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा के अंदर दर्शन किए, जबकि 3,111 भक्तों का एक और जत्था गुरुवार को जम्मू से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा, "जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से सुरक्षा काफिले में घाटी के लिए रवाना हुए 3,111 यात्रियों में से 2,303 पुरुष, 750 महिलाएं, 11 बच्चे और 47 साधु हैं।" बालटाल और पहलगाम के दो मार्गों पर भारी बारिश के बावजूद तीर्थयात्रा सुरक्षित रूप से जारी है। अधिकारियों ने कहा कि लगातार बारिश के कारण पवित्र गुफा की ओर जाने वाले रास्ते पर केलनार में एक पुल क्षतिग्रस्त हो गया था, लेकिन श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने तुरंत इसकी मरम्मत की और इसे बहाल कर दिया। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में 3-4 दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग दर्शन के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं। इस वर्ष की 62 दिवसीय लंबी अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू हुई, जो 31 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा उत्सव के साथ समाप्त होगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: एक सुस्त व्यक्ति हमेशा अपनी सुस्ती में ही व्यस्त रहता है। सुस्ती सबसे बड़ा विकार है

भारी बारिश बीच जीएचएमसी की सेवा जारी : तलसानी

मंत्री ने कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों के समाधान के लिए उठाए जा रहे कदमों की ली जानकारी

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी विकास और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि भारी बारिश के बावजूद सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी बिना किसी समस्या के शहर में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। गुरुवार को मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी और डिप्टी मेयर मोते श्रीलता रेड्डी के साथ जीएचएमसी कार्यालय के नियंत्रण कक्ष का दौरा किया। मंत्री ने कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों और उनके समाधान के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी ली। मंत्री को बताया गया कि विभिन्न विभागों के कर्मचारी तीन शिफ्टों में अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, जीएचएमसी के अंतर्गत आने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को अलर्ट किया जा रहा है।

बाद में, मंत्री ने मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोते श्रीलता रेड्डी, जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ और एसएनडीपी ईएनसी जियाउद्दीन के साथ मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कल्वाकुंतला चन्द्रशेखर राव और नगर विकास मंत्री कल्वाकुन्तला तारक रामा राव के दूरदर्शी विचारों से शहर के कई हिस्सों में बाढ़ की समस्या समाप्त हो गई है। बताया गया कि शहर में नहरों के व्यापक विकास के लिए शुरू किए गए एसएनडीपी कार्यक्रम के तहत 36 नहर विकास कार्य किए गए हैं, 30 कार्य पूरे हो चुके हैं और शेष 6 कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। पिछले साल तक बेगमपेट नहर के ऊपरी हिस्से से आने वाले बाढ़ के पानी के कारण ब्राह्मण वाडी, श्याम लाल बिल्डिंग और नहर के किनारे की अन्य कॉलोनियां बाढ़ के पानी में डूबी हुई थीं और लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि एसएनडीपी कार्यक्रम के तहत बेगमपेट नाला विकास कार्य के परिणामस्वरूप इस वर्ष ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। इस मौके पर मेयर विजयलक्ष्मी ने कहा कि वह बारिश की स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं। कंट्रोल रूम या डीआरएफ कंट्रोल रूम को प्राप्त शिकायतों का निस्तारण उसी दिन कर दिया जाता है। भारी बारिश के मद्देनजर मैदानी स्तर पर काम करने वाले सभी लोग सतर्क हैं।

मॉनसून इमरजेंसी टीम, डीआरएफ और सीआरएमपी टीम के साथ कुल 2,111 कर्मी तीन शिफ्टों में 24 घंटे काम कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि जमा हुए इलाकों से पानी हटाने के बाद बारिश के कारण दोबारा पानी हटाना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि शहर में सबसे अधिक 11 सेमी बारिश दर्ज की गई है और नियंत्रण कक्ष भी चौबीसों घंटे काम कर रहा है। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज ने कहा कि जीएचएमसी में 450 टीमें काम कर रही हैं, 39 मानसून आपातकालीन टीमें बनाई गई हैं, पानी निकालने के लिए 1097 पंप सेट स्थापित किए गए हैं। बारिश की पृष्ठभूमि में श्रमिकों को साफ रखने के लिए शहर में 185 तालाब हैं, जबकि सात तालाबों में अतिरिक्त पानी है और 35 तालाबों में एफटीएल है। अब तक 339 जल प्रवेश बिंदु हैं। उन्होंने कहा कि जुलाई माह में औसत से 60 प्रतिशत अधिक वर्षा हो चुकी है, वर्षा की पृष्ठभूमि में अधिकारियों को समय-समय पर शहर मण्डलवार स्थिति के प्रति सचेत किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में सेलर निर्माण नहीं करने के उपाय किये गये हैं तथा पूर्व में निर्मित सेलरों पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो इसके लिए मैदानी स्तर पर चेतावनी दी गयी है।

आयुक्त ने कहा कि वह निचले इलाकों में बाढ़ का सामना करने के लिए तैयार हैं और यदि आवश्यक हो तो उन्होंने 30 सर्कल-वार पुनर्वास केंद्र स्थापित किए हैं और कोई समस्या होने पर जाने के लिए तैयार हैं।

बारिश की स्थिति की समीक्षा के लिए लकड़ीकापुल में बाढ़ निगरानी केंद्र स्थापित

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में भारी बारिश के मद्देनजर समय-समय पर स्थिति की समीक्षा करने और उचित राहत और पुनर्वास कार्यक्रमों पर सलाह, सुझाव, सहायता प्रदान करने के लिए लकड़ीकापुल स्थित डीजीपी कार्यालय में एक विशेष बाढ़ निगरानी केंद्र स्थापित किया गया है। विभिन्न जिलों में स्थिति और राहत कार्यक्रमों की निगरानी डीजीपी अंजनी कुमार, अतिरिक्त डीजी शिवधर रेड्डी, संजय कुमार जैन, विजय कुमार और कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी डीजीपी कार्यालय के कमांड कंट्रोल रूम से कर रहे हैं।

अंजनी कुमार ने कहा, "राज्य के किसी भी हिस्से में सड़कों के क्षतिग्रस्त होने और यातायात बाधित होने की स्थिति में, संबंधित पुलिस अधिकारियों को तत्काल बहाली के उपाय करने के लिए उचित आदेश जारी किए जाते हैं।" उन्होंने आगे कहा कि गुरुवार सुबह तक 2900 लोगों को प्रभावित स्थानों से बचाया गया है और पुनर्वास केंद्र में ले जाया गया है। मोरंचापल्ली गांव में बाढ़ में फंसे लोगों के लिए एनडीआरएफ की छह टीमें बचाव कार्य कर रही हैं। लोगों को केवल आपात स्थिति के दौरान ही बाहर निकलने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद के तीन कमिश्नरेट में स्थिति नियंत्रण में है। माता-पिता को अपने बच्चों के प्रति सतर्क रहना चाहिए। जो लोग सेल्फी लेने आते हैं, वे खतरे में हैं और उन्हें सेल्फी लेने के लिए झरनों, तालाबों और बहती नहरों के पास नहीं जाना चाहिए।'

जरूरत न पड़े तो घरों से बाहर न निकलें : डीजीपी

लोगों से सेल्फी लेने के लिए बाहर न आने की अपील की

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार ने कहा कि हम मुख्य सचिव के माध्यम से प्रत्येक जिले से बारिश की निगरानी कर रहे हैं। अतिरिक्त महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था, ग्रे हाउंड्स और अन्य अधिकारी डीजीपी कार्यालय से निगरानी कर रहे हैं।

डीजीपी ने कहा कि करीब 2,900 लोगों को बचाया गया और पुनर्वास केंद्रों में ले जाया गया। हम मोचनपल्ली के बाढ़ पीड़ितों के लिए एनडीआरएफ की छह टीमों के साथ बचाव अभियान चला रहे हैं। जनता को आपातकाल के दौरान ही बाहर निकलना चाहिए। हैदराबाद के तीन आयुक्तालयों में स्थिति नियंत्रण में है। डीजीपी ने कहा कि मुसारामबाग पुल पर बाढ़ का पानी भी नियंत्रण में है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को लेकर सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने लोगों से यह भी कहा कि वे सेल्फी लेने के लिए अपने घरों से बाहर न निकलें और दुर्घटनाओं का सामना न करें। हम आपको बिजली के खंभों पर सतर्क रहने की सलाह देते हैं। हम 24 घंटे डीजीपी कार्यालय में राज्य भर की स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं।

कई दिनों की लगातार बारिश के बाद हैदराबाद को शुक्रवार से राहत मिलेगी

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कई दिनों की लगातार बारिश के बाद, हैदराबादवासी शुक्रवार से कुछ राहत की उम्मीद कर सकते हैं। मौसम अधिकारियों के अनुसार, शहर में बारिश जारी रहेगी लेकिन कल से इसकी तीव्रता कम होने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद के वैज्ञानिक डॉ. ए. श्रावणी ने कहा कि बारिश की तीव्रता कम होने की उम्मीद है, जिससे बारिश से लथपथ शहर को काफी राहत मिलेगी। शुक्रवार को होने वाली बारिश हल्की प्रकृति की होने की उम्मीद है और शनिवार से, बारिश कम होने की संभावना है, जिससे दिन में सूरज रोशनी मिलेगी। बारिश धीरे-धीरे कम हो जाएगी और हम सूरज के निकलने की उम्मीद कर सकते हैं।

नदी में बह जाने से व्यक्ति की मौत

सिरपुर कागजनगर, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चिंतालमनेपल्ली मंडल के शिवपल्ली गांव के मंडिगा चिन्नू (62) नामक व्यक्ति की गुरुवार को नदी में बाढ़ के पानी में फंसने से मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार को, शिवापेल्ली-गुडेम गांवों के मध्य में धारा पार करते समय पदुगा चिन्नू आज के उच्च ज्वार के कारण बह गया। यह जानने के बाद कि मंडिगा चिन्नू की बाढ़ के पानी में बह जाने से मौत हो गई है, उन्होंने अधिकारियों को सूचित किया। गौरतलब है कि जब गुरुवार को मंडल के दौरे के तहत जिले के एसपी और कलेक्टर मंडल के दौरे पर आए तो मंडल के अधिकारियों ने जिला अधिकारियों को स्थिति की जानकारी नहीं दी।

503 गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया : स्वास्थ्य निदेशक

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक स्वास्थ्य विंग ने 503 गर्भवती महिलाओं को बारिश प्रभावित क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया है ताकि उन्हें सुरक्षित प्रसव में सहायता मिल सके। अधिकारियों ने दवाओं का पर्याप्त भंडार भी बनाया है और स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों के समन्वय और समाधान के लिए पीएचडी कार्यालय (040-24651119) में 24/7 कॉल सेंटर स्थापित किया है।

तेलंगाना के सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक (डीपीएच) डॉ. जी. श्रीनिवास राव ने कहा कि सभी स्वास्थ्य कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और कर्मचारियों को भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया है।

सभी डीएम और एचओ कार्यालयों में कमांड कंट्रोल सेंटर स्थापित किए गए और पीएचसी चिकित्सा अधिकारियों को समन्वय के लिए सभी आरएमओ के फोन नंबर रखने का निर्देश दिया गया है। आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों का दौरा करने और सभी संबंधित विभागों के साथ घनिष्ठ समन्वय रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। सभी अस्पतालों और पीएचसी को एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) सहित आवश्यक दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों का पर्याप्त स्टॉक रखने के लिए कहा गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से पानी और वेक्टर जनित बीमारियों से सावधानी बरतने का आग्रह किया है, जो बारिश कम होने पर बढ़ सकती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि मौसमी बीमारियों के अलावा कंजंक्टिवाइटिस फैलने का भी खतरा रहता है, जो अक्सर मानसून के दौरान होता है।

सीपी ने कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से वर्षा आधारित क्षेत्रों की समीक्षा की

जलाशयों की समस्या, ट्रैफिक जाम आदि के लिए लोगों को सीपी का निर्देश

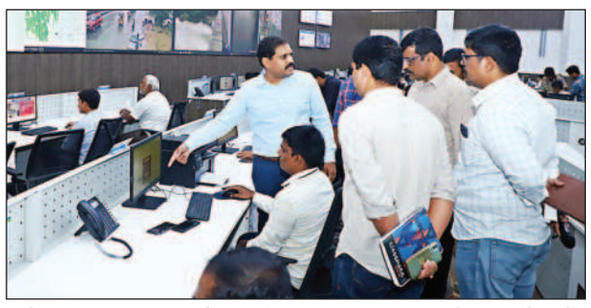

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र ने अतिरिक्त सीपी अविनाश महंती, ट्रैफिक संयुक्त सीपी नारायण नाइक के साथ गुरूवार को साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के कमांड कंट्रोल सेंटर में बड़ी स्क्रीन पर सीसीटीवी की लाइव निगरानी की। साइबराबाद के सभी क्षेत्रों की वास्तविक स्थितियों की जांच की गई और कर्मचारियों को उचित सुझाव दिए गए। इस मौके पर सीपी ने कहा कि सभी ट्रैफिक कर्मी जनता के लिए मैदान में हैं और बिना किसी परेशानी के अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों के साथ काम करना चाहते हैं कि बारिश में मोटर चालकों के लिए ट्रैफिक जाम के बिना वाहन आगे बढ़ें। आईएमडी मौसम विभाग के निर्देशानुसार, भारी बारिश के कारण आईटी कर्मचारियों को तीन शिफ्ट में भेजने के लिए उन्होंने पहले ही कंपनियों से बात कर ली है। यह अगले दो सप्ताह तक जारी रहेगा। लगातार हो रही बारिश के कारण लोग जरूरी होने पर ही बाहर निकलें, अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें। लोगों को यातायात कर्मियों के साथ सहयोग करना चाहिए और पुलिस और जीएचएमसी के निर्देशों का पालन करना चाहिए। इसी क्रम में सीपी ने कहा कि पब्लिक सेफ्टी-इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस सेंटर (पीएसआईओसी) से तालाबों का निरीक्षण किया गया। पिछले कुछ दिनों में हुई भारी बारिश के कारण परियोजनाओं के तालाब पूरी तरह से भर गए हैं और पुलिस अधिकारियों को उचित सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं ताकि कोई भी इन जलाशयों के पास न जाए। लोगों को बाढ़ के पानी के पास जाने से रोकने के लिए प्लास्टिक शंकु, बैरिकेड्स और चेतावनी फ्लेक्स स्थापित किए जाने चाहिए।

मुहर्रम जुलूस से पहले, शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने ऐतिहासिक बीबी के आलम का दौरा किया और ढत्तियां चढ़ायीं। श्री आनंद ने विक्रम सिंह मान एल एंड ओ, पी.साई चैतन्य डीसीपी दक्षिण क्षेत्र के साथ सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की निगरानी की।

हैदराबाद बारिश गड्ढों से भरे ओआरआर खंड की तत्काल मरम्मत शुरू

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लगातार बारिश के कारण आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के शमीरपेट-मेडचल-पटनचेरु खंड पर कहर बरपाया है, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) ने गुरुवार को इस मुद्दे के समाधान के लिए एक तत्काल पहल शुरू की है।

खराब सड़क की स्थिति ने यात्रियों और मोटर चालकों के बीच चिंता बढ़ा दी है, जिससे अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया गया है। एमए एंड यूडी के विशेष मुख्य सचिव, अरविंद कुमार के ट्वीट के अनुसार, एचएमडीए ने पहले ही ओआरआर के गड्ढों से भरे खंड पर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है, जो कि शमीरपेट से मेडचल तक और आगे पाटनचेरुवु तक फैला हुआ है, जिसमें निकास 1 पर ध्यान केंद्रित किया गया है। मरम्मत का उद्देश्य तत्काल अवधि में सड़क को सुरक्षित और अधिक चलने योग्य बनाना है, जिससे क्षतिग्रस्त सड़क का खामियाजा भुगतने वाले यात्रियों को राहत मिल सके। उन्होंने ट्वीट किया, "लगातार बारिश के कारण, विशेष रूप से शमीरपेट-मेडचल-पतनचेरु से ओआरआर पर निकास 1 तक के मार्ग पर बने गड्ढों को तुरंत मरम्मत के लिए ले जाया गया है।" ओआरआर खंड के लिए दीर्घकालिक योजनाओं को संबोधित करते हुए, अरविंद कुमार ने आगे बताया कि बारिश का मौसम कम होने के तुरंत बाद पूरी सड़क बिटुमिनस टार (बीटी) से गुजर जाएगी।

॥ नमन ॥ छठवीं पुण्यतिथि ॥ नमन ॥

स्व. श्री लखन सिंहजी पट्टेदार

संस्थापक : सरस्वती शिक्षा समिति

स्वर्गवास : शुक्रवार 28 जुलाई 2017

श्रद्धावनत : श्रीमती बीरमती बाई (धर्मपत्नी) राखी-राजेन्द्र सिंह (पुत्री-दामाद) बद्रीनाथ सिंह-शालिनी, डॉ. विश्वनाथ सिंह-सोनम (पुत्र-पुत्रवधू) तनिष्का, हर्षिता, कायरा (पौत्रियाँ) कुशाल (नाति) श्रेया (नातिन) एवं समस्त पट्टेदार परिवार

स्मृति में

HIGH MOUNT JR. COLLEGE FOR GIRLS, R.K. PET, HYDERABAD.
HIGH MOUNT HIGH SCHOOL, R.K. PET, HYDERABAD.
BALAJI MEMORIAL HIGH SCHOOL, SITARAMBAGH, HYDERABAD.
L.B. ACADEMY, SITARAMBAGH, HYDERABAD.
BALAJI KIDS, AGHAPURA, HYDERABAD.
HIGH MOUNT HIGH SCHOOL, JALI HANUMAN, HYDERABAD.
BALAJI MEMORIAL HIGH SCHOOL, KISHAN NAGAR, JHIRRA, HYD.
JYOTHI MEMORIAL GOOD SHEPHERD HIGH SCHOOL, AGHAPURA, HYD.

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, NAYAN MANI JANA, Spouse of Swapan Kumar Jana, R/o: Purba Birampur (V), Boroj (P), Chandipur(P.S), Purba Medinipur (D)-721633, West Bengal, have changed my name from NAYAN MANI JANA to NAYAN MANI MONDAL JANA, and my Date of Birth is: 21 Apr 1990,vide Affidavit dt.24-07-23,duly signed by P.RAVEENDRANATH, B.com., B.L., Adv & Notary.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एचएमडब्ल्यूएस के पानी छोड़े जाने के बाद पुलिस की मूसी नदी पर नजर

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड ने भारी बारिश के मद्देनजर उस्मानसागर और हिमायतसागर के गेट हटा दिए हैं और मूसी नदी में पानी छोड़ दिया है, पुलिस किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए नदी के रास्ते पर नजर रख रही है। राजेंद्रनगर, नसिंगी, लैंगर हौज, बहादुरपुरा, कुलसुमपुरा, अफजलगंज, चदरघाट, चैतन्यपुरी, मलकपेट और अन्य पुलिस स्टेशनों को जनता की भीड़ से बचने के लिए पुलिस पिकेट तैनात करने के लिए कहा गया था। ट्रैफिक पुलिस ने मुसी में पानी के भारी बहाव को देखते हुए पुरानापुल से जियागुड़ा तक 100 फीट लंबे सड़क मार्ग के एक तरफ को यातायात के लिए बंद कर दिया है।

किसी भी स्थिति से निपटने के लिए विभाग तैयार : प्रभाकर राव

सीएमडी ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में भारी बारिश के मद्देनजर ट्रांसमिशन और उत्पादन की स्थिति पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ट्रांसको व जेनको डी. प्रभाकर राव ने अधिकारियों के साथ समीक्षा की है। इस दौरान सभी फील्ड इंजीनियरों को अपने मुख्यालय पर उपस्थित रहने के निर्देश जारी किए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है। सेंट्रल ब्रेक डाउन गैंग को भी तैयार रखा गया है। किसी भी आपात स्थिति/ब्रेक डाउन से निपटने के लिए सभी ईएचटी सबस्टेशनों में तैयारी की गई है। सभी उत्पादन स्टेशन पर्याप्त कोयले के भंडार के साथ सामान्य रूप से प्रदर्शन कर रहे हैं। कृष्णा में प्रवाह के आधार पर जल विद्युत उत्पादन शुरू किया जाएगा सीएमडी ने बताया कि सभी टीएस पावर यूटिलिटीज पूरी तरह से ठीक हैं। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है और सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। पूरे राज्य में बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। सभी इंजीनियर और कर्मचारियों को सतर्क रहने और आपात स्थिति से निपटने का निर्देश दिया गया है और वे युद्धस्तर पर काम कर रहे है।

निर्मल जिला जलमग्न, कडेम प्रोजेक्ट रहा रेड अलर्ट

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री अलोल्ला इंद्रकरण रेड्डी, खानापुर विधायक अजमीरा रेखा नाइक निर्मल जिला कलेक्टर के वरुण रेड्डी ने निर्मल जिले के एसपी प्रवीण कुमार के साथ गुरुवार को निर्मल जिले में कड़ेम परियोजना का दौरा किया। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से पूछताछ की और पता चला कि कड़ेम बाढ़ द्वारों से बाढ़ का पानी बह रहा है। परियोजना से निचले इलाकों के गांवों के लोगों की निकासी परियोजना में बाढ़ का खतरा होने पर उठाए जाने वाले उपायों की समीक्षा की है। इस अवसर पर राज्य मंत्री आई.के. रेड्डी ने कहा कि जब परियोजना के चार बाढ़ द्वार बंद कर दिए गए, तो परियोजना के 14 बाढ़ द्वारों के माध्यम से गोदावरी में दो लाख 40 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जाता रहेगा। राज्य मंत्री आईके रेड्डी ने अधिकारियों को सावधानी बरतने की सलाह दी। उसके साथ बोजदासु निर्मल डीएसपी गंगारेड्डी कदेम मंडल, तहसीलदार चिन्नय्या एमपीडीओ वेंकटेश्वरलु खानापुर सीआई रविंदर नाइक कदेम एसएसवाई के. राजू, स्थानीय जन प्रतिनिधि एवं अन्य उपस्थित रहे। भैंसा तहसीलदार ने बताया कि भारी बारिश की पृष्ठभूमि में भैंसा मंडल के लोगों को उचित सावधानी बरतनी चाहिए और जब तक बहुत जरूरी न हो बाहर न निकलें।

पाउडर धातुकर्म व नई सामग्री संबध्द अंतर्राष्ट्रीय उन्नत अनुसंधान केंद्र (एआरसीआय)

(विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग का स्वायत्त अनुसंधान एवं विकास केंद्र, भारत सरकार)

पी.ओ. बालापूर, हैदराबाद-600006,तेलंगाना

ARCI — Azadi Ka Amrit Mahotsav — G20

विज्ञापन सं.:एआरसीआय/टीइ/1/2023

निविदा पूछताछ सं.एससी20210217/डब्ल्यूओ दि.28.07.2023

निदेशक, एआरसीआय व्दारा दो बोली प्रणाली में, एक वर्ष की अवधि के लिए, एआरसीआय कैंटीन (फूड एंड मैनपावर) में हास्पिटालिटी/कैटरिंग या खानपान सेवा हेतु योग्य सेवा प्रदाताओं या सर्विस प्रोवाइडर्स की व्यवस्था के लिए मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा शुल्क का मूल्य	ईएमओ
आयएनआर 1,770/-(1500+187 जीएसटी)	एनआर 1,38,000/-

उपरोक्त निविदा दस्तावेज, हमारे वेबसाइटः http:/www.arctres.in तथा सीपीपी पोर्टल http://www.eprocuregov.in/ epublish/app (सीपीपीपी निविदा आयडी संदर्भ सं 2023_MST_719203_1) पर दि.28.07.2023 से डाउनलोड कर सकते है।

तत्संबंधित निविदाओं की प्रस्तुति की अंतिम तिथि दि..22-08-2023 के 15.30 बजे तक है।

बाहुबली विजय मिश्र के भतीजे को इलाहाबाद हाई कोर्ट से झटका, कुर्क मकान को रिलीज करने से इनकार

प्रयागराज, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व बाहुबली विधायक विजय मिश्र भतीजे मनीष मिश्र को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कुर्क मकान रिलीज करने की मांग में दाखिल याचिका को खारिज कर दिया है. भदोही पुलिस ने गैंगस्टर के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो जून को लगभग 8 करोड का मकान कुर्क किया था, जिसके बाद अधिवक्ता रजनीश शुक्ल और विपिन शुक्ल की ओर से याचिका दाखिल की गई थी. इलाहाबाद हाईकोर्ट में इस याचिका पर आज जस्टिस विवेक कुमार बिड़ला और जस्टिस राजेंद्र कुमार चतुर्थ की डिवीजन बेंच ने सुनवाई की. कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीले सुनी, जिसके बाद मनीष मिश्र की याचिका को खारिज कर दिया गया. इसके साथ ही कोर्ट ने ये भी कहा कि याची को नए सिरे से याचिका दाखिल करने की छूट नहीं दी जा रही है.

याचिका में दी गईं ये दलीलें

याचिकाकर्ता और बाहुबली विजय मिश्र के भतीजे मनीष मिश्र की ओर से कहा गया है कि वो अल्लापुर स्थित मकान में किराएदार के तौर पर रहते थे, ये मकान उनकी पत्नी बिंदु मिश्रा के नाम पर है. मनीष मिश्र बाहुबली विजय मिश्र गैंग का सक्रिय सदस्य है, जिसकी वजह से उसके खिलाफ कुर्की की कार्रवाई की गई और इस मकान को कुर्क कर लिया गया. याची ने कहा कि इस मकान में उनका सामान भी रखा था जो कुर्की के साथ जब्त कर हो गया. याची ने इससे पहले डीएम भदोही को इस मामले में प्रत्यावेदन दिया था, ताकि मकान के साथ जब्त हुआ उनका सामान दे दिजाय जाए, लेकिन सुनवाई की दौरान के दौरान डीएम ने उनका प्रत्यावेदन खारिज कर दिया था. जिसके बाद याचिकाकर्ता ने डीएम भदोही के आदेश को अदालत में चुनौती दी थी. याचिका का विरोध करते हुए अपर अधिवक्ता पीसी श्रीवास्तव और अपर शासकीय अधिवक्ता विकास सहाय ने कहा कि सिविल कोर्ट से स्टे का आदेश कुर्की को बचाने के लिए लिया गया था. जबकि हकीकत ये है कि कुर्की की कार्रवाई 6 अप्रैल को शुरू हुई थी और कुर्की दिसंबर में की गई.

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की सादगी को आज भी करते हैं नमन, इत्र ले गए अपने साथ

कन्नौज, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने पर्यावरण को लेकर बड़ा संदेश दिया था। इस दौरान मौजूद लोगों को उन्होंने पौधारोपण के लिए हाथ उठाकर संकल्प दिलाया। उनकी छवि आज भी कन्नौज वासियों के मन में बसी है। जिन्हें देखने और सुनने के लिए कार्यक्रम स्थल पर जनसैलाब उमड़ा था। एपीजे अब्दुल कलाम अंग्रेजी भाषण में लोगों को एक एक पॉइंट का मतलब समझाते थे। अंग्रेजी भाषण का हिंदी अनुवाद लोगों को सुनाया गया। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम कन्नौज के तिर्वा तहसील के अंदुआहार में सोलर प्लांट के उद्घाटन कार्यक्रम में आए थे। 7 जुलाई 2015 को हुए उद्घाटन कार्यक्रम में उनका भाषण पर्यावरण के महत्व पर केंद्रित था। उन्होंने कहा कि सोलर प्लांट से पर्यावरण का संरक्षण होता है। इसके साथ ही सस्ती बिजली भी मिल रही है। उनके आवास पर भी सोलर प्लांट लगा है। उन्होंने देशभर में सोलर प्लांट स्थापित करने पर जोर दिया था।

कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही पूर्व राष्ट्रपति ने कुर्सी में बैठने के पहले लोगों को नमस्कार किया, तो सभी लोग खड़े होकर उनका अभिवादन करने लगे।

लाख बहोसी पक्षी विहार को भी देखने गए। पक्षी विहार के गेस्ट हाउस में उन्होंने शाकाहारी भोजन किया। जिसमें बैगन की भुजिया, करेला, तरोई, कुंदरू की सब्जी थी। इसके साथ ही चावल सलाद, नींबू के अचार के साथ रोटी का भी स्वाद लिया। तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उन्हें कन्नौज का इत्र भी भेंट किया। अखिलेश यादव द्वारा दिए गए इत्र की शीशी को उन्होंने सभी को दिखाया।

एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु राज्य के रामेश्वरम रामनाथपुरम में हुआ था। उनकी मृत्यु 27 जुलाई 2015 को 83 साल की उम्र में हुआ था।

जब वह मेघालय के शिलांग में शैक्षणिक कार्यक्रम में छात्र छात्राओं को संबोधित कर रहे थे।

भागलपुर में युवक को खूंटे से बांधकर जमकर पीटा

फिर आधा सिर मुड़वा कर गांव में निकाला जुलूस

भागलपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। जिले में एक युवक को खूंटे से बांधकर पीटने और उसका सिर मुंडवाकर गांव में घुमाने का वीडियो वायरल हो रहा है।

बताया जा रहा है कि छेड़खानी के आरोप में युवक से बेरहमी से मारपीट की गई। वीडियो में दिख रहा है कि आरोपी युवक की एक खूंटे में बांधकर पिटाई की जा रही है।

इसके बाद लोगों की भीड़ ने उस युवक का आधा सिर मुड़वाकर जुलूस की शक्ल में पूरे गांव में भी घुमाया। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, छह महीने पहले गांव की ही एक युवती को लेकर उक्त युवक फरार हो गया था। कुछ दिन बाद युवती के साथ गांव लौटा तो पंचायती हुई। भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न करने की शर्त पर समझौता हुआ।

ग्रामीणों का आरोप है कि युवक फिर से युवती के साथ छेड़खानी करने लगा। इसी आक्रोश में गांव के लोगों ने कानून को हाथ में लेते हुए युवक की पिटाई की। बताया जाता है कि पीड़ित युवक घटना के बाद से ही गांव से फरार है। वह आइसक्रीम बेचता है।

'...तो पुलिस क्या करेगी? लाठीचार्ज और गोली तो चलाएगी

कटिहार की घटना पर सीएम नीतीश की पार्टी का रिएक्शन

पटना, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कटिहार के बारसोई में गोली लगने से मौत के मामले में सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू की प्रतिक्रिया आई है. बिहार सरकार में ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने गुरुवार (27 जुलाई) को कहा कि कोई बदमाशी करेगा तो पुलिस क्या करेगी? लाठीचार्ज और गोली तो चलती है. जिनकी मृत्यु हुई है उनके परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा इस पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि देखा जाएगा.

बिजेंद्र यादव ने पूछा- मणिपुर में क्या हो रहा?

ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे. एक सवाल पर कि कहा जा रहा है कि ये सरकार आरजेडी

के साथ जाकर जंगलराज बना रही है इस पर बिजेंद्र यादव ने कहा कि मणिपुर में कौन सा भगवान का राज है? मणिपुर में क्या हो रहा है? यूपी में क्या हुआ? जिसे कोर्ट में लाया गया उसी को मार दिया गया. अपना नहीं देखते हैं लोग और दूसरे पर आरोप लगाते हैं. एक सवाल पर कि नीतीश कुमार से इस्तीफे की मांग की जा रही है इसके जवाब में बिजेंद्र यादव ने कहा कि मणिपुर में मुख्यमंत्री ने क्यों नहीं इस्तीफा दिया? विपक्ष का काम है विरोध करना. कहा जा रहा है कि तीसरी बार भी केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आएगी. इस पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जब तीसरी बार सरकार आएगी तो फिर क्यों चिंतित हैं? क्यों डरे हुए हैं और परेशान हैं? बता दें कि कटिहार के बारसोई अनुमंडल में अनियमित बिजली व्यवस्था को लेकर बीते बुधवार की दोपहर काफी संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधि बारसोई प्रखंड कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन कर रहे थे. मामला बढ़ा तो पुलिस पहुंची. खूब हंगामा हुआ. ईंट-पत्थर भी चलाए गए. मामले को शांत करने के लिए पुलिस ने हवाई फायरिंग की. लाठीचार्ज भी किया. लोगों का कहना है कि पुलिस की गोली से ही तीन लोग शिकार हुए हैं हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है. गोली लगने से दो लोगों की मौत हुई है जबकि एक की हालत गंभीर है.

5 साल की मासूम से दरिंदगी, 3 लोगों ने किया रेप; मरा समझ छोड़कर भागे

बाराबंकी, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में पांच साल की मासूम के साथ दरिंदगी का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। हालांकि घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस फौरन एक्शन में आई। पीड़ित बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया और आरोपियों को भी शिकंजे में लिया गया। लेकिन इस वारदात से गांव में आरोपियों के खिलाफ काफी रोष देखा जा रहा है। पीड़िता की मां के मुताबिक आरोपी बच्ची को मृत समझकर तालाब के पास छोड़कर फरार हो गए थे। बच्ची की तलाश में जब वो निकली तो वह तालाब के पास लहूलुहान हालत में मिली। सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। वारदात बाराबंकी के रामनगर थाना क्षेत्र की है। यहां एक महिला ने आरोप लगाया कि उसके पड़ोस में रहने वाले तीन लोगों ने उसकी 5 साल की मासूमे के साथ रेप किया। महिला के मुताबिक उसने पड़ोसियों पर भरोसा किया लेकिन उन्होंने भरोसे का कत्ल कर दिया।तीनों आरोपी उसकी बच्ची को बहला-फुसला कर घर से उठा ले गये थे। रेप के बाद तीनों शख्स बच्ची को मृत समझ कर मौके से फरार हो गये। बच्ची की हालत देखकर महिला ने पुलिस से संपर्क किया।

कटिहार की घटना को लेकर सीएम नीतीश पर बरसे उपेंद्र कुशवाहा

कहा- मुख्यमंत्री तुरंत करें हस्तक्षेप, कर दी बड़ी मांग

नालंदा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कटिहार के बारसोई अनुमंडल में अनियमित बिजली को लेकर हुए उग्र प्रदर्शन में गोली लगने से हुई मौत मामले में आरएलजेडी के सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा ने बड़ा बयान दिया है। गुरुवार (27 जुलाई) को बिहारशरीफ के सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस पर तुरंत हस्तक्षेप करें। 302 के तहत मुकदमा दर्ज हो। नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधते हुए उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि बिजली नहीं मिलने के कारण बिहार भर के किसान आक्रोशित हैं। जगह-जगह लोग लोकतांत्रिक तरीके से आक्रोश व्यक्त करते हैं। किसान की समस्या पर ध्यान देने की बात तो छोड़िए उल्टे सरकार उनकी आवाज को लाठी और गोली से बंद करने पर उतारू हो गई है। किसान जब पानी और सिंचाई के लिए बिजली मांगने जाते हैं उनको गोली दी जा रही है और लाठी चलाई जा रही है। कटिहार की घटना को लेकर कुशवाहा ने कहा कि हमने वहां (कटिहार) के लोगों से बात की है। अगर कहीं भी भीड़ बेकाबू होती है तो पुलिस-प्रशासन के लोग पहले समझाते हैं। गोली चलाना अंतिम विकल्प है, मगर पहले कोई विकल्प नहीं दिया गया। सीधे नजदीक से गोली मारी गई है। लोगों के सिर में सटाकर गोली मारी गई है। जान मारने की नीयत से गोली मारी गई है। अब ऐसी स्थिति में सरकार को लगता होगा कि लोगों के आक्रोश को गोली से दबा देंगे तो सरकार मुगालते में है। मुख्यमंत्री को अविलंब हस्तक्षेप करना चाहिए। घटना में जो भी दोषी हैं उनके ऊपर 302 के तहत मुकदमा होना चाहिए। उपेंद्र कुशवाहा ने यह भी कहा कि बिहार में तानाशाही का तंत्र चल रहा है क्योंकि कोई तानाशाह की सरकार ही आंदोलन करने वाली जनता पर गोली चला सकती है। उसकी जान ले सकती है। यह जनतांत्रिक सरकार कभी नहीं ऐसा कर सकती है।

अखिलेश यादव बोले बीजेपी और पीएम एक मणिपुर हिंसा के लिए बीजेपी की वोट बैंक की राजनीति और नफरत जिम्मेदार

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में हिंसा का दौर जारी है। वहीं, कुकी जनजाति की दो लड़कियों के निर्वस्त्र कराकर घुमाये जाने और यौन उत्पीड़न का वीडियो वायरल होने के बाद पूरे देश में राजनीति गरमा गई है। इस मामले में सत्ता पक्ष और विपक्ष के गठबंधन इंडिया के बीच बयानों की जंग जारी है। विपक्ष जहां एक ओर इस मामले में संसद में पीएम मोदी से जवाब मांग रहा है वहीं, इस मामले में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा, आरएसएस व पीएम मोदी पर हमला बोला। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव कहते हैं, बीजेपी और पीएम एक हैं।

आरएसएस द्वारा फैलाई गई नफरत और बीजेपी की वोट बैंक की राजनीति - मणिपुर में जो कुछ भी हो रहा है, वह इसी के कारण है। सरकार को हर चीज की जानकारी होनी चाहिए। ऐसा नहीं हो सकता कि एजेंसियों को पता न हो। वहां जो कुछ भी हो रहा है, उसकी उन्हें जानकारी होनी चाहिए। अगर सरकार ने यह सब होते देखा है, तो उन्हें सत्ता में नहीं रहना चाहिए। अखिलेश ने यह भी कहा कि भाजपा की तरफ से ये बात आ रही है कि अर्थव्यवस्था में हम तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे। क्या अर्थव्यवस्था में 1 नंबर पर पहुंचने से देश में नारियों और बेटियों का ये सम्मान होगा? मणिपुर की घटना ने सबको बात करने के लिए मजबूर किया है,

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा ने दिया इस्तीफा, मणिपुर की हिंसा को बताया कारण

पटना, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार भाजपा के प्रवक्ता और प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य विनोद शर्मा ने पार्टी और पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। विनोद शर्मा ने इस्तीफे का कारण मणिपुर की घटना को बताया है। विनोद शर्मा ने इस्तीफे से जुड़े पोस्टर पटना के चौराहों पर लगाए हैं, जिसमें मणिपुर की घटना के लिए पीएम और सीएम का इस्तीफा मांगा गया है। पोस्टरों में उनके इस्तीफे की बात के साथ मणिपुर की घटना के लिए पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मणिपुर के सीएम वीरेन सिंह को जिम्मेदार बताया गया है।शर्मा ने अपने पोस्टर में राष्ट्रकवि दिनकर के शब्दों का उल्लेख किया। उन्होंने लिखा, 'समर शेष है, नहीं पाप का भागी केवल व्याघ्र...जो तटस्त है, समय लिखेगा उनका भी अपराध'। उन्होंने मोदी सरकार के विरोध में एक नारा भी दिया।

मणिपुर की घटना से पूरे विश्व में भारत हुआ शर्मसार

उन्होंने लिखा, भारत की बहन बेटियां करे चित्कार, शर्म करो बेटी बचाओ का नारा देने वाली मोदी सरकार'। जेपी नड्डा को लिखे अपने इस्तीफे में उन्होंने लिखा, मणिपुर में बेटियों को पूर्ण नग्न कर भीड़ में सड़कों पर घुमाए जाने के कारण पूरे विश्व में भारत शर्मसार हुआ है।

ऐसे नेतृत्व में काम करते हुए मुझे हो रही आत्मग्लानि

इसके लिए पीएम मोदी और सीएम एन बीरेन सिंह दोनों जिम्मेदार हैं। ऐसे नेतृत्व में काम करते हुए मुझे आत्मग्लानी हो रही है। इसलिए मैं तत्काल प्रभाव से पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देता हूं।

'केस रफा-दफा करने के लिए दारोगा ने मांगे थे पैसे', महिला की खुदकुशी के बाद परिजनों का गंभीर आरोप

नोएडा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक महिला की खुदकुशी के बाद मामला गंभीर हो गया है। महिला के परिजनों के मुताबिक, पुलिस ने एक केस को रफा-दफा करने के लिए महिला से पैसे मांगे थे, जिसकी वजह से वह मानसिक तनाव में आ गई और आत्महत्या जैसा भयावह कदम उठा लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला नोएडा में दनकौर थाना क्षेत्र के दनकौर कस्बे की रहने वाली थी। महिला के परिजनों ने उसके शव को बुधवार को थाने के पास रखकर हंगामा किया और उसकी मौत के लिए पुलिस को जिम्मेदार ठहराया। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) अशोक कुमार सिंह ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मोनी देवी ने बीती रात को अपने घर पर फांसी लगा ली।

'अविश्वास प्रस्ताव इसलिए नहीं लाया गया कि मोदी जी हम आपको पसंद नहीं करते', मनोज झा का बड़ा बयान

पटना, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर सियासी बवाल जारी है। विपक्षी मोर्चे ने कांग्रेस के नेतृत्व में मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। अविश्वास प्रस्ताव को स्पीकर ओम बिरला ने स्वीकार कर लिया है। इधर अविश्वास प्रस्ताव को लेकर आरजेडी से राज्यसभा सांसद मनोज झा ने गुरुवार को कड़ी प्रतिक्रिया दी है। वजह भी बताई है कि क्यों इसे लाया गया है। आरजेडी सांसद मनोज झा ने बातचीत में कहा कि अविश्वास प्रस्ताव इसलिए नहीं लाया गया है कि मोदी जी हम आपको पसंद नहीं करते हैं। मणिपुर की घटना का जिक्र करते हुए मनोज झा ने कहा- पीएम मोदी की चुप्पी तोड़ने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। सचमुच कहता हूं कि हम लोकसभा और राज्यसभा हार गए, प्रधानमंत्री जी बोल नहीं रहे हैं तो उस संदर्भ में ये अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है ताकि इसके तहत वो अपनी बात कह सकें।

'हमें जीत हार से मतलब नहीं'

मनोज झा ने कहा- मणिपुर में आज फिर कुछ ऐसी चीजें हुई हैं जो रोंगटे खड़ी कर देती हैं। मैं समझता हूं कि हमारे पीठासीन अधिकारी इसको सबसे पहले प्राथमिकता में लाएं ताकि पीएम बोले। हमें जीत हार से मतलब नहीं है। उनके पास विधायी बहुमत है लेकिन नैतिक बहुमत नहीं है। अगर नैतिकता के आधार पर पीएम मोदी आकर जुबान खोलेंगे तो शायद मणिपुर में हालात बेहतर हो। वहीं एक सवाल के जवाब में आगे मनोज झा ने कहा कि हमारी ये कोशिश है कि सदन सामूहिक शर्म का इजहार करे। सदन प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में मणिपुर को कहे कि मैं माफी मांगता हूं। प्रधानमंत्री जी इस बात की स्वीकारोक्ति करें कि मणिपुर को हम अगर ये एहसास नहीं दिला रहे हैं कि आप हमारे हैं तो इससे ज्यादा खतरनाक कुछ नहीं हो सकता है।

स्वामी प्रसाद बोले- केवल ज्ञानवापी क्यों सभी हिंदू मंदिरों की जांच हो बद्रीनाथ मंदिर को लेकर भी दावा

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। रामचरित मानस विवाद के बाद साधु संतों पर आपत्तिजनक बयान देने वाले सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने अब बद्रीनाथ धाम को लेकर दिया विवादित बयान दिया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि बद्रीनाथ 8वीं सदी तक बौद्ध धर्मस्थल था और बौद्ध धार्मिक स्थल खत्म करके बद्रीनाथ मंदिर बनाया गया है। इतना ही नहीं ज्ञानवापी प्रकरण में स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि केवल ज्ञानवापी ही क्यों देश के सभी हिन्दू मंदिरों की जांच होनी चाहिए। स्वामी प्रसाद मौर्य ने दावा किया कि देश के ज्यादातर मंदिर बौद्ध धर्मस्थलों को तोड़ कर बनाए गए हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य यहीं पर नहीं रुके उन्होंने यहां तक कह डाला कि शंकराचार्य ने बद्रीनाथ धाम बनवाया। यह पहले बौद्ध धार्मिक स्थल था। जिसे तोड़कर बद्रीनाथ धाम बनाया गया। ज्ञानवापी परिसर के सांइटिफिक सर्वे मसले पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में मामला चल रहा है। बहस के दौरान मंदिर पक्ष के अधिवक्ता विष्णु जैन ने कहा कि वाराणसी में जिला जज के समक्ष अर्जी में कहा गया है कि गुंबद के नीचे स्ट्रक्चर है। सत्यता पता करने के लिए एएसआई सर्वे कराया जाए। वहां मंदिर है इसका साक्ष्य साइंटिफिक सर्वे से ही मिलेगा। भारत सरकार की तरफ से इलाहाबाद हाईकोर्ट में बुधवार को यह आश्वासन दिया गया कि साइंटिफिक सर्वे से वाराणसी स्थित परिसर को कोई क्षति नहीं पहुंचेगी। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर ने जब एएसजीआइ शशि प्रकाश सिंह से यह पूछा कि क्या ड्रिल नहीं करेंगे, क्या करेंगे बताएं। इस पर एएसजीआइ ने कहा जांच कर फोटो लेंगे, संपत्ति को क्षति नहीं होगी। कैसे जांच होगी यह टीम बता सकती है, किंतु बिना क्षति सर्वे पूरा होगा।

सीमा और सचिन केस में दो भाई गिरफ्तार, फर्जी आधार कार्ड बनवाने का है मामला

बुलंदशहर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान से अवैध तरीके से भारत आई महिला सीमा हैदर के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। दादरी थाना पुलिस ने दो ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया है, जिस पर सीमा हैदर और उसके बच्चों के नाम से फर्जी आधार कार्ड बनाने का आरोप है। यूपी एटीएस इन दोनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किये गये दोनों शख्स के नाम पवन और पुष्पेंद्र हैं।

दोनों आपस में रिश्ते में भाई बताये जा रहे हैं। पुलिस ने इनके पास से 15 आधार कार्ड, 3 लैपटॉप और 3 प्रिंटर भी बरामद किया है। बताया जा रहा है कि दोनों सचिन मीणा के रिश्तेदार हैं। जब से सीमा हैदर और उसके बच्चों के नाम से फर्जी आधार कार्ड का मामला सामने आया था, तभी से पुलिस इस मामले में गंभीरता से छानबीन में जुटी हई थी। इसी सिलसिले में दादरी पुलिस बुलंदशहर पहुंची, जहां सचिन और सीमा ठहरे थे।

आगरा में जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर होगा मनकामेश्वर मंदिर, सीएम योगी ने किया एलान

आगरा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा और मथुरा का दौरा किया। आगरा में सीएम योगी ने फतेहाबाद स्थित ताज ईस्ट गेट के मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो के हाई स्पीड ट्रायल रन का शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम योगी जामा मस्जिट मेट्रो स्टेशन को लेकर बड़ा एलान किया। उन्होंने साफ कर दिया कि जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन का नाम मनकामेश्वर मंदिर स्टेशन होगा। पिछले काफी समय से इस बात को लेकर चर्चा की जा रही थी कि आगरा में जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन का नाम बदला जा सकता है, जिस पर कल योगी आदित्यनाथ ने विराम लगा दिया। सीएम योगी आगरा में ताज ईस्ट गेट के मेट्रो स्टेशन का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने आगरा मेट्रो रेल और मेट्रो स्टेशन का भी निरीक्षण किया और मेट्रो के काम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आगरा में मेट्रो रेल परियोजना का काम तेजी से चल रहा है। जिसे देखकर ये कहा जा सकता है कि ये तय सीमा से पहले ही खत्म हो जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि पहले आगरा में मेट्रो रेल परियोजना के काम की समय सीमा अगस्त 2024 थी, लेकिन जितनी तेजी से ये काम चल रहा है उससे लगता है कि ये फरवरी 2024 तक बनकर तैयार हो जाएगी। आगरा में मेट्रो का ट्रायल पहले हो चुका है लेकिन तब उसकी रफ्तार 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से थी, लेकिन अब हाई स्पीड ट्रायल हो रहा है और इसकी स्पीड 60-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से करने की तैयारी की जा रही है। सीएम योगी ने मेट्रो स्टेशन प्रायोरिटी सेक्टर के तीन एलिवेटेड स्टेशन बनकर तैयार हो गए हैं। ताज ईस्ट गेट से मनकामेश्वर मंदिर स्टेशन तक 6 किमी में 3 एलिवेटेड स्टेशन हैं। अपने भाषण के दौरान सीएम योगी ने जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन को मनकामेश्वर कहा, जिसके बाद नाम बदलने की चर्चाओं पर मुहर लग गई। सीएम योगी ने कहा कि तीन एलिवेटेड स्टेशन बनकर तैयार है। मेट्रो की ट्रेनें भी उपलब्ध हो गई हैं। ट्रायल रनवे पर मेट्रो दौड़ चुकी हैं।

महाराष्ट्र के कई जिलों में रेड अलर्ट, सड़कों पर आया नाले का पानी, डरावना है मंजर

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मॉनसून काफी एक्टिव है। महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों में खूब बारिश देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में मौसम विभाग ने मुंबई के लिए रेड अलर्ट जारी कर दिया है। खबर ये भी आ रही है कि मुंबई समेत आसपास के इलाकों में तेज बारिश होगी। इस कारण बृहन्नमुंबई महानगरपालिका ने एहतियाती तौर पर स्कूलों और कॉलेजों को बंद कर दिया है। बता दें कि कोलाबा इस बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित है। मौसम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इतिहास में पहली बार हो रहा है जब मुंबई में इतनी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इससे पहले साल 2020 में रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई थी।

इन जिलों में रेड अलर्ट जारी

सतारा में मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी कर दिया है और गढ़चिरौली में भी भारी हो रही है। कोल्हापुर में फिलहाल लोगों को बारिश से राहत मिली है। वहीं पुणे शहर में मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। बता दें कि सतारा, रत्नागिरी, गढ़चिरौली, चंद्रपुर, विदर्भ में रेड अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही कोंकण, कोल्हापुर, नागपुर, गोंदिया, भंडारा, यवतमान जिलों में बारिश के लोकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

रायगढ़ का मौसम

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में लगातार बारिश हो रही है। नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण कई गांव पानी से घिरे हुए हैं। अलीबाग तालुका का मुदखटखर गांव भी जलमग्न हो चुका है। बता दें कि रायगढ़ जिले में लगातार दस दिनों से भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने इस बाबत रेड अलर्ट घोषित कर दिया है। यहां आज भी बारिश जारी है। बारिश बढ़ने से पेन और रोहा में नदियां और बरसाती नाले उफान पर हैं। नदियों का जलस्तर बढ़ने से प्रशासन ने नदी किनारे के लोगों को अलर्ट कर दिया है।

वर्धा का मौसम

वर्धा जिले में सुबह से ही तेज बरसात हो रही है। इस कारण लोगों के घरों में पानी घुस चुका है। रेड अलर्ट और बारिश की स्थिति के कारण छात्रों की सुरक्षा के लिए स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। आंगनवाड़ी केंद्रों में भी इस बाबत छुट्टी की घोषणा कर दी गई है। साथ ही सारुल में यशोदा ब्रिज पर पानी आने के कारण वर्धा रालेगांव मार्ग यातायात प्रभावित हो रहा है। हिंगनघाट तालुका के कुंबी में नाले का पानी 10 से 12 घरों में घुस गया है।

नागपुर का मौसम

नागपुर में पिछले 24 घंटे में 121 मिमी बारिश दर्ज की गई है। बारिश की वजह से नदी नाले पूरी तरह से उफान पर हैं। नागपुर के नालों के ऊपर से पानी बह रहा है। साथ ही कई इलाकों और लोगों के घरों में पानी भर गया है। पिछले 24 घंटे में नागपुर में 121 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसका असर ये है कि नागपुर जलमग्न हो चुका है। नागपुर के अन्य इलाकों की पुलिया भी पानी में पूरी तरह से डूब गई है।

एयरफोर्स जवान के सीने में धड़केगा मृत महिला का दिल, हार्ट ट्रांसप्लांट सक्सेसफुल

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के एक जवान के हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए एयरफोर्स ने जीवित मानव दिल को एयरलिफ्ट के जरिए 26 जुलाई को नागपुर से पुणे पहुंचाया। इसके लिए एक ग्रीन कोरिडोर बनाया गया। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक इस बाबत रक्षा विज्ञप्ति में बताया गया कि एयरलिफ्ट के जरिए मानव हृदय को भारतीय वायु सेना के एएन-32 विमान से नागपुर से पुणे पहुंचाया गया। इस कारण यहां नागरिक प्रशासन द्वारा ग्रीन कोरिडोर बनाया गया ताकि मानव हृदय को भेजा जा सके। वायुसेना के जवान के में जो हार्ट ट्रांसप्लांट किया जा रहा है वह एक ब्रेन डेड महिला का है। एयरफोर्स के विमान को उड़ान भरने में कुल 90 मिनट का समय लगा। प्रेस विज्ञप्ति के मातुबाकि दिल की डोनर महिला का नाम शुभांगी गण्यारपवार था जो कि 31 वर्षीय हैं। जानकारी के मुताबिक शुभांगी अपने पति और बेटी के साथ रहती थी। सिर में गंभीर सिरदर्द के बाद 20 जुलाई को नागपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां महिला को डॉक्टरों ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया। इसके बाद महिला के परिजनों ने यानी शुभांगी के पति और भाई की सहमति से शुभागी के हृदय, लीवर और दो किडनी चार लोगों को दान कर दी गई। इस बाबत दक्षिणी कमान ने ट्वीट करते हुए कहा है कि ग्रीन कॉरिडोर आईएएफ ट्रैफिक पुलिस नागपुर और पुणे और एससी प्रोवोस्ट यूनिट की ओर से प्रदान किया गया।

हाईकोर्ट : सहमति संबंध में रह कर सुरक्षा मांगने वालों को लेकर

एचसी ने पंजाब-हरियाणा सरकार से मांगा जवाब

चंडीगढ़, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सहमति संबंध में रहते हुए सुरक्षा मांगने वाले प्रेमी जोड़ों को लेकर हाईकोर्ट की एकल बेंच के विरोधाभासी आदेशों के चलते इस मामले में गठित की गई खंडपीठ ने अब इस विषय पर हरियाणा व पंजाब सरकार को जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। दोनों सरकार को इस बारे में 25 सितंबर तक जवाब दाखिल करना होगा। हाईकोर्ट में सहमति संबंध में रहने वालों द्वारा सुरक्षा की मांग को लेकर बड़ी संख्या में याचिकाएं पहुंच रही थी। इन याचिकाओं पर सिंगल बेंच सुनवाई करती थी और इस विषय को लेकर कानूनी स्थिति स्पष्ट न होने चलते अगल-अलग आदेश जारी हो रहे थे। ऐसे में मामले पर स्थिति स्पष्ट करने के लिए एकल बेंच ने 21 मई 2021 को इसे चीफ जस्टिस को रेफर करते हुए बड़ी पीठ के गठन का आग्रह किया था। इस मामले में प्रेमी जोड़े ने सुरक्षा की गुहार लगाई थी और युवक पहले से विवाहित था। उसका पत्नी से विवाद चल रहा था लेकिन तलाक नहीं हुआ था। प्रेमी जोड़े ने परिजनों से जान को खतरा बता कर सुरक्षा की मांग की थी। जस्टिस अनिल खेत्रपाल ने कहा था कि कई बेंच सहमति संबंध में प्रेमी जोड़ों को सुरक्षा देने के आदेश दे चुकी है तो कई इसे नैतिक व सामाजिक तौर पर गलत मान कर उनकी याचिका खारिज कर चुकी है। जस्टिस अनिल खेत्रपाल ने चीफ जस्टिस से ऐसे मामलों पर स्पष्ट फैसला लेने के लिए एक बड़ी पीठ के गठन करने का आग्रह किया था। इसके बाद चीफ जस्टिस ने इस मामले की डिवीजन बेंच को सुनवाई के आदेश दिए थे।

पत्नी के चरित्र पर था शक, उठा लिया खौफनाक कदम

छतरपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आ रही है यहाँ एक शख्स को अपनी पत्नी पर शक के चलते शूटरों से उसका क़त्ल करवा दिया। पुलिस ने पति को गिरफ्त में लेकर पूछताछ की तो इस बात का खुलासा हुआ। पुलिस ने अपराधी पति एवं शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त खबर के अनुसरा, छतरपुर के शांति नगर कॉलोनी में रहने वाली ज्योति शुक्ला अपने पड़ोसी सूर्यांश प्रजापति के साथ बाइक पर अपनी 5 वर्षीय बेटी को स्कूल से लेकर घर आ रही थी। इस के चलते बीच रास्ते में भैसासुर मुक्ति धाम के पास चार नकाबपोश बदमाश ज्योति शुक्ला को गोली मारकर मौके से फरार हो गए। वही घटना की खबर प्राप्त होते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

चुनाव से पहले कमलनाथ ने पार्टी कार्यकर्ताओं को दी चेतावनी, बोले- नहीं बर्दाश्त की जाएंगी ये हरकतें

भोपाल, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में अब ज्यादा समय नहीं है। प्रदेश की सत्ता में काबिज होने के बाद पीसीसी चीफ कमलनाथ ने सख्त रुख अपना लिया है। उनका यह सख्त रुख अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए है। कांग्रेस कार्यालय में आयोजित बैठक उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सख्त लहजे में दो टूक शब्दों में कह दिया है कि गुटबाजी और कांग्रेस से बगावत बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सबकी सहमति से ही जिताऊ प्रत्याशी चुने जाएंगे। बता दें बीते दिन प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश भर के जिलाध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई थी। खास बात यह थी कि इस बैठक में सिर्फ जिलाध्यक्षों को ही आने की अनुमति थी।

जिलाध्यक्षों के साथ आए समर्थकों को पीसीसी कार्यालय के बाहर ही रुकना पड़ा था। इस बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ द्वारा की गई थी। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने जिलाध्यक्षों को संबोधित करते हुए प्रदेश भर के कांग्रेस र्यकर्ताओं तक यह मैसेज पहुंचा दिया है कि कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव में विजयश्री हासिल करना है। यह विजयश्री सभी के समन्वय से संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि गुटबाजी और बगावत बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बगावत करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जिलाध्यक्षों को संबोधित करे हुए कहा कि कांग्रेस के सभी प्रत्याशी सभी की सहमति से चुने जाएंगे। इसके लिए कांग्रेस जिलाध्यक्षों को अपने-अपने जिलों में समन्वय बनाना होगा।

पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि सर्वे जारी है, जिताऊ प्रत्याशी को ही मैदान में उतारा जाएगा। कांग्रेस जिलाध्यक्षों की बैठक के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने करीब 20 मिनट तक संबोधित किया। उन्होंने 20 मिनट में ही जिलाध्यक्षों के माध्यम से प्रदेश भर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बड़ा संदेश दे दिया है। उनकी बातों से साफ स्पष्ट है कि कांग्रेस में बगावत और गुटबाजी बिल्कुल भी नहीं चलेगी। कांग्रेस नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को पार्टी के लिए समर्पित होकर काम करना है।

पूर्व सीएम हरीश रावत के स्टिंग मामले पर हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 31 अगस्त को

नैनीताल, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के स्टिंग प्रकरण की सीबीआई से जांच कराने के मामले पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी की एकलपीठ ने अगली सुनवाई के लिए 31 अगस्त की तिथि नियत की है। मामले में आज हरक सिंह रावत की तरफ से शपथपत्र पेश करने के लिए समय मांगा गया। जिस पर कोर्ट ने उन्हें समय देते हुए 31 अगस्त की तिथि नियत की है। स्टिंग मामले में सुनवाईः मामले के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान कुछ लोगों ने उनके ऊपर झूठे आरोप लगाए। जिनकी वजह से उनकी सरकार गिर गई थी। राज्य सरकार ने इस पूरे प्रकरण की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से करानी चाही। राज्य सरकार ने सीबीआई से कहा कि इसकी पहले प्राथमिक जांच कर लें। यदि तथ्य सही पाए जाते हैं तो उसके बाद इनकी गिरफ्तारी करें। लेकिन बाद में राज्य सरकार ने खुद ही अपना आदेश सीबीआई से वापस ले लिया।

'5 गारंटियों में खर्च होंगे 40 हजार करोड़

इस साल नहीं कर सकते विकास', विधायकों से बोले डीके शिवकुमार

बेंगलूरू, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का एक बयान राज्य में कई तरह की अटकलों को जन्म दे रहा है। अपनी पार्टी के विधायकों से बात करते हुए डीके शिवकुमार ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा कि इस साल हम विकास नहीं करवा सकते हैं। विधायकों की समस्याओं को लेकर दिए गए इस बयान को राजनीतिक हल्कों में कई तरह से लिया जा रहा है। दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस के विधायकों ने डिप्टी सीएम के आगे अपनी समस्याओं को रखा। इनमें एक मुद्दा यह भी था कि उनके कार्यक्षेत्र में विकास कार्यों के लिए फंड जारी किया जाए, साथ ही मंत्रियों से संपर्क नहीं हो पा रहा है तो उनसे भी बातचीत करवाई जाए। विधायकों की इस समस्या पर डीके शिवकुमार बोले कि इस साल हमें अपनी 5 गारंटियों के लिए 40 हजार करोड़ रुपये अलग निकालने हैं, ऐसे में इस साल किसी तक विकास नहीं पहुंचा सकते हैं। कृषि और अन्य क्षेत्र में भी बजट आवंटन करना मुश्किल हो रहा है, क्योंकि उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। डीके शिवकुमार बोले कि गुरुवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक है, ऐसे में हमने सभी सांसदों से तबतक इंतजार करने की अपील की है वहां पर ही लोगों को समझाया जाएगा। डिप्टी सीएम ने जिक्र किया कि सीएम ने भी अपने मंत्रियों को इंतजार करने को कहा है।

कांग्रेस ने दी थी ये 5 गारंटी

आपको बता दें कि कांग्रेस सरकार ने इसी महीने अपना बजट पेश किया है, जिसमें करीब 35 हजार करोड़ रुपये पांच गारंटियों के लिए रखे गए हैं। कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान पांच गारंटियों का ऐलान किया था, जिनमें गृह ज्योति, गृह लक्ष्मी, अन्न भाग्य, शक्ति और युवा निधि शामिल हैं। इन पांच गारंटियों के बजट आवंटन के बाद राज्य सरकार के बजट पर करीब 12 हजार करोड़ रुपये का बोझ बढ़ा है। कर्नाटक में इसी साल मई में विधानसभा चुनाव के नतीजे आए हैं, यहां कांग्रेस ने सत्ता में वापसी की है। कांग्रेस को राज्य में कुल 135 सीटें मिली हैं, जबकि भाजपा 66 सीटों पर रुक गई। कांग्रेस ने सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री और डीके शिवकुमार डिप्टी सीएम बने हैं।

गजब की दादागिरी! बीजेपी नेता को पकड़ने गई थी पुलिस टीम, कुत्ते से कटवाया

इंदौर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी के मामले में जब बीजेपी नेता को पुलिस पकड़ने उनके घर गई तो बीजेपी नेता ने सिपाही को कुत्ते से कटवा दिया। सिपाही ने पूरे मामले की शिकायत बाणगंगा थाने में अपने अधिकारियों से की, जिसके बाद पुलिस आरोपी बीजेपी नेता की तलाश में जुट गई। पुलिस ने बीजेपी नेता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। डीसीपी मनीष अग्रवाल के मुताबिक, मामला इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र के भागीरथपुरा का है। क्राइम ब्रांच के एसआई मनीष की रिपोर्ट के आधार पर आरोपी देवेंद्र, उसके भाई महेंद्र और पिंकी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। डीसीपी ने बताया कि एसआई मनीष अपनी टीम के साथ धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए गए थे।

मिजोरम में म्यांमार बॉर्डर के पास पकड़े गए करोड़ों रुपये के ड्रग्स, असम और त्रिपुरा के 2 स्मगलर अरेस्ट

आइजोल, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मिजोरम में म्यांमार बॉर्डर के पास चम्फाई जिले में 2 अलग-अलग अभियानों में 54.79 करोड़ रुपये की मेथमफेटामाइन गोलियां बरामद की गयी। अधिकारियों ने बताया कि एक खुफिया सूचना के आधार पर असम राइफल्स और आबकारी विभाग के संयुक्त दल ने मुआलकावी इलाके से 94,940 और खुआंगलेंग इलाके से 87,720 मेथमफेटामाइन गोलियां जब्त की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में असम के हैलाकांडी के 32 साल के रुस्तम अली लस्कर और त्रिपुरा के बामुटिया के 45 वर्षीय जंतु दास को गिरफ्तार किया गया है।

कुछ दिन पहले भी पकड़ी गई थीं मेथमफेटामाइन की गोलियां

बता दें कि कुछ दिन पहले ही मिजोरम के चम्फाई जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास एक इलाके में 6 करोड़ रुपये मूल्य की मेथमफेटामाइन की गोलियां जब्त कर इस सिलसिले में 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। असम राइफल्स ने एक बयान में कहा था कि एक खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए उन्होंने और मिजोरम पुलिस की एक संयुक्त टीम ने जोखावथर-मेलबुक रोड पर 2 लोगों को पकड़ा था, जिनके पास से मेथमफेटामाइन की 20 हजार गोलियां बरामद की गई थीं। दोनों की पहचान असम के करीमगंज जिले के काकुरीपार गांव के निवासी जैनलउद्दीन (27) और फैज-उल हक (28) के रूप में की गई थी।

महीने की शुरुआत में पकड़ी गई थी करोड़ों रुपये की हेरोइन

इससे पहले मिजोरम के आबकारी और स्वापक विभाग ने 2 अलग-अलग जगह छापेमारी कर 7 करोड़ रुपये से अधिक की हेरोइन जब्त की थी और 8 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। एक विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए राज्य के आबकारी एवं स्वापक विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को आइजोल के पास सेलेसिह गांव में एक वाहन को रोककर 2.6 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी। उन्होंने बताया कि करीब 7।3 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन रखने के आरोप में असम के 5 लोगों समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

सरकारी बस में यात्रियों के लिए 'सनरुफ' की भी सुविधा! हाईवे पर दौड़ती खटारा बस

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य कोई भी हो लेकिन सब जगह जो एक चीज नहीं बदलती, तो वो है सरकारी बसों का हाल। आए दिन सरकारी बसों की खस्ताहाल की खबरें आती रहती हैं। लेकिन इस बार महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले से एक सरकारी बस का वीडियो सामने आया है। ये वीडियो महाराष्ट्र की सरकारी बसों की हास्यासपद और चिंताजनक तस्वीरें, दोनों एक साथ दिखा रहा है। बता दें कि गढ़चिरौली जिले के राष्ट्रीय राज्य महामार्ग पर एसटी निगम की बस का अनोखा वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एसटी निगम की बस का ऊपरी हिस्सा उड़ते हुए नजर आ रहा है। गढ़चिरौली जिले में एसटी निगम की बसें भंगार हो गई हैं, जिसमें आम नागरिक जान हथेली में रखकर सफर कर रहे हैं। ऐसी ही राष्ट्रीय राज्य महामार्ग पर एसटी निगम की लाल परी बस के अनोखे सफर का नजारा सामने आया है।

दो लाख में बेटी का सौदा

पिता ने पैसे लेकर कराई नाबालिग की शादी, एफआईआर दर्ज

इंदौर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर के तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक नाबालिग लड़की के गर्भवती होने के बाद उसके बड़े पापा और पति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मानव तस्करी, पॉक्सो और रेप का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने पूरे मामले को बहुत गंभीर माना है। पुलिस का कहना है नाबालिग की शादी और उसका गर्भवती होना कानूनन अपराध है। पुलिस के मुताबिक इस मामले में जितने भी लोग आरोपी होंगे, उन सबके खिलाफ जल्द ही कड़ी कानूनी कार्रवाई की जायेगी। इंदौर के डीसीपी आदित्य मिश्रा के मुताबिक पीड़िता के अपने माता-पिता नहीं हैं, उसके बड़े पापा ने ही उसकी देखभाल की और नाबालिग उम्र में शादी करा दी। पुलिस के मुताबिक पीड़िता के बड़े पापा ने जिस शख्स से उसकी शादी कराई, उसने शादी के बदले 2 लाख रुपये दिये थे। शादी के बाद लड़की बैंगलुरु चली गई, वहीं वह गर्भवती हो गई। जिसके बाद जब वह टीका लगवाने के लिए सरकारी अस्पताल पहुंची तो वहां उसकी उम्र का भेद खुल गया। इसके बाद बेंगलुरु में सामाजिक न्याय कल्याण विभाग ने पूरे मामले की सूचना इंदौर पुलिस को दे दी। लड़की को फिलहाल इंदौर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी डिलीवरी होनी है। इंदौर पुलिस का कहना है डिलीवरी के बाद नाबालिग लड़की का विस्तार से बयान दर्ज कराया जायेगा। जिसके बाद और भी कई धाराओं के तहत आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जा सकता है। पुलिस ने पूरे मामले में पिता को ही मुख्य आरोपी बनाया है। पुलिस का कहना है बयान के आधार पर अगर जरूरत पड़ी तो कुछ और लोगों पर शिकंजा कसा जा सकता है।

क्या दिग्विजय सिंह अपने बेटे को बनाना चाहते हैं मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री? बीजेपी का बड़ा दावा

भोपाल, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजनीति में विधानसभा चुनाव के करीब आते ही आरोप-प्रत्यारोप का दावा और भी तेजी से शुरू हो गया है। अब पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर बीजेपी की ओर से एक और आरोप लगाया जा रहा है। बीजेपी का दावा है कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अपने बेटे जयवर्धन सिंह को एमपी का सीएम बनवाना चाहते हैं। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस की ओर से नेतृत्व चुनाव को लेकर सारे समीकरण फिट हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है। अभी तक यही स्थिति स्पष्ट है कि अगर बीजेपी की सरकार बनती है तो सीएम शिवराज को एक बार फिर मौका दिया जा सकता है। दूसरी तरफ कांग्रेस ने भी साफ कर दिया है कि कमलनाथ के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ही मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं।

कांग्रेस की सरकार एमपी में बनती है तो कमलनाथ को सीएम बनाया जाएगा। इसी वजह से कमलनाथ ही घोषणाएं और वचन भी दे रहे हैं। इन सब के बीच भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने एक और नया आरोप लगा दिया है। उनका आरोप है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से मंच के सामने और जनता के बीच झूठे वचन दिलवाए जा रहे हैं। जब इन झूठे वचन के जरिए कांग्रेस की सरकार बन जाती है तो कमलनाथ को दरकिनार करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पुत्र जयवर्धन सिंह को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल करवा देंगे।

इस आरोप के जरिए बीजेपी ने राजनीतिक हलचल ही तेज नहीं कर दी बल्कि कांग्रेस में भी सीएम के चेहरे को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस आरोप से बीजेपी और कांग्रेस की राजनीति गरमा गई है। दिग्विजय सिंह पर आरोप लगाया कि वे राजनीति के जरिए परिवारवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके अलावा कमलनाथ पर भी निशाना साधते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब वह मुख्यमंत्री थे उस समय वल्लभ भवन को दलाली का अड्डा बना दिया गया था।

बीजेपी को कांग्रेस की चिंता करने की जरूरत नहीं- सज्जन सिंह वर्मा

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के आरोप पर पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने नसीहत दे दी है। उनका कहना है कि भारतीय जनता पार्टी को अपने चुनावी रणनीति पर काम करना चाहिए। मध्य प्रदेश में अभी विधानसभा चुनाव को कुछ वक्त और बचा है बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भी झूठी घोषणा कर जनता के साथ एक बार फिर छलावा करने के लिए सभी जगह घूम रहे हैं। अगर बीजेपी 18 साल तक सही ढंग से काम करती तो आज उन्हें झूठ नहीं बोलना पड़ता। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी को अपनी चिंता करना चाहिए। उन्हें कांग्रेस की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

रेलवे का कबाड़ भी बना सोना

बेकार डिब्बों को बेचकर होती है हजारों करोड़ रुपये की कमाई

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। हाल ही में आई कैग की रिपोर्ट में कहा गया था कि रेलवे ने स्क्रैप बेचकर हजारों करोड़ रुपये की कमाई की थी, अब सेंट्रल रेलवे की भी एक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मध्य रेल ने अप्रैल 2022 से जून 2023 तक 138 मेल या एक्सप्रेस डिब्बों को उनके कोडल लाइफ के बाद रद्द कर दिया और उन्हें स्क्रैप बिक्री के लिए भेज दिया। रेलवे को इससे प्रति डिब्बे 12.73 लाख की औसत कमाई के साथ 17.58 करोड़ की आय दर्ज हुई। मध्य रेल ने संरक्षा सुनिश्चित करते हुए और रेलवे की कंडमनेशन नीति का अनुपालन करते हुए अप्रैल 2022 से जून 2023 तक 138 कोचों को उनकी 25 साल के कोडल लाइफ के बाद रद्द कर दिया था। रेलवे ने कुर्ला कोच कंडमनेशन यार्ड में कोचों के टूटने के बाद उन्हें नीलामी के लिए स्क्रैप यार्ड में भेज दिया। पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 14 एसी कोचों सहित कुल 79 कोचों को नष्ट कर दिया गया था और इन 79 कोचों की बिक्री से रु।

11.71 करोड़ की राशि अर्जित की गई। पिछले 3 महीनों में यानी अप्रैल 2023 से जून 2023 तक, कुल 59 कोच कंडम हो गए, जिनमें 11 कोच एसी कोच थे, इन कोचों के स्क्रैप की बिक्री से 5।87 करोड़ रुपये की आय अर्जित हुई। बता दें कि कोच के कंडमनेशन के संबंध में निर्णय आयु-सह-स्थिति के आधार पर लिया जाता है, जिसमें अधिकतम 25 वर्ष का जीवन होता है। पूरे रेलवे की बात करें तो सीजीए की लेखा परीक्षा में पाया गया था कि भारतीय रेल ने 2017 से 21 के दौरान स्क्रैप से 11,645 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 28 जुलाई- 2023

आखिर क्या है विपक्ष की मंशा

मणिपुर हिंसा को लेकर संसद के शुरुआती दिनों से ही गतिरोध जारी है। विपक्ष जहां सदन में पीएम मोदी को बुलाने पर अडा है तो वहीं सत्तापक्ष की दलील है कि वह चर्चा के लिए तैयार है। जब इतने गतिरोध के बाद भी बात नहीं बनी तो विपक्ष ने सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की मांग कर डाली। खास बात यह कि लोकसभा स्पीकर ने इसकी मंजूरी भी दे दी। अब सबके मन में यही सवाल है कि आखिर अविश्वास प्रस्ताव लाकर अल्पमत के विपक्ष को क्या हासिल हो पाएगा? मजेदार बात तो यह है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मणिपुर पर चर्चा करना चाहते हैं, इसके बाद भी चर्चा नहीं हो पा रही है। मॉनसून सत्र का एक-एक दिन हंगामे की भेंट चढ़ता चला जा रहा है। इस हंगामे और गतिरोध की जड़ में है कि किस नियम के तहत चर्चा हो। सत्ता पक्ष नियम 176 के तहत चर्चा कराने को तैयार है, लेकिन विपक्ष 267 के तहत चर्चा पर अड़ा हुआ है। बता दें कि 176 नियम के तहत चर्चा संक्षिप्त होती है। इसमें भी नियम है कि यदि सबकी सहमति से चर्चा हो तो इसकी अवधि को कुछ बढ़ाया जा सकता है। लेकिन यह नियम विपक्ष को रास नहीं आ रहा है। उसे बढ़ाई हुई अवधि भी कम लग रही है। विपक्ष चाहता है कि सभी कामकाज स्थगित कर मणिपुर पर विस्तार से चर्चा की जाए। दूसरी बात की सबसे खास बात यह है कि इस नियम के तहत चर्चा होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी वक्तव्य देने के लिए उपस्थित होना ही पडेगा। विपक्ष की मूल मांग भी यही रही है कि प्रधानमंत्री सदन के अंदर मणिपुर पर बयान दें। सरकार इसे अनावश्यक बताती रही है। उसके मुताबिक चूंकि मामला कानून-व्यवस्था का है, इसलिए गृहमंत्री का बयान देना ही काफी है। बहरहाल, दोनों पक्षों की जिद की परिणति अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस के रूप में सामने आ गई है। ऐसे में सवाल है कि इस अविश्वास प्रस्ताव से आखिर विपक्ष को क्या मिल जाएगा। सदन में सरकार को पूर्ण बहुमत हासिल है, अगर उसने जोर लगाया तो हो सकता है जिन दलों के विपक्षी गठबंधन की ओर जाने की थोड़ी-बहुत संभावना अभी बनी हुई है, उनमें से भी कुछ दल अविश्वास प्रस्ताव पर सरकार का समर्थन करते दिख जाएं। प्रधानमंत्री ने कह भी दिया है कि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाना चाहता है तो लाने दीजिए, उसे इससे कुछ मिलने वाला नहीं है। दूसरी ओर, विपक्ष ने भी अपने इस कदम से ज्यादा उम्मीदें नहीं पाल रखी है। उसके मुताबिक वह इस प्रस्ताव के जरिए किसी को हराना या जीतना नहीं चाहता। वह तो बस मणिपुर के मसले पर प्रधानमंत्री को सदन के सामने लाना चाहता है, जिसके लिए पीएम और सरकार तैयार ही नहीं हो रहे थे। जाहिर है अब इस प्रस्ताव पर चर्चा के बहाने न केवल मणिपुर पर विस्तृत चर्चा हो जाएगी बल्कि सदन में प्रधानमंत्री का विस्तृत बयान भी आ जाएगा। देखा जाए तो संसद के मंच पर सत्ता पक्ष और विपक्ष की ऐसी रस्साकशी कोई नई बात नहीं है। इसे स्वस्थ लोकतंत्र का लक्षण ही माना जाना चाहिए। लेकिन मणिपुर में जिस तरह के दृश्य पिछले दिनों देखने को मिले, उसके मद्देनजर इस तरह की कवायद निराशा पैदा करती है। बेहतर होता कि विपक्ष और सरकार आपस में बातचीत से सहमति की कोई सूरत निकाल कर मणिपुर पर विस्तृत चर्चा कर लेते और इसके लिए अविश्वास प्रस्ताव की नौबत आने से भी बचा जा सकता था।

कांग्रेस के गले की फांस बने गुढ़ा

मणिपुर में हिंसा के बजाय राजस्थान की कानून व्यवस्था पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को गिरेबान में झांकने की सलाह देने पर राजेंद्र सिंह गुढ़ा मंत्रिमंडल से बर्खास्त भले कर दिए गए हैं, लेकिन अब वो कांग्रेस पार्टी के लिए गले की फांस बनते जा रहे हैं। वो ऐसे आत्मघाती नेता बन रहे हैं, जो कांग्रेस को संकट में डालते रहेगा।

गुढ़ा ने मुख्यमंत्री के बेहद खास और आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ के घर ईडी और इनकम टैक्स के छापे के दौरान 'लाल डायरी' में कई राज होने की बात कहकर नया बम फोड़ दिया है। गुढ़ा ने यहां तक कहा कि 'लाल डायरी' को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बेचैन थे। उन्हें इन छापों के दौरान 'लाल डायरी' निकालकर लाने का टास्क दिया था, जिसे उन्होंने पूरा किया।

गुढ़ा ने चुप न रहने और सोमवार को विधानसभा में नया खुलासा करने का ऐलान भी किया है। गुढ़ा कभी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेहद करीबी थे, लेकिन अब उन्हें ही मुश्किल में डाल रहे हैं।

राजेंद्र सिंह गुढ़ा के बदले सुर

झुंझुनूं के उदयपुरवाटी से विधायक राजेंद्र सिंह गुढ़ा के आखिर एकाएक सुर क्यों बदले? वो पहले गहलोत गुट का अहम हिस्सा हुआ करते थे। वर्ष 2018 में वो बसपा के टिकट पर जीतकर आए थे, लेकिन बसपा के छह विधायकों को लेकर उन्होंने पाला बदला और कांग्रेस ज्वाइन कर ली थी। सबकुछ ठीक चल रहा था।

जून-जुलाई 2020 में जब सचिन पायलट ने कांग्रेस से बगावत की, तब भी राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने अशोक गहलोत का साथ दिया था, जबकि उस समय बसपा से ही कांग्रेस में आए रमेश मीणा, सचिन पायलट के साथ मानेसर चले गए थे। दरअसल, बसपा से कांग्रेस में शिफ्ट हुए विधायकों में भी आपस में प्रतिद्वंद्विता बनी हुई थी। कभी बसपा में रहे विधायक रमेश मीणा को कैबिनेट मंत्री बनाया गया और गुढ़ा को राज्यमंत्री, जबकि वो स्वयं को मीणा का सीनियर मानते हैं।

यही कारण था कि डेढ़ साल से वह पायलट के संग हो लिए थे। पिछले दिनों जब सचिन पायलट ने अजमेर से जयपुर तक भ्रष्टाचार को लेकर पदयात्रा की थी और पदयात्रा के समापन पर गुढ़ा ने सरकार पर भ्रष्टाचार को लेकर सीधा हमला बोला था, तभी लग रहा था कि वो ज्यादा दिन तक मंत्रिमंडल में नहीं टिक पाएंगे।

चंद रोज पहले जब एआईएमआईएम के सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी जयपुर आए थे तो राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने उसने भी मुलाकात की थी, जबकि ओवैसी को कांग्रेस अपने वोट काटने वाला बता रही है। ओवैसी ने गुढ़ा की कैमरों के आगे जमकर तारीफ की थी। एक तरह से राजेंद्र सिंह गुढ़ा विपक्ष के ब्लू आइड बॉय बने हुए हैं। गुढ़ा के नए-नए खुलासों पर कांग्रेस के लिए जवाब देना आसान नहीं होगा।

दूसरी ओर, राजेंद्र सिंह गुढ़ा की भांति कांग्रेस के ओसियां से विधायक दिव्या मदेरणा भी आए दिन कानून व्यवस्था पर सरकार को आईना दिखा रही हैं। वो खुद को पुलिस सुरक्षा में भी असुरक्षित बता चुकी हैं। राजनीतिक के जानकार मान रहे हैं कि राजेंद्र सिंह गुढ़ा के बाद अगला नंबर दिव्या मदेरणा का हो सकता है। हालांकि, दिव्या को हटाना आसान नहीं होगा, क्योंकि दिव्या जिस जाट समुदाय से आती हैं, उसे कांग्रेस नाराज नहीं करना चाहेगी।

गुढ़ा और दिव्या ही केवल अशोक गहलोत के लिए परेशानी का सबब नहीं बने हुए हैं। उनके मंत्रिमंडल के कुछ अन्य सदस्य उन्हीं के पार्टी के नेताओं के निशाने पर हैं। मंत्री प्रमोद जैन भाया और जाहिदा खान पर विधायक उंगली उठाते रहते हैं।

मायावती के हाथी ने लिया यू टर्न !

अशोक भाटिया

लो क स भा चुनाव 2024 से पहले चार राज्यों में होने वाले वि धा न स भा चुनाव को लेकर सियासी रण में इंडिया और एनडीए एक दूसरे से दो-दो हाथ करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वहीं बहुजन समाजवादी पार्टी की प्रमुख मायावती के गठबंधन को लेकर मात्र आठ दिनों के बाद ही बदलने लगे हैं। इसे पूर्व 19 जुलाई को बैठक के दौरान बसपा प्रमुख ने कहा था कि वह दोनों गठबंधनों से अलग हैं।अब लखनऊ में 25 जुलाई को हुई बैठक में मायावती ने कहा कि कई राज्यों में बैलेंस ऑफ पावर बनने के बावजूद जातिवादी तत्व द्वारा साम, दाम, दंड, भेद आदि अनेकों घिनौने हथकंडे अपना कर बीएसपी के विधायकों को तोड़ लेते हैं जिससे जनता के साथ विश्वासघात करके घोर स्वार्थी जनविरोधी तत्व सत्ता पर काबिज हो जाते हैं। आगे विधानसभा आमचुनाव के बाद बैलेंस ऑफ पावर बनने पर लोगों की चाहत के हिसाब से सरकार में शामिल होने पर विचार संभव है। मायावती ने राजस्थान , एमपी, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में होने वाले विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि इन राज्यों में धार्मिक अल्पसंख्यकों व मुस्लिम समाज का भला तभी हो सकता है जब मजबूत व अहंकारी सरकार नहीं बल्कि गठबंधन की मजबूर सरकार होगी। इस समाज के लोगों पर अत्याचार की खबरें लगातार आती हैं। यह दुखद है। इसका समाधान तभी होगा जब सरकार में उनके हितैषी प्रतिनिधि होंगे। मायावती ने सरकार से बाढ़ पीड़ितों की भी मदद करने की अपील की। कहा। पार्टी के लोगों को जो भी संभव हो मदद करनी चाहिए। मायावती कहना है कि लोकसभा चुनाव बेहद नजदीक हैं। एनडीए और विपक्षी पार्टियों के गठबंधन की बैठकों का दौर चल रहा है। एक तरफ एनडीए अपनी पूर्ण बहुमत की सरकार बनने की दलीलें दे रहा है। दूसरी तरफ विपक्ष गठबंधन सत्ताधारी को मात देने की प्लानिंग कर रहे हैं। इसमें बसपा भी पीछे नहीं है ।कांग्रेस पार्टी अपने जैसी जातिवादी और पूंजीवादी सोच रखने वाली पार्टियों के साथ गठबंधन करके फिर से सत्ता में आने की सोच रही है। सभी विपक्षी दलों की सोच एक जैसी है। यही कारण है कि बसपा ने इनसे दूरी बनाई है।देखा जाय तो बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता की कोशिशों को तभी तगड़ा झटका दिया था जब 15 जनवरी अपने जन्मदिन के अवसर पर मायावती ने 2024 को लेकर बसपा की रणनीति का खुलासा किया था । उन्होंने साफ किया था कि बहुजन समाज पार्टी लोकसभा चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ेगी। किसी के साथ कोई भी गठबंधन नहीं होगा। यही नहीं 2023 में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं वहां भी कोई गठबंधन नहीं किया जाएगा। बसपा सुप्रीमो मायावती अपने 67वें जन्मदिन के मौके पर अलग अंदाज में नजर आईं थी । उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया के हर एक सवाल का जवाब दिया था फिर चाहे वो बसपा को चुनाव में मिल रही हार पर सवाल हो या भाजपा के पसमांदा प्रेम पर। मायावती ने हर सवाल का खुलकर जवाब दिया। मायावाती ने कहा कि 2023 में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और 2024 के लोकसभा के चुनाव बसपा अकेले लड़ेगी। किसी के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी क्योंकि कांग्रेस ने कुछ दिनों से ये भ्रम फैला रखा था कि वो बसपा से गठबंधन करेंगे लेकिन बसपा ये नहीं करेगी। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि कांग्रेस और कुछ अन्य दल हमारी पार्टी से गठबंधन करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन हमारी विचारधारा अन्य पार्टियों से एकदम अलग है। बसपा लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनावों में किसी भी पार्टी से कोई गठबंधन नहीं करेगी। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रचंड मोदी लहर के बावजूद अपने 19 प्रतिशत वोटों के जनाधार को बचाने में सफल रहीं मायावती ने अपनी इस ताकत को दिखाने का भी संकेत प्रतिशोध के अंदाज में दिया था। बसपा मुखिया मायावती ने 2024 चुनाव में कमजोर वर्गों के लोगों का आह्वान किया है कि आपसी भाईचारा के आधार पर व अपना अकेले ही मजबूत गठबंधन बनाकर बसपा को मजबूती देनी है ताकि फिर यहां कोई भी गठबंधन केंद्र व राज्यों की सत्ता में पूरी मजबूती के साथ न आ सके। इनकी मजबूत नहीं, मजबूर सरकार बने ताकि किसी गठबंधन को पूर्ण बहुमत न मिलने की स्थिति में बसपा की अहमियत कायम रहे। मायावती 19 जुलाई को हुई बैठक के दौरान यह भी स्पष्ट कर दिया था कि अब वह राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में भी किसी बड़े दल के साथ हाथ मिलाना नहीं चाहतीं। अकेले चुनाव लड़ेंगी। पंजाब, हरियाणा जैसे राज्यों में क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का विकल्प खुला रखा है बशर्ते उनका एनडीए या इंडिया गठबंधन से कोई संबंध न हो। गौरतलब यह भी है कि बसपा सुप्रीमो मायावती कब दिल्ली होती हैं और कब लखनऊ, इस बात की किसी को कानों कान खबर नहीं होती लेकिन शायद यह पहली बार है जब मायावती दिल्ली पहुंची तो इसे बकायदा एलान कराया गया कि मायावती इस बार लंबे वक्त के लिए दिल्ली गई है और वहीं कुछ दिनों तक डेरा डालेंगी। तो आखिर लंबे समय तक दिल्ली रहने का ऐलान करने की जरूरत क्या थी? क्या सचमुच मायावती इस बात को अब बता देना चाहती हैं कि वह अब दिल्ली की सियासत करना चाहती हैं यानी 2024 को लेकर उनके जो प्लान है वह दिल्ली से तय होंगे या फिर प्लान बी कुछ और है। पार्टी की तरफ से बताया जा रहा है कि चार राज्यों के चुनाव हैं और राजस्थान ,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा जैसे राज्यों में चुनाव के लिए उन्हें दिल्ली बेस बनाना जरूरी था। ताकि इन राज्यों के चुनावी गतिविधियों पर सीधे दिल्ली से नजर रखी जा सके। दिल्ली पहुंचते ही मायावती ने इन राज्यों के कोऑर्डिनेटर और संगठन से जुड़े लोगों की बैठक बुलाई और इस बैठक की एक तस्वीर बाहर भी आई जिसमें मायावती के भतीजे और नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद उनके मंच के दाहिने तरफ बैठ दिखाई दे रहे हैं। मायावती पहले ही अपने भतीजे को लॉन्च कर चुकी हैं मगर अब वो बसपा सुप्रीमो के दाहिना हाथ होंगे, यह संकेत भी चला गया। पार्टी की तरफ से बताया गया कि मायावती अब दिल्ली में लंबे वक्त तक रहेंगी। उसके पीछे की वजह बताई गई कि 4 राज्यों के कोऑर्डिनेटर संगठन के लोग और पश्चिमी उत्तर प्रदेश संगठन के लोग आसानी से दिल्ली में बहन जी से मिल सकते हैं और रणनीति बना सकते है जबकि लखनऊ में लोगों को पहुंचने में मुश्किल होती है।

दिल्ली में बड़ी बैठक करके मायावती ने इसका आगाज भी कर दिया कि अब उनकी सियासत फिलहाल दिल्ली से चलेगी और सब कुछ वह दिल्ली बैठकर तय करेंगी चाहे वह 4 राज्यों का चुनाव हो चाहे 2024 को लेकर गठबंधन हो या फिर पार्टी की विरासत को लेकर आकाश आनंद को आगे करना हो। दरअसल माना ये जा रहा है कि चंद्रशेखर के बढ़ते प्रभाव और उन पर हुए हालियां हमले के बाद उनके प्रति बड़े दलितों के आकर्षण और खासकर दलित युवाओं के बीच बढ़ते फैन फॉलोइंग को देखते हुए मायावती अब इसके काउंटर की तैयारी में जुटी हैं। मायावती हर हाल में युवा दलित चेहरे के तौर पर अपने भतीजे को स्थापित करने का प्रयास कर रही है। मायावती को लग रहा है कि चंद्रशेखर दिल्ली में बैठकर देश की दलित राजनीति और दलित विमर्श को प्रभावित कर रहा है।

निजी चार्टर सेवा पर इतनी मेहरबानी क्यों?

रजनीश कपूर

पिछले सप्ताह हमने देश के नागर विमानन म हा नि दे शा ल य (डीजीसीए) की लापरवाही का एक उदाहरण दिया था जहां डीजीसीए एक निजी एयरलाइन की ग़लतियों को अनदेखा कर रही थी। देर से ही सही पर डीजीसीए जागी ज़रूर। परंतु देश के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन अन्य विभागों के कुछ अधिकारी भारत की एक निजी चार्टर सेवा पर कुछ विशेष मेहरबानियाँ कर रहे हैं। इन मेहरबानियों के चलते अति विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ हो रहा है। एआर एयरवेज़ नाम की एक निजी एयर चार्टर कंपनी यह खिलवाड़ कर रही है। इस कंपनी की सेवाओं का उपयोग करने वाले अति विशिष्ट यात्रियों को इस बात का अंदाज़ा भी नहीं है कि किस तरह उनके जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है। इस कंपनी की सेवाओं का उपयोग उद्योगपतियों, राजनेताओं, नौकरशाहों, फिल्मी सितारों व अन्य मशहूर हस्तियों द्वारा किया जाता है। या इस कंपनी के मालिक अशोक चतुर्वेदी नियमों की धज्जियाँ उड़ा कर, गृह मंत्रालय द्वारा 'सिक्योरिटी क्लीयरेंस' (सुरक्षा मंजूरी) की बुनियादी आवश्यकताओं का उल्लंघन करके यह एयरलाइन चला रहे हैं। किसी भी गैर अनुसूचित एयरलाइन के शीर्ष प्रबंधन को नागरिक उड्डयन आवश्यकताएँ धारा -3, श्रृंखला-सी, भाग-III के पैरा 11 का अनुपालन करना होता है, जिसके अनुसार, "गैर-अनुसूचित ऑपरेटर के परमिट के नवीनीकरण के लिए नई सुरक्षा मंजूरी की आवश्यकता होती है। कंपनी और उसके निदेशकों की व्यक्तिगत सुरक्षा मंजूरी के नवीनीकरण का अनुरोध परमिट की समाप्ति से 180 दिन पहले eSAHAJ पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत किया जाना चाहिए। इस सुरक्षा मंजूरी को प्राप्त करने के लिए, कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों व निदेशकों को उनके खिलाफ लंबित कानूनी मामलों की घोषणा करना अनिवार्य होता है। इनमें से यदि किसी भी व्यक्ति को, किसी भी मामले में, दोषी पाया जाता है तो उसकी सुरक्षा मंजूरी को तब तक वैध नहीं किया जा सकता जब तक वह कानूनी मामलों से मुक्त नहीं हो जाता। ऐसे व्यक्ति द्वारा इन तथ्यों को छिपाने पर संबंधित अधिकारियों द्वारा उस पर मुकदमा भी चलाया जा सकता है। सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स (सीएआर) के प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी कारण से एयरलाइन के उच्च अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी जाती है तो एयर ऑपरेटर के परमिट का भी नवीनीकरण नहीं किया जा सकता। देश के कानून का उल्लंघन करने पर जो भी करवाई होती है वो ज़्यादातर आम नागरिकों पर ही होती है। परंतु यदि किसी के सत्ता में ऊँचे संपर्क हैं तो वो प्रायः कानूनी करवाई से बच निकलते हैं। यही किया है भारत के नामी उद्योगपति अशोक चतुर्वेदी ने। उनकी

एआर एयरवेज के नाम से जो निजी चार्टर कंपनी है उसे 'क्लब वन' के नाम से भी जाना जाता है। चूँकि ये एयरलाइन देश के जाने-माने और प्रभावशाली व्यक्तियों को अपनी सेवाऐं प्रदान करती है, इसलिए श्री चतुर्वेदी के उच्च पदासीन अधिकारियों के साथ गहरे संपर्क हैं। ग़ौरतलब है कि एआर एयरवेज को एयर ऑपरेटर परमिट 2005 में दिया गया था। जिसे समय-समय पर नवीनीकृत किया गया। इसका आख़िरी नवीनीकरण 2019 से 2024 तक किया गया। इस बीच कंपनी के मालिक अशोक कुमार चतुर्वेदी को 2010 में एक आपराधिक मामले में सीबीआई द्वारा दोषी ठहराया गया। चतुर्वेदी को 13 दिसम्बर 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश द्वारा जमानत पर रिहा कर दिया गया। परंतु आरोप मुक्त नहीं किया गया। इस मामले में उनकी याचिका अभी भी उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। उल्लेखनीय है कि इसी मामले में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्य सचिव श्रीमती निरा यादव को जेल जाना पड़ा था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 30 जुलाई 2020 को एआर एयरवेज़ को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जिसमें बताया गया कि गृह मंत्रालय से प्राप्त इनपुट के आधार पर, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अपने पत्र दिनांक 26.06.2020 के माध्यम से अशोक चतुर्वेदी की सुरक्षा मंजूरी के नवीनीकरण से इनकार कर दिया है। नोटिस में यह उल्लेख किया गया कि सुरक्षा मंजूरी से इनकार के मद्देनजर, अशोक चतुर्वेदी नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं का अनुपालन में नहीं रहे, इसलिए उन्हें यह नोटिस जारी किया गया कि क्यों न उनका एयर ऑपरेटर परमिट भी रद्द कर दिया जाए। अशोक चतुर्वेदी व उनकी कंपनी द्वारा संतोषजनक उत्तर न मिलने पर मंत्रालय ने दिनांक 03.09.2020 और 04.09.2020 के आदेशों के अनुसार, उन्हें सुरक्षा मंजूरी देने से इनकार करने और उनके कर्मचारियों के हवाई अड्डे के प्रवेश परमिट भी रद्द कर दिये।

इसी आधार पर चतुर्वेदी के एयर ऑपरेटर की सुरक्षा मंजूरी को भी अस्वीकार कर दिया गया। चूंकि एयर ऑपरेटर परमिट के अनुदान/नवीनीकरण के लिए सुरक्षा मंजूरी एक पूर्व-आवश्यकता है, इसलिए दिनांक 07.09.2020 के आदेश के अनुसार डीजीसीए ने एआर एयरवेज का एयर ऑपरेटर परमिट भी रद्द कर दिया। इन नोटिसों को चुनौती देते हुए अशोक चतुर्वेदी ने दिल्ली उच्च न्यायालय से नोटिस की करवाई पर रोक लगवा ली। परंतु माननीय उच्च न्यायालय के 15 फ़रवरी 2021 के आदेश अनुसार सरकार को निर्देश दिये कि यदि क़ानूनी सलाह ली जाए तो सरकार कानून के अनुसार चतुर्वेदी के खिलाफ आगे बढ़ने को स्वतंत्र है। यानी सरकार यदि चाहे तो इस कंपनी व इसके मालिकों के ख़िलाफ़ उचित क़ानूनी करवाई भी कर सकती है। चतुर्वेदी के रसूख और संबंधों के चलते, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि उनके लंबित पड़े भ्रष्टाचार के मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय को किसी न किसी आधार पर टाला जाए और वह जमानत पर बने रहें। इसी तरह, नागरिक उड्डयन मंत्रालय में हर स्तर पर अपने संबंधों के चलते, वे यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि अधिकारी दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती न दें या माननीय अदालत के फैसले के अनुसार, उनके खिलाफ कार्रवाई न करें। यह राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने और अति विशिष्ट यात्रियों के जीवन से खिलवाड़ करने का एक स्पष्ट मामला है। जहां कंपनी के निदेशक इस अपराध के दोषी हैं वहीं नियम पुस्तिका की अनदेखी करने पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय, उसकी सहयोगी एजेंसियां और अन्य संबंधित मंत्रालय भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। देखना यह है कि इतने बड़े मामले को कब तक दबाया जाता है?

निराशा और चिंता को जीवन में स्थान न दें

संजीव स्तंभकार

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैं। निराशा को त र्क का ल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो हों। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके। कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है। जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है। बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं। सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं। मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए। यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है। मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए।इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है। और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है। भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है। ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है।

सोचिए और बताइए

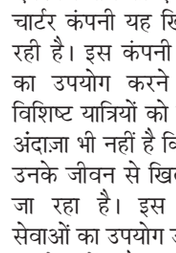

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक सड़क है। नाम अन्नापूर्णा मार्ग है। उसके इस पार हमारे मित्र का दावत कार्यक्रम चल रहा था। दावत कुछ के लिए अवसर तो कुछ के लिए मजबूरी होती है। भोजन का समय हुआ।

आप-पास सजी हुई सलाद की प्लेटें एवं चम्मचें....एक से बढ़कर एक स्वादिष्ट व्यंजन और उनके पीछे खड़े हुए खानसामे। सभी भोजन करने में व्यस्त थे। तभी पंडाल में एक पागल घुस आया और एक खानसामे के पास खड़ा होकर कहने लगा- " ऐ.... भैया खाने को कुछ दे दो...., हमें भी कुछ खाने को दे दो....तीन दिन से भूखा हूँ...' चल हट भाग यहाँ से। खानसामे ने कहा। थोड़ा-सा दे दो...बहुत भूख लगी है। ' पागल गिड़गिड़ाया।तभी कार्यक्रम के आयोजकों की निगाह उस पर पड़ गई। वे उसे पकड़ने दौड़े। पागल इधर-उधर भागने लगा। भागते समय उसकी निगाह पूड़ियों पर पड़ गई। उसने लपककर कुछ पूड़ियाँ उठा लीं। तभी आयोजकों ने उसे पकड़ लिया और उसकी तबियत से पिटाई की।

उससे पूड़ियाँ छीनकर पंडाल में रखे कूड़ेदान के हवाले कर दिया गया। सहमा हुआ पागल मारे डर के पंडाल से बाहर भागने लगा। इसी भाग-दौड़ में किसी-किसी के कपड़े खराब हो गए, किसी के खाने की प्लेट गिर गई। एक ने कहा - 'कहाँ-कहाँ के पागल आ जाते हैं। दूसरे ने कहा - "बिल्कुल पागल था।'

आयोजकों को अच्छी व्यवस्था रखनी चाहिए थी।तीसरे ने कहा - 'पूरा मूड ऑफ कर दिया। एक रसूखदार महिला ने कहा - "ओह नो! मेरी तो साड़ी का सत्यानाश कर दिया, इसे ड्राईक्लीनिंग में देना होगा। मैंने भी अपनी प्रतिक्रिया दी - बेचारा....।थोड़ी देर में सभी लोग इस किस्से को भुलाते हुए दावत छकने लगे।उधर सड़क के उस पार दूर खड़ा पागल बुरी तरह भूख और मार की पीड़ा से कराह रहा था।

तीन साल में आने वाली एकादशी आज

अधिक मास की पद्मिनी एकादशी पर व्रत-पूजा करने से मिलता है सभी यज्ञ और तीर्थो का फल

पद्मिनी एकादशी शुभ मुहूर्त

एकादशी 29 जुलाई यानी शनिवार को मनाई जाएगी. एकादशी तिथि का प्रारंभ 28 जुलाई, शुक्रवार को दोपहर 2 बजकर 51 मिनट पर होगा और इसका समापन 29 जुलाई, शनिवार को दोपहर 1 बजकर 5 मिनट पर होगा. पद्मिनी एकादशी पारण का समय 30 जुलाई, रविवार को सुबह 5 बजकर 41 मिनट से लेकर 8 बजकर 24 मिनट तक रहेगा ।

अधिक मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को पद्मिनी एकादशी कहते हैं। पुरुषोत्तम मास में की पहली एकादशी होने से इसे पुरुषोत्तमी भी कहा जाता है। 3 साल में आने वाली ये तिथि बहुत ही खास होती है।इस व्रत से सालभर की एकादशियों का पुण्य मिल जाता है। हिन्दू कैलेंडर के मुताबिक पुरुषोत्तमी एकादशी व्रत अधिक मास में आता है। भगवान विष्णु के महीने में होने से ये व्रत और भी खास हो जाता है।

ग्रंथों में इस व्रत को सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण बताया गया है। ब्रह्मांड पुराण में कहा गया है कि मलमास की एकादशी पर उपवास और भगवान विष्णु की पूजा करने के साथ ही नियम और संयम से रहने पर भगवान विष्णु खुश होते हैं। अन्य पुराणों में कहा गया है कि इस व्रत से बढ़कर कोई यज्ञ, तप या दान नहीं है। इस एकादशी का व्रत करने वाले इंसान को सभी तीर्थों और यज्ञों का फल मिल जाता है। जो इंसान इस एकादशी पर भगवान विष्णु या श्रीकृष्ण की पूजा और व्रत करता है। उसके जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। ऐसा इंसान हर तरह के सुख भोगकर भगवान विष्णु के धाम को प्राप्त करता है।

इस बार क्यों खास है ये व्रत

इस बार अधिक मास की पद्मिनी एकादशी श्रावण के अधिक मास में होने से खास रहेगी। ग्रंथों में कहा गया है कि चतुर्मास में आने होने वाले अधिक मास में भगवान विष्णु की पूजा और व्रत से मिलने वाला पुण्य अक्षय होता है। वहीं, सावन में खासतौर से भगवान विष्णु की आराधना करने का भी विधान शिव और विष्णु पुराण में बताया है। इससे जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

पद्मिनी एकादशी पर राशि अनुसार अपनाएं ये उपाय

पद्मिनी एकादशी 2023 राशि अनुसार उपायः-

मेष राशि - मेष राशि के जातक आर्थिक और मानसिक तनाव से परेशान हैं तो पद्मिनी एकादशी पर नारायण कवच का पाठ करें। मान्यता है इससे धन लाभ के योग बनते हैं और मन को शांति प्राप्त होती है।

वृषभ राशि - वृषभ राशि के जातक का वैवाहिक जीवन सुखमय नहीं है तो पद्मिनी एकादशी पर आप पति-पत्नी मिलकर केले के पेड़ की सात परिक्रमा करें। साथ ही पेड़ में जल में हल्दी मिलाकर चढ़ाए। इससे शादीशुदा जिंदगी में मिठास आती है।

मिथुन राशि - पद्मिनी एकादशी का संयोग 3 साल में एक बार आता है ऐसे में मिथुन राशि वालो को इस दिन विष्णु जी की पूजा में आंवला जरुर अर्पित करना चाहिए। इससे आप पर मां लक्ष्मी की कृपा बरसेगी

कर्क राशि - कर्क राशि के जातक पद्मिनी एकादशी के दिन घर में दक्षिणावर्ती शंख की स्थापना करें। विधि विधान से इसकी पूजा के बाद तिजोरी में रख दें। मान्यता है इससे कभी धन की कमी नहीं रहेगी।

सिंह राशि - पद्मिनी एकादशी के दिन किया दान व्यक्ति को जीते जी समस्त सुख दिलाता है और मृत्यु के बाद उसे स्वर्गलोक में जगह मिलती है। सिंह राशि वाले इसके लिए गौ दान करें।

कन्या राशि - कन्या राशि के जातक नौकरी में पदोन्नति पाना चाहते हैं तो पद्मिनी एकादशी पर अनाथालय में गरीब बच्चों को अन्न और वस्त्र का दान करें। इससे तरक्की की राह सरल होती है। ध्यान रहे दान निस्वार्थ भाव से होना चाहिए।

तुला राशि - तुला राशि के लोग पद्मिनी एकादशी पर गजेंद्र मोक्ष का पाठ करें, इससे पितृदोष दूर होगा और पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलेगी।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के जातक पद्मिनी एकादशी पर संतान की उन्नति के लिए विष्णु जी को तुलसी की माला अर्पित करें और 108 बार ॐ अच्युताय नमः मंत्र का जाप करें।

धनु राशि - कानूनी मामलों से राहत नहीं मिल रही या फिर विरोधी काम के बीच बाधा डाल रहा है तो धुन राशि वाले पद्मिनी एकादशी पर 11 हल्दी की गांठ और पितांबर श्रीहरि को चढ़ाएं। अब शुभ कार्य पर जाने से पहले पूजा में चढ़ाई हल्दी की एक गांठ साथ लेकर जाएं। मान्यता है इससे बिना विघ्न के कार्य पूरे होते हैं।

मकर राशि - आरोग्य और धन की प्राप्ति के लिए मकर राशि वालों को पद्मिनी एकादशी पर विष्णु चालीसा का पाठ करना चाहिए।

कुंभ राशि - नौकरी की तलाश में बार-बार असफलता मिल रही है तो कुंभ राशि वाले पद्मिनी एकादशी पर हवन करें और इसमें विष्णु सहस्त्रनामों का पाठ करें। ब्राह्मण भोजन कराएं। सफलता के योग बनेंगे

मीन राशि - मीन राशि के जातक को पद्मिनी एकादशी के दिन वैजयंती का फूल चढ़ाना चाहिए। इससे अखंड सौभाग्य का वरदान प्राप्त होता है और व्यक्ति संतान सुख भोगता है।

19 साल बाद ब्रह्म योग में मनेगी पुरुषोत्तम एकादशी

19 साल बाद ज्येष्ठा नक्षत्र और ब्रह्म योग में ये व्रत किया जाएगा। इससे पहले 2004 में ऐसा हुआ था। चातुर्मास के चलते सावन और अधिक मास का संयोग होने से भगवान विष्णु की पूजा और व्रत का पुण्य फल और बढ़ जाएगा। पद्मिनी एकादशी पर भगवान विष्णु के अवतारों की विशेष पूजा करने की भी परंपरा है। इस एकादशी पर भगवान विष्णु के लिए व्रत-उपवास किए जाते हैं। इस व्रत में पीपल की पूजा सुबह जल्दी करने का विधान है। साथ ही सुबह और शाम दोनों समय तुलसी की पूजा की जाती है और दीपक लगाया जाता है।

पीपल पूजा: अधिक मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी पर पीपल की पूजा का भी खास महत्व है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर पानी में गंगाजल, कच्चा दूध और तिल मिलाकर पीपल को चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने से भगवान विष्णु की कृपा मिलती है और पितृ भी तृप्त हो जाते हैं।

तुलसी पूजा: दूध और पानी से भगवान शालग्राम का अभिषेक करें और पूजन सामग्री चढ़ाएं। अभिषेक किए जल में से थोड़ा सा खुद पीएं और बाकी तुलसी में चढ़ा दें। इसके बाद हल्दी, चंदन, कुमकुम, अक्षत, फूल और अन्य पूजन सामग्रियों से तुलसी माता की पूजा करनी चाहिए।

अन्न और कपड़ों के दान से महायज्ञ का फल ग्रंथों में बताया है कि इस एकादशी पर पर दान करने से गरीबी से मुक्ति मिलती है। ये भी माना जाता है कि जितना पुण्य हर तरह के दान और कई तीर्थों के दर्शन से मिलता है, उसके बराबर पुण्य पद्मिनी एकादशी पर अन्न और कपड़ों के दान करने से मिल जाता है, इसलिए इस दिन तुलसी और पीपल को जल चढ़ाना चाहिए। साथ ही जरुरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए। इस दिन गायों की सेवा करने से भी व्रत का पुण्य और बढ़ जाता है।

क्या है अधिक मास, मल मास खरमास और पुरुषोत्तम मास?

हिंदू कैलेंडर में बारह चंद्र महीने होते हैं, जिनमें से प्रत्येक लगभग 29.5 दिनों का होता है, जिससे कुल वर्ष लगभग 354 दिनों का होता है। 365 दिनों के सौर वर्ष के साथ चंद्र कैलेंडर को संरेखित करने के लिए, लगभग हर 32.5 महीने में एक चंद्र महीना जोड़ा जाता है, जिसके परिणामस्वरूप एक अंतराल महीना होता है जिसे अधिक मास (पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है) के रूप में जाना जाता है।

1. अधिक मास/पुरुषोत्तम मासः- अधिक मास, जिसे पुरूषोत्तम मास के नाम से भी जाना जाता है, एक अतिरिक्त महीना है जो हिंदू कैलेंडर में लगभग हर दो से तीन साल में एक बार आता है। यह घटना चंद्र और सौर वर्षों के बीच असमानता के कारण उत्पन्न होती है, जिसके परिणामस्वरूप हिंदू कैलेंडर सौर कैलेंडर से पीछे हो जाता है। इसे सुधारने के लिए, एक अतिरिक्त महीना डाला जाता है, जिससे चंद्र कैलेंडर सौर चक्र के बराबर हो जाता है। अधिक मास के दौरान, हिंदुओं का मानना है कि धर्मपरायणता, दान और आध्यात्मिक अभ्यास करने से कई गुना लाभ मिलता है। इस महीने के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों का पालन करना, उपवास करना, पवित्र ग्रंथों को पढ़ना और करुणा के कार्यों में संलग्न होना अत्यधिक मेधावी माना जाता है। अधिक मास के दौरान कई तीर्थयात्राएं और धार्मिक त्यौहार भी होते हैं, जिससे यह पूरे भारत में हिंदुओं के लिए एक शुभ और आध्यात्मिक रूप से जीवंत समय बन जाता है।

2. खरमासः- खरमास लगभग 15 दिनों की अवधि को संदर्भित करता है जो वर्ष में एक बार होता है, आमतौर पर हिंदू कैलेंडर के अनुसार मार्गशीर्ष (नवंबर-दिसंबर) के महीने में। खरमास के दौरान, यह माना जाता है कि हिंदू देवता, विशेष रूप से भगवान विष्णु, गहरी नींद की स्थिति में होते हैं और कोई भी शुभ समारोह या नया उद्यम शुरू नहीं किया जाना चाहिए। खरमास शब्द संस्कृत शब्द खर्मा से लिया गया है जिसका अर्थ है पापपूर्ण कार्य। हालाँकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस अवधि को पूरी तरह से अशुभ नहीं माना जाता है, और ज्योतिषियों के उचित मार्गदर्शन के साथ शादी या जीवन की अन्य घटनाओं जैसी आवश्यक गतिविधियाँ अभी भी हो सकती हैं। भक्त इस समय का उपयोग आत्मनिरीक्षण में संलग्न होने, आध्यात्मिक अभ्यास करने और मंदिरों में जाकर और प्रार्थना करके देवताओं का आशीर्वाद लेने के लिए करते हैं। खरमास के अंत को विशेष अनुष्ठानों और नियमित शुभ गतिविधियों की बहाली के साथ चिह्नित किया जाता है।

3. मलमासः- हिंदू चंद्र कैलेंडर में मलमास एक और अशुभ महीना है जो हर 32.5 महीने में होता है, लगभग हर 2-3 साल में एक बार। खरमास के विपरीत, जो लगभग 15 दिनों तक चलता है, मलमास पूरे चंद्र माह तक रहता है। इसे नई शुरुआत, विवाह, गृहप्रवेश समारोह और किसी भी महत्वपूर्ण वित्तीय या व्यक्तिगत निर्णय के लिए अशुभ समय माना जाता है। मलमास के दौरान, भक्त कुछ शुभ गतिविधियों से दूर रहते हैं और आध्यात्मिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। बहुत से लोग दैवीय आशीर्वाद पाने और खुद को सभी अशुद्धियों से शुद्ध करने के लिए धार्मिक तीर्थयात्राओं, दान कार्यों और पवित्र ग्रंथों के पाठ में संलग्न होते हैं।

हिंदू कैलेंडर, जो धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व में गहराई से निहित है, चंद्र और सौर अनुष्ठानों का एक अनूठा मिश्रण प्रदान करता है। अधिक मास, पुरूषोत्तम मास, खरमास और मलमास सभी हिंदू परंपराओं की समृद्ध परंपरा में योगदान करते हैं। जिससे भक्तों को अपने

महादेव के आंसुओं से बना है पाकिस्तान का ये सरोवर

पाकिस्तान के मध्य में, विविध सांस्कृतिक परिदृश्य और धार्मिक मान्यताओं की समृद्ध टेपेस्ट्री के बीच, गहन आध्यात्मिक महत्व का एक स्थान है - महादेव का चमत्कारी मंदिर। कटास राज की सुरम्य घाटी में स्थित, यह प्राचीन हिंदू मंदिर न केवल धार्मिक भक्ति का प्रतीक है, बल्कि क्षेत्र में विभिन्न धर्मों के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व का प्रमाण भी है।

एक ऐतिहासिक चमत्कारः-

महादेव का मंदिर, जिसे कटास राज मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, एक सहस्राब्दी पुराना है, ऐतिहासिक साक्ष्यों से पता चलता है कि इसका निर्माण 6वीं से 7वीं शताब्दी ईस्वी के दौरान हुआ था। यह परिसर एक विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है और इसमें विभिन्न हिंदू देवताओं को समर्पित कई मंदिर और तीर्थस्थल शामिल हैं।

किंवदंती और चमत्कारी उत्पत्तिः-

स्थानीय लोककथाओं के अनुसार, कटास राज मंदिरों की उत्पत्ति एक मार्मिक किंवदंती से जुड़ी हुई है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव अपनी प्रिय पत्नी सती की मृत्यु के बाद यहीं रोये थे। उनके आँसुओं से पवित्र तालाब बने, जो मंदिर परिसर का एक अभिन्न अंग हैं और माना जाता है कि उनमें उपचार करने की शक्तियाँ हैं।

आध्यात्मिक महत्वः-

एक प्राचीन हिंदू मंदिर होने के बावजूद, यह स्थल विभिन्न धार्मिक पृष्ठभूमि के लोगों के लिए बहुत आध्यात्मिक महत्व रखता है। यह क्षेत्र में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सदियों से चले आ रहे सह-अस्तित्व और धार्मिक सहिष्णुता के प्रमाण के रूप में कार्य करता है। स्थानीय मुसलमान अक्सर मंदिर परिसर में आते हैं, इसे श्रद्धा का स्थान मानते हैं और परमात्मा से आशीर्वाद मांगते हैं।

सांस्कृतिक विरासत और स्थापत्य वैभवः-

महादेव का मंदिर प्राचीन वास्तुकला की उत्कृष्ट कृति के रूप में खड़ा है। जटिल नक्काशी, शानदार मूर्तियां और राजसी खंभे बीते युग के कारीगरों की कलात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करते हैं। भगवान शिव को समर्पित मुख्य मंदिर में एक विस्मयकारी लिंगम (परमात्मा का एक अमूर्त प्रतिनिधित्व) है, और पूरे परिसर से एक शांत आभा निकलती है जो आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

तीर्थयात्रा और त्यौहारः-

पूरे वर्ष, पाकिस्तान के विभिन्न कोनों और उससे आगे से भक्त और तीर्थयात्री महादेव के मंदिर की आध्यात्मिक यात्रा पर निकलते हैं। भगवान शिव के लौकिक नृत्य का जश्न मनाने वाला वार्षिक महा शिवरात्रि उत्सव, उपासकों की एक बड़ी मंडली को आकर्षित करता है जो धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं और आशीर्वाद मांगते हैं।

संरक्षण प्रयास और सांस्कृतिक आदान-प्रदानः-

हाल के दिनों में, पाकिस्तानी सरकार ने विभिन्न विरासत संगठनों के साथ मिलकर महादेव के मंदिर के संरक्षण और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। ये प्रयास न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए देश की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हैं बल्कि अंतरधार्मिक संवाद और समझ को भी बढ़ावा देते हैं। पाकिस्तान में महादेव का चमत्कारी मंदिर आशा, एकता और धार्मिक सद्भाव की किरण के रूप में खड़ा है। इसकी प्राचीन दीवारें अतीत की कहानियों को प्रतिबिंबित करती हैं, जहां विभिन्न मान्यताओं के लोग परस्पर सम्मान और शांति के साथ रहते थे। आज, जबकि दुनिया धार्मिक असहिष्णुता और संघर्षों से जूझ रही है, यह पवित्र मंदिर आध्यात्मिकता की परिवर्तनकारी शक्ति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की सुंदरता की याद दिलाता है। इस वास्तुशिल्प चमत्कार का संरक्षण और सराहना एक सामूहिक जिम्मेदारी बनी रहनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इसका महत्व आने वाली पीढ़ियों के लिए बना रहे।

सोनू सूद ने पंजाब की मदद को हाथ बढ़ाए : लिखा- उस धरती ने मुझे बहुत कुछ दिया, अब लौटाने का समय आ गया

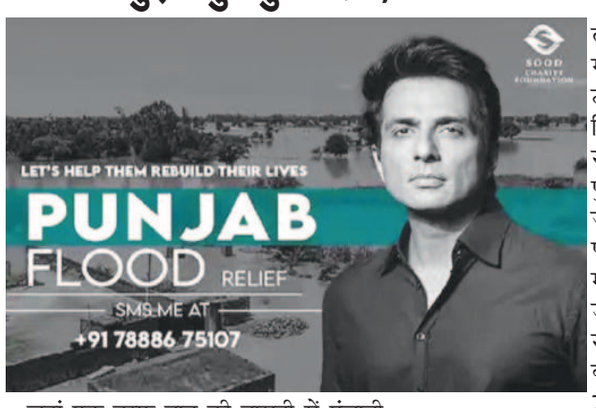

जहां एक तरफ बाढ़ की त्रासदी में पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री, जट-जमीन, ट्रैक्टर और हथियारों को प्रोमोट करने वाले सिंगर कहीं नजर नहीं आ रहे हैं, वहीं पंजाब की धरती से उठकर माया नगरी मुंबई में अपने टैलेट के दम पर धाक जमाने वाले बॉलीवुड स्टार सोनू सूद ने पंजाब में बाढ़ प्रभावितों के लिए मदद के हाथ आगे बढ़ाए हैं। पंजाब में बाढ़ की त्रासदी को लेकर उन्होंने अपनी पीड़ा भी जाहिर की है।

एक्टर ने ट्वीट लिखकर दिया संदेश

सोनू सूद ने अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट डाली है। जिसमें सोनू सूद ने लिखा है- मेरे प्यारे पंजाब, मेरा दिल तुम्हारे लिए दुखता है। चूंकि बाढ़ ने उस भूमि पर कहर बरपाया है, जिसने मुझे बड़ा किया है, ऐसे में मैं बेकार खड़ा रहना बर्दाश्त नहीं कर सकता। पंजाब ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अब वापस लौटने का समय आ गया है। उन्होंने अपने ट्वीट मे लिखा- साथ मिलकर इस तूफान का सामना करेंगे, पुनर्निर्माण करेंगे और जरूरतमंद साथी पंजाबियों के लिए मजबूत होकर उभरेंगे। उन्होंने अपने ट्वीट में सूद चैरिटी फाउंडेशन का एक नंबर 78886-75107 भी जारी किया है। साथ ही लिखा है कि कोई जरूरतमंद इस नंबर पर हमें SMS के माध्यम से संदेश भेजे। मदद उस तक पहुंचेगी। ट्वीट में उन्होंने अपनी बहन के साथ फोटो भी शेयर की है।

कोरोना महामारी में भी की थी देशभर में लोगों की मदद

फिल्म अभिनेता सोनू सूद की फाउंडेशन कोरोना महामारी के दौरान भी लोगों के साथ खड़ी की थी। सोनू सूद ने पूरे देश में कोरोना महामारी के दौरान हजारों लोगों की मदद की थी। किसी को हवाई जहाज और गाड़ी से उसके घर तक पहुंचाया था तो किसी को बीमारी के लिए पैसा दिया था। यहां तक तक बहुत सारे लोगों को खाने-पीने का सामान पहुंचा कर भी मदद की थी।

राधिका मदान की फिल्म 'सना' का एक और धमाका अब भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न में होगा प्रीमियर

टेलीविजन से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री तक का सफर तय करने वालीं एक्ट्रेस राधिका मदान ने समय-समय पर खुद को साबित किया है। राधिका ने आज अपनी मेहनत के दम पर बॉलीवुड में अपनी अलग जगह बना ली है। वहीं, एक्ट्रेस इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'सना' को लेकर सुर्खियों में हैं। 'सना' को अब तक शंघाई फिल्म फेस्टिवल, सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और टालिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल सहित कई फिल्म समारोहों में प्रदर्शित किया जा चुका है। वहीं, अब इस मूवी का प्रीमियर ऑस्ट्रेलिया में होने जा रहा है।

आईएफएफएम में होगा 'सना' का प्रीमियर

राधिका मदान ने वर्ष 2018 में विशाल भारद्वाज की फिल्म 'पटाखा' के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। एक्ट्रेस अब तक 'मर्द को दर्द नहीं होता', 'अंग्रेजी मीडियम', 'शिद्दत' और कुत्ते जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वहीं, बीते कुछ समय से राधिका अपनी मोस्ट अवेटेड मूवी 'सना' को लेकर लाइमलाइट में हैं। इस मूवी को कई फिल्म समारोह में प्रदर्शित किया जा चुका है, और अब यह ऑस्ट्रेलिया में प्रतिष्ठित भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न में अपना जलवा बिखेरने के लिए पूरी तरह तैयार है।

'भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न' (आईएफएफएम) को भारत के बाहर भारतीय सिनेमा का जश्न मनाने वाले सबसे बड़े फिल्म महोत्सव के रूप में जाना जाता है। इसका 14वां संस्करण 11 से 20 अगस्त के बीच होगा। राधिका मदान की फिल्म 'सना' का प्रीमियर इसके गाला सेक्शन में होगा। फिल्म एक महत्वाकांक्षी महिला की कहानी बताती है, जो अपने आंतरिक राक्षसों से लड़ रही है।

डायरेक्टर सुधांशु सरिया ने जाहिर की खुशी

'सना' फिल्म के डायरेक्टर सुधांशु सरिया ने आईएफएफएम में इसके प्रीमियर को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा है,'सना को दुनिया के सभी हिस्सों में दर्शकों तक ले जाना अभूतपूर्व रहा है, और हम सभी मेलबर्न में अपने दर्शकों से मिलने के लिए बहुत उत्साहित हैं। आईएफएफएम के पास ऑस्ट्रेलिया में अग्रणी सिनेमा को लाने का एक समृद्ध इतिहास है, और हमें गर्व है कि सना इस वर्ष उस सूची में शामिल है।' 'सना' में राधिका मदान के अलावा, पूजा भट्ट, शिखा तल्सानिया और सोहम शाह जैसे सितारे हैं।

ओटीटी पर धूम्रपान विरोधी दिशानिर्देश से तिलमिलाए हंसल मेहता, ट्वीट कर शासनादेश पर कसा तंज

बीते दिन सरकार ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए एक जरूरी दिशानिर्देश जारी किया। इसके अनुसार अब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को कार्यक्रम में तंबाकू उत्पाद प्रदर्शित करने या फिर उसका उपयोग किए जाने के दौरान स्क्रीन के नीचे एक प्रमुख स्थिर तंबाकू विरोधी संदेश चलाते हुए लोगों को स्वास्थ्य चेतावनी देना अनिवार्य होगा। जहां तमाम लोग शासनादेश के इस आदेश की तारीफ कर रहे हैं, तो वहीं कुछ इसकी आलोचना करते भी नजर आ रहे हैं। आलोचना करने वालों में अब मशहूर फिल्ममेकर हंसल मेहता का भी नाम जुड़ गया है।

फिल्ममेकर हंसल मेहता ने शासनादेश के इस दिशानिर्देश को व्यंगयात्मक तरीके से प्रगतिशील निर्णय बताया है। हंसल ने अपने विचार को व्यक्त करने के लिए अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल का सहारा लिया है। आदेश पर अपने विचार साझा करते हुए हंसल ने ट्वीट में लिखा है, 'हां, तम्बाकू उत्पाद और धूम्रपान से होने वाली मौतों का एकमात्र कारण हमारे शो या फिल्में हैं। इन टिकर को लगाने से हमारे पास स्वस्थ्य लोग होंगे जो धूम्रपान नहीं करते हैं। बहुत प्रगतिशील निर्णय।'

'स्कूप' और स्कैम '1992' जैसी वेब सीरीज का निर्माण कर चुके हंसल मेहता का यह ट्वीट सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। वहीं, फिल्ममेकर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर धूम्रपान अस्वीकरण को

शामिल करने वाली रिपोर्ट में एक विशिष्ट पंक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, 'यह निर्णय लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करने और तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किया गया है।'

हंसल मेहता के इस विचार पर सोशल मीडिया दो गुटों में बंट गया है। एक ट्विटर यूजर ने रिएक्ट करते हुए लिखा है, 'अगर यह निर्णय 100, 10 या यहां तक कि एक व्यक्ति को धूम्रपान या तम्बाकू सेवन की आदत छोड़ने से रोकता है, तो मुझे वास्तव में लगता है कि यह एक अच्छा निर्णय है।' दूसरे ने लिखा है, 'सर, फिल्मों में भोले-भाले लोगों को प्रभावित करने की ताकत होती है। आज के वितरण और पहुंच के साथ जांच करना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। स्व-नियमन सबसे पहले होना चाहिए। इन दिनों ओटीटी पर जिस तरह की सामग्री उपलब्ध है, उसे देखते हुए मैं अपने बच्चों के बचपन को लेकर डरा हुआ हूं।'

शवेता बच्चन ने रणवीर सिंह को गिफ्ट किया पेंडेंट

रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' जल्द ही रिलीज होने वाली है। रिलीज से पहले बीती रात फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई। इस इवेंट में रणबीर कपूर, सारा अली खान, गौरी खान, कटरीना कैफ, विक्की कौशल समेत कई बड़े सितारे शामिल हुए। इवेंट के जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता बच्चन रणवीर को पेंडेंट गिफ्ट करते हुए नजर आ रही हैं। इस वीडियो में रणवीर व्हाइट स्वेट शर्ट में दिखाई दे रहे हैं। वहीं श्वेता उन्हें गले में पेंडेंट पहना रही हैं। इसके बाद दोनों ने एक- दूसरे को गले लगाया है।

वीडियो सामने आते ही एक फैंस ने कमेंट करते हुए लिखा, 'ओह, यह सचमुच में बहुत प्यारा है। वह सभी के प्यार का हकदार है।' दूसरे ने लिखा, 'रणवीर कितने पॉजिटिव वाइब वाले व्यक्ति हैं'। वहीं तीसरे ने लिखा, 'रणवीर बहुत प्यारे हैं ,उनके लिए हमेशा सम्मान और प्यार हैं मेरे मन में'।

रोमांस और ड्रामा से भरपूर होगी फिल्म

फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 28 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज हो गयी। इस फिल्म के साथ करण फिल्ममेकर के तौर पर अपने बॉलीवुड में 25 साल पूरे किए हैं। फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट लीड रोले में हैं। इनके अलावा शबाना आजमी, धर्मेंद्र और जया बच्चन भी अहम भूमिका निभाएंगे। फिल्म में रणवीर और आलिया की जबरदस्त रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिलेगी।

सुपर डांसर्स के मेकर्स, जज और चैनल पर लीगल एक्शन

नेशनल चैनल पर बच्चे से अश्लील सवाल पूछने का आरोप, एनसीपीसीआर ने भेजा नोटिस

एनसीपीसीआर (नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स) ने सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो को लेकर सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स को लेटर लिखा है। इस वीडियो में शो के जजेस शिल्पा शेट्टी, अनुराग बसु और गीता कपूर एक छोटे बच्चे से अश्लील सवाल पूछते नजर आ रहे हैं।

आयोग ने चैनल से इस वीडियो को हटाकर अगले 7 दिन में एक्शन टेकन रिपोर्ट सबमिट करने के लिए कहा है। यह वीडियो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर टेलीकास्ट होने वाले बच्चों के डांस रियलिटी शो सुपर डांसर चैप्टर 3 के एक एपिसोड का है।

4 साल बाद एनसीपीसीआर ने लिया एक्शन

यह एपिसोड चार साल पहले 2019 में टेलीकास्ट हुए सुपर डांसर चैप्टर 3 का है। शो के एक एपिसोड में तीनों जजेस नेशनल चैनल पर एक बच्चे से उसके पैरेंट्स के अंडरगारमेंट्स पर बात की थी। अब चार साल बाद एनसीपीसीआर ने इस मामले में तीनों जजेस, मेकर्स और चैनल पर लीगल एक्शन लिया है।

सोशल मीडिया पर वायरल है यह क्लिप

सोशल मीडिया पर वायरल इस एपिसोड की वीडियो क्लिप में जजेस एक बच्चे के साथ उसके और उसके पिता के अंडरगारमेंट्स पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि बच्चे के पिता असहज हैं फिर भी जजेस इस बारे में बात करते रहते हैं। इतना ही नहीं वीडियो में यह बच्चा अपने पैरेंट्स की पर्सनल लाइफ डिटेल्स भी शेयर कर रहा है। डांस रियलिटी शो 'सुपर डांसर' के अब तक 4 सीजन टेलीकास्ट हो चुके हैं। इसका पहला सीजन 2016 में और आखिरी सीजन 2021 में टेलीकास्ट हुआ था।

अमीषा पटेल पर कोर्ट ने 500 रुपए का जुर्माना लगाया: ढाई करोड़ रुपए ठगने का आरोप; चेक बाउंस मामले में अगली सुनवाई 7 अगस्त को

अभिनेत्री अमीषा पटेल पर रांची सिविल कोर्ट में चेक बाउंस मामले में 500 रुपए जुर्माना लगाया गया है। मामले में अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी। अमीषा पटेल पर फिल्म देसी मैजिक बनाने के नाम पर अजय सिंह से ढाई करोड़ रुपए ठगने का आरोप है। आरोप लगाने वाले अजय कुमार सिंह की ओर से कंपनी के मैनेजर टिंकू सिंह कोर्ट में गवाह के तौर पर पेश हुए। लेकिन उनसे अमीषा पटेल के वकील ने क्रॉस एग्जामिनेशन नहीं किया। अमीषा पटेल के वकील टाइम पिटीशन दे रहे थे। इसी वजह से कोर्ट ने जुर्माना लगाया है। सिविल कोर्ट में ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट डी एन शुक्ला की कोर्ट में सुनवाई हुई। अमीषा पटेल पहले भी दो बार कोर्ट में पेश हो चुकी हैं।

अगली तारीख मांग रहे थे अमीषा पटेल के वकील

अमीषा पटेल के वकील जयप्रकाश कोर्ट से अगली तारीख की मांग कर रहे थे। उन्होंने कोर्ट में कहा कि उन्हें सर्टिफाइड कॉपी की जरूरत है, लिहाजा सुनवाई के लिए अगली तारीख तय कर दी जाए। दूसरी तरफ कोर्ट में अजय सिंह की ओर से गवाह मौजूद थे। गवाह से क्रॉस एग्जामिन के लिए कोर्ट ने 7 अगस्त की तारीख तय कर दी।

अमीषा पटेल पर ढाई करोड़ रुपए ठगने का आरोप

अमीषा पटेल पर फिल्म देसी मैजिक बनाने के नाम पर अजय सिंह से ढाई करोड रुपए ठगने का आरोप है। अजय का कहना है- दोनों के बीच जो कांट्रैक्ट हुआ था, उसके अनुसार जब फिल्म जून 2018 में रिलीज नहीं हुई तो अमीषा से अजय ने पैसे वापस मांगे। काफी टालमटोल के बाद अक्टूबर 2018 में ढाई करोड़ एवं 50 लाख रुपए के दो चेक दिए गए, जो बाउंस हो गए। इसके बाद अजय सिंह ने रांची सिविल कोर्ट में केस किया है।

महिलाओं के अंडरगारमेंट्स पर ट्वीट करके बुरे फंसे अमिताभ बच्चन, अब महानायक हो रहे ट्रोल

अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और वो आए दिन किसी ना किसी तरह से फैंस को कुछ ना कुछ लिखते ही रहते हैं. अमिताभ कभी अपने पुराने दिनों को याद करते हैं तो कभी अपनी निजी जिंदगी के बारे में खुलकर बातें करते हैं. इसी बीच में महानायक का एक ट्वीट वायरल हो है जिसमें उन्होंने कुछ ऐसा लिखा है जिसकी वजह से उन्हें अब ट्रोल होना पड़ रहा है. दरअसल इस ट्वीट में अमिताभ ने लॉन्जरी को लेकर सवाल पूछा था. इस ट्वीट पर लोग बहुत कमेंट कर रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्हें बिग बी से ये उम्मीद नहीं थी.

अमिताभ के ट्वीट पर बवाल

अमिताभ बच्चन का वायरल हो रहा ट्वीट 2010 का है और उन्होंने इस ट्वीट में एक सवाल पूछा था. अमिताभ बच्चन ने ट्वीट किया था 'अंग्रेजी भाषा में ब्रा एकवचन और पैंटी बहुवचन क्यों हैं?' बिग बी का ये ट्वीट वायरल हो रहा है जिसे लेकर लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं.

यूजर्स ने किया ट्रोल

इस 13 साल पुराने ट्वीट के वायरल होते ही लोग हर कोई हैरान हैं और अब एक यूजर ने ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा, 'अमितजी, यह आपका कैसा व्यवहार है?' एक अन्य ने लिखा है, 'आखिरकार आपको यही एक सबसे महत्वपूर्ण सवाल लगा?' एक तीसरे यूजर ने लिखा है, 'आप जैसे गरिमा वाले इंसान को इस तरह के सवाल पूछना शोभा नहीं देता, आपको इस पर माफी मांगनी चाहिए". अमिताभ बच्चन के इस ट्वीट को रिट्वीट करते हुए एक यूजर ने पोस्ट कर लिखा- 'आखिरकार कोई तो जरूरी सवाल पूछ रहा है.' वहीं दूसरे ने लिखा- 'अच्छा सवाल बच्चन साहब, इसे केबीसी के अगले सीजन में आप पूछिएगा.'

इन फिल्मों में आएंगे नजर

वर्कफ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन जल्द ही 'कौन बनेगा करोड़पति' का 15 सीजन लेकर लेकर आ रहे हैं. बिग बी ने हाल ही में केबीसी के सेट से तैयार होकर अपनी तस्वीर शेयर की थी. वहीं शो का टीजर भी रिलीज हो चुका है. फिल्मों की बात करें तो वह अमिताभ बच्चन जल्द ही नाग अश्विन की कल्कि 2898 एडी में दिखने वाले हैं. इस फिल्म में उनके साथ प्रभास, दीपिका पादुकोण और कमल हासन लीड रोल में नजर आएंगे.

बेटी को गांव भेजने की धमकी देती थीं श्वेता तिवारी

बॉयफ्रेंड ना बन पाए इसलिए कटवा दिए थे बाल

पलक तिवारी ने एक इंटरव्यू में बताया कि टीनएज में वो मां श्वेता तिवारी से बहुत परेशान थीं। श्वेता ने उनके बाल कटवा दिए थे और वो उन्हें किसी को डेट नहीं करने देती थीं। उन्होंने बताया कि वो मां से बहुत झूठ बोलती थीं पर हर बार पकड़ी जाती थीं। पलक ने हार्डी संधू के म्यूजिक वीडियो 'बिजली बिजली' से अपना स्क्रीन डेब्यू किया था। एक्ट्रेस इन दिनों सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान को डेट करने के लिए चर्चा में हैं।

मेरे दिन खराब बीतते थे और मां सदमे में रहती थीं

बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में पलक ने कहा, 'एक वक्त था जब मैंने मां से कहा कि आप मेरी लाइफ बर्बाद कर रही हो। मेरे टीन ईयर बहुत की खराब बीतते और मेरी मां उससे सदमे में रहती थीं। सबसे बड़ी प्रॉब्लम यह थी कि मैं जब भी कोई झूठ बोलती तो पकड़ी जाती थी। मां हमेशा कहती थी कि तुम झूठ बोलती ही क्यों हो? सिर्फ दो घंटे में तो तुम्हारा झूठ पकड़ा जाता है।'

मां को बिना बताए मॉल चली गई थी

पलक ने बताया कि उनकी मां नहीं चाहती थीं कि वो टीनएज में किसी को डेट करें इसलिए बेटी के साथ अजीबो- गरीब एक्सपेरिमेंट करती रहती थीं। एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं जब 15 या 16 साल की थी तब मेरा एक बॉयफ्रेंड था। हमें साथ में मॉल जाना पसंद था। मैंने मां से कह दिया था कि मैं घर के नीचे गार्डन में खेलने जा रही हूं और उसके साथ मॉल घूमने चली गई।'

उनको पता चला तो बोलीं- तुझे गांव भेज दूंगी

मां शहर में नहीं थीं फिर भी उन्हें पता चल गया कि मैं मॉल में हूं। वो बहुत नाराज हुईं। सबसे मजेदार बात यह थी कि उन्होंने मुझसे कहा कि मैं तुझे गांव भेज दूंगी और तेरे बाल कटवा दूंगी।उन्होंने एक बार मेरे बाल काट भी दिए थे, ताकि मैं बदसूरत दिखूं और किसी को डेट ना कर पाऊं।' पलक ने हाल ही में सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड डेब्यू किया है। इन दिनों वे सनी सिंह और मौनी रॉय के साथ फिल्म 'द वर्जिन ट्री' पर काम कर रही हैं। पलक, एक्ट्रेस श्वेता तिवारी और राजा चौधरी की बेटी हैं। श्वेता मशहूर टीवी एक्ट्रेस और सलमान खान के टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 4 की विनर रह चुकी हैं।

अफ्रीका में सेट हो सकती है आरआरआर 2 की कहानी

राजामौली के पिता कर रहे स्क्रिप्ट पर काम

ऑस्कर विनिंग फिल्म 'RRR' के सीक्वल से जुड़ी बड़ी अपडेट सामने आई है। एक रिपोर्ट की मानें तो इन दिनों इस फिल्म के सीक्वल की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। इसकी कहानी अफ्रीका में सेट हो सकती है। यह जानकारी फिल्म के राइटर और डायरेक्टर एसएस राजामौली के पिता विजयेंद्र प्रसाद ने दी है।

उन्होंने कहा कि वो अभी फिल्म की स्क्रिप्ट लिख रहे हैं जिसके बाद वो इसे राजामौली के साथ शेयर करेंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा तो 2025 में इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन वर्क शुरू होगा। फिलहाल राजामौली, महेश बाबू के साथ अपनी अगली फिल्म SSMB29 पर जुटे हुए हैं।

2022 में ही शेयर कर दिया था आइडिया

बॉलीवुड हंगामा को दिए एक इंटरव्यू में राइटर प्रसाद ने बताया, 'इसका सीक्वल बन भी सकता है और नहीं भी। 2022 में इस फिल्म की रिलीज के बाद मैंने इसके सीक्वल का आइडिया अपने बेटे से शेयर किया था। इसकी कहानी अफ्रीका में सेट है और यह सीता राम राजू (रामचरण) और कोमाराम भीम (एनटीआर जूनियर) के साथ वहीं से शुरू होती है जहां से खत्म हुई थी। राजामौली को यह आइडिया पसंद आया था और उन्होंने इसकी पूरी स्क्रिप्ट डेवलप करने के लिए कहा था।

विजयेंद्र ने आगे बताया, 'इस फिल्म पर अभी हमारे बीच कोई चर्चा नहीं हुई है क्योंकि इन दिनों राजामौली महेश बाबू के साथ अपनी अगली फिल्म पर बिजी हैं। वो जब तक इस फिल्म को कम्पलीट नहीं कर लेगा। दूसरी फिल्म पर काम नहीं करेगा।' राजामौली इन दिनों महेश बाबू के साथ फिल्म 'SSMB29' पर काम कर रहे हैं। 2024 में इस फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन वर्क शुरू हो जाएगा। 2025 तक इसके रिलीज होने की संभावना है। ऐसे में संभव है कि राजामौली 2025 में RRR का प्री-प्रोडक्शन वर्क शुरू कर दें। 2022 में रिलीज हुई आरआरआर इंडियन सिनेमा की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक है। फिल्म के गाने नाटू-नाटू को ऑस्कर अवॉर्ड से भी नवाजा गया है।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद एक्ट्रेस बनीं कृति सेनन, एक मूवी की लेती हैं 4 करोड फीस

कृति ने अपनी शानदार एक्टिंग फिल्म इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है. कृति सेनन को उनकी एक्टिंग के साथ-साथ अदाओं के लिए भी काफी पसंद किया जाता है. लेकिन उनकी असल जिंदगी के कई सारे ऐसे किस्से मशहूर हैं, जिनके बारे में जानकर हर किसी को होश उड़ जाते हैं. उनके पिता राहुल सेनन एक सी.ए. हैं और उनकी मां गीता सेनन दिल्ली विश्वविधालय में प्रोफसर हैं. इतना ही नहीं कृति ने खुद भी इंजीनियरिंग की पढ़ाई की हुई है, उन्होंने नोएडा के कॉलेज से बी. टेक किया है. कृति ट्रेन्ड कथक डांसर हैं, कृति स्टेट लेवल के बॉक्सर भी रह चुकी हैं. लेकिन बाद में वो फिल्मी दुनिया में आ गई.

साउथ फिल्म से किया था डेब्यू

कृति सेनन ने अपने करियर की शुरुआत साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ की थी. उनकी पहली फिल्म तेलुगू साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'नेनोक्काडाइन' थी. कृति सेनन को इस फिल्म के लिए तारीफें तो खूब मिली थी लेकिन पहचान नहीं मिल पाई. इसके बाद कृति सेनन टाइगर श्रॉफ के साथ शब्बीर खान की 'हीरोपंती' में नजर आईं. ये उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म थी. फिल्म हिट रही और कृति सेनन को अच्छी पहचान मिली. इसके बाद वह बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं.

कृति ने अपने एक इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया था कि उन्हें अपने पहले रैंप वॉक पर गलती के लिए डांट का सामना करना पड़ा था. डांस सुनकर वो अपने इमोशंस पर कंट्रोल नहीं कर पाई और उनके आंसू निकल आए. इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि जब उन्होंने अपना पहला रैंप शो किया, तो कोरियोग्राफी में कहीं गड़बड़ी हो गई थी. इसके लिए कोरियोग्राफर उनसे गुस्सा हो गई थीं. करीब 20 मॉडलों के सामने उन पर चिल्लाने लगी. फिर क्या था वो रोने लगीं.

सुशांत के साथ जुड़ा नाम

कृति सेनन का नाम अब तक केवल एक एक्टर का साथ जुड़ा है और वो हैं दिवगंत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत. दोनों ही स्टार ने फिल्म राबता में साथ में काम किया था और इस दौरान नजदिक आए थे, हालांकि ये रिश्ता बहुत दिनों तक नहीं चाल था. सुशांत के जानें के बाद कृति ने उनके लिए बेहद लंबा चौड़ा पोस्ट भी लिखा था.

एक फिल्म के लिए लेती हैं करोड़ों की फीस

कृति सेनन आज की यंग जनरेशन में सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हैं. मिमी में कृति के शानदार अभिनय ने निर्देशक निर्माता की लिस्ट में उन्हें शामिल किया.

रिपोर्ट्स की मानें तो जहां कृति पहले अपनी एक फिल्म की फीस लगभग 2 करोड़ तक लेती थीं. तो वही मिमी के बाद अब वह एक फिल्म की 4 करोड़ तक की फीस लेती हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक कृति की सबसे ज्यादा कमाई उनके एक्टिंग और ब्रांड एंडोर्समेंट से होती है

जब अजय देवगन के किसिंग सीन से आगबबूला हो गईं काजोल, अभिनेता को मांगनी पड़ी थी माफी

बॉलीवुड में कई ऐसे अभिनेता-अभिनेत्रियां हैं जो एक दूसरे से शादी के बंधन में बंध चुके हैं। इनमें से ही एक अजय देवगन और काजोल भी हैं। दोनों की गिनती फिल्म इंडस्ट्री के सबसे क्यूट कपल में होती है। शादी के 24 साल बाद भी दोनों काफी अच्छी बॉन्डिंग शेयर करते हैं। कई मौकों पर दोनों को साथ भी देखा जाता है। दोनों ही सितारे एक दूसरे के काम की काफी ज्यादा सराहना करते हैं। हालांकि, आपको जानकर हैरानी होगी कि एक फिल्म में अजय के एक सीन पर काजोल हद से ज्यादा आगबबूला हो गई थीं। आज के थ्रोबैक थर्सडे में हम आपको यही किस्सा बताने जा रहे हैं।

बात फिल्म शिवाय के समय की है। इस फिल्म में अजय देवगन ने लीड रोल निभाया था। फिल्म में अजय का एक किसिंग सीन था जो काफी ज्यादा चर्चा में था। दरअसल, पर्दे पर अजय देवगन उस समय तक नो किसिंग पॉलिसी अपनाते थे। यही वजह थी कि फिल्म का यह सीन काफी ज्यादा सुर्खियों में था। इस सीन की वजह से काजोल भी काफी ज्यादा नाराज हुई थीं।

उनके गुस्से का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अजय देवगन को उनको सॉरी तक कहना पड़ा था। इस किस्से का जिक्र काजोल ने खुद द कपिल शर्मा शो के दौरान किया था। शो में जब कपिल ने काजोल से पूछा कि पर्दे पर अजय को किस करते हुए देखकर उनकी कैसी प्रतिक्रिया थी।

इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मैं फिल्म की प्रोड्यूसर थी, फिर भी मुझे इसके बारे में नहीं बताया गया था। हालांकि, बाद में उन्होंने मुझसे इसको लेकर माफी मांगी। शो में काजोल ने बताया कि अजय के माफी मांगने के बाद उन्होंने उन्हें माफ कर दिया था।

वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में अजय देवगन भोला में नजर आए थे। इस फिल्म के बाद वह मैदान में दिखने वाले हैं। इसके अलावा उनके पास नीरज पांडे की फिल्म औरों में कहा दम था, रेड 2 और गोलमाल 5 और सिंघम 3 जैसी फिल्में भी हैं। दर्शकों को इन सभी फिल्म को बेसब्री से इंतजार है।

मनीष पॉल ने झेला है बेरोजगारी का दर्द, कहा 'मैं कई बार टूटा लेकिन संयुक्ता ने संभाली कमान'

सभी इंसान के लाइफ में कभी ख़ुशी तो कभी गम की बारिश होती है लेकिन फर्क इतना होता है कि मुश्किल की घड़ी में आप सारी चीजों को हैंडल कैसे करते रहे हैं. ठीक वैसे ही टीवी के फेमस होस्ट एंड एक्टर मनीष पॉल के लाइफ में भी हुई थी. जब उन्हें अपनी शुरुआती करियर में काफी मेहनत करनी पड़ी थी. मनीष के इस संघर्षों के बारे में शायद ही किसी को पता होगा. आज भले ही उन्होंने अपने दम और वाइफ के सपोर्ट से एक मुकाम हासिल किया है लेकिन एक समय ऐसा भी था जब वो पूरे 1 साल तक अपने घर पर खाली बैठे थे. उस टाइम के बारे में मनीष पॉल ने एक इंटरव्यू में बातचीत किया साथ ही लाइफ में आए उतार चढ़ाव के बारे में भी बताया कि कैसे उस वक्त उनकी वाइफ ने सबकुछ हैंडल किया. जिसके बाद उनकी टीवी शो 'झलक दिखला जा' से एक नई लाइफ की शुरुआत हुई .

मनीष पॉल की स्ट्रगल लाइफ

एक्टर मनीष पॉल ने ह्यूमन ऑफ बॉम्बे के एक पोस्ट के जरिए अपनी लाइफ के उस स्ट्रगल के बारे में बताया कि 'आज भले ही उनके पास सबकुछ है,लेकिन एक वक्त था जब वो घर पर एकदम खाली बैठे थे. मनीष कहते हैं, झलक दिखला जा मिलने से पहले एक साल तक मैं घर पर खाली बैठा रहा. मेरे लिये खाना निगलना भी मुश्किल होता था. मेरी वाइफ काम करने जाती थी, जिसकी वजह से काफी सपोर्ट मिला. भगवान की दया से आज हालात बेहतर हैं और मैं आगे बढ़ रहा हूं'

वाइफ ने किया सपोर्ट

मनीष आगे बताते हैं कि साल 2008 की है जब मै बेरोजगार था और हमारे पास घर के किराए देने तक के पैसे नही थे. तब मेरी वाइफ संयुक्ता ने एक टीचर का नौकरी करके सब कुछ संभाला और इस बात की शिकायत नही की. बल्कि उसने मुझे हौसला देते हुए मुझसे कहा कि "धैर्य रखो सब ठीक हो जाएगा, जल्द ही तुम्हे एक अच्छा अवसर मिलेगा" और आज अपनी वाइफ के हौसले के कारण मैं आज अच्छी जगह पर हूं और बच्चों के लिए भी पर्याप्त समय निकलता हूं.

'कटरीना की तरह दिखती थी इसलिए नहीं मिला काम':जरीन

जरीन खान का कहना है कि कटरीना कैफ की तरह दिखने की वजह से उन्हें काफी नुकसान हुआ है। उन्हें हमेशा कटरीना की हमशक्ल की तरह देखा गया। इंडस्ट्री में उनका खुद का कोई वजूद नहीं रह गया। जरीन के मुताबिक, उनका संबंध किसी फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं था। इसलिए जब लोग कटरीना के साथ तुलना करते थे तो उन्हें अच्छा लगता था। हालांकि बाद में उन्हें फिल्में मिलनी बंद हो गई। जरीन को फिल्म इंडस्ट्री से शिकायत भी है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में लोगों को टैलेंट नहीं बल्कि यारी-दोस्ती से काम मिलता है।

जरीन खान ने सलमान खान की फिल्म वीर से डेब्यू किया था। उन्हें लॉन्च करने का श्रेय सलमान को ही जाता है। शुरुआत में उन्हें अच्छी फिल्मों में काम करने का मौका मिला। लेकिन कुछ वक्त बाद वे पर्दे से गायब हो गईं। जरीन ने सलमान की फिल्म वीर से डेब्यू किया था। फिल्म फ्लॉप हो गई थी लेकिन जरीन के काम को काफी पसंद किया गया था। जरीन ने सलमान की फिल्म वीर से डेब्यू किया था। फिल्म फ्लॉप हो गई थी लेकिन जरीन के काम को काफी पसंद किया गया था।

फिल्में मिलीं भी तो उनके काम को सराहा नहीं गया। जरीन ने रैडिट में QUESTION & ANSWER का एक सेशन किया। इस दौरान एक यूजर ने पूछा कि कटरीना के साथ तुलना से उनके करियर पर क्या प्रभाव पड़ा। जवाब में जरीन कहती हैं- इंडस्ट्री में एंट्री करते वक्त मैं एक खोए हुए बच्चे की तरह थी। मैं किसी फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं थी। जब लोग मेरी तुलना कटरीना से करते थे, तो मुझे काफी खुशी मिलती थी। मैं भी कटरीना की खूबसूरती की फैन थी, हालांकि उनके साथ कंपेरिजन मुझे बैकफायर कर गया, क्योंकि इंडस्ट्री वालों ने मुझे खुद को साबित करने का मौका ही नहीं दिया।

अमीषा पटेल ने अब 'गदर 2' के डायरेक्टर को बताया पिता समान, अनिल शर्मा को लेकर कह दी यह बात

सनी देओल और अमीषा पटेल स्टारर फिल्म 'गदर 2' का मोस्ट अवेटेड ट्रेलर कारगिल विजय दिवस के मौके पर रिलीज किया गया। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में फिल्म से जुड़े सभी स्टारकास्ट ने शिरकत की। इसी दौरान अमीषा को एक दफा फिर फिल्म के डायरेक्टर अनिल शर्मा को लेकर बात करते देखा गया। अमीषा ने खुलासा किया कि वह अनिल को अक्सर व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर ब्लॉक करती रहती हैं।

'गदर 2' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अमीषा पटेल और सनी देओल के अलावा फिल्म से जुड़े बाकी सितारे उत्कर्ष शर्मा, शारिक पटेल, सिमरत कौर, मिथुन, अलका याग्निक, जुबिन नौटियाल और आदित्य नारायण भी नजर आए। इसी दौरान अमीषा ने अनिल शर्मा संग अपने रिश्ते का खुलासा किया। एक्ट्रेस ने साझा किया कि वह डायरेक्टर के साथ पिता-बेटी का बॉन्ड साझा करती हैं।

इवेंट में अमीषा पटेल ने कहा कि उनका डायरेक्टर अनिल शर्मा के साथ पिता-बेटी का रिश्ता है। जब उनसे पूछा गया कि क्यों, तो उन्होंने कहा कि वे बहुत लड़ते हैं। एक्ट्रेस ने मजाक में साझा किया कि वे लड़ते रहते हैं, और वह उन्हें इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर ब्लॉक करती रहती हैं, और फिर अनब्लॉक करती रहती हैं। वे इसी प्रकार का बॉन्ड साझा करते हैं।

अमीषा पटेल ने अनिल शर्मा के बेटे उत्कर्ष शर्मा की भी तारीफ की, जो फिल्म में तारा सिंह और सकीना के बेटे की भूमिका निभा रहे हैं। अमीषा का यह बयान काफी सुर्खियों में है, क्योंकि उन्होंने हाल ही में 'गदर 2' के डायरेक्टर अनिल शर्मा पर मिस-मैनेजमेंट का आरोप लगाया था। साथ ही कास्ट एंड क्रू को पूरे पैसे न दिए जाने की बात कहती नजर आई थीं।

अमीषा ने आरोप लगाते हुए कहा था कि फिल्म से जुड़े तकनीशियनों, मेकअप कलाकारों और कॉस्ट्यूम डिजाइनरों को उचित मेहनताना नहीं दिया गया। एक्ट्रेस ने आवास, परिवहन और भोजन के अनपेड बिल के बारे में भी साझा किया।

हालांकि, बाद में उन्होंने डायरेक्टर अनिल शर्मा के साथ एक तस्वीर शेयर की, और अब ट्रेलर लॉन्च में एक्ट्रेस के बयान से ऐसा लगता है कि दोनों के बीच सबकुछ ठीक है।

ट्रांसजेंडर की कहानी में फिर मिला सामान्य कलाकार को मौका, भंसाली के शागिर्द संदीप लाए 'सफेद'

निर्माता निर्देशक संजय लीला भंसाली के शागिर्द रहे संदीप सिंह की बतौर निर्देशक 'सफेद' का टीजर गुरुवार को जारी हो गया। भंसाली की फिल्म 'ब्लैक' हिंदी सिनेमा की बेहतरीन फिल्मों में शुमार है और संदीप सिंह ने इसके विपरीत रंग को अपनी पहली फिल्म का आधार बनाया है।

फिल्म 'सफेद' एक ट्रांसजेंडर और एक विधवा औरत की प्रेम कहानी बताई जा रही है हालांकि फिल्म में किसी ट्रांसजेंडर कलाकार को लेने की बजाय संदीप सिंह ने सामान्य अभिनेता को ही ट्रांसजेंडर के रोल में पेश किया है।

एक निर्देशक के तौर पर अपनी पहली फिल्म सफ़ेद को लेकर संदीप सिंह ने कहा, ₹इस फिल्म को बनाने का मेरा मकसद उन लोगों की आवाज़ देना है जो विविध पृष्ठभूमियों से आते हैं और जाने-अनजाने में समाज उन्हें हाथिये पर फेंक देता है। प्यार एक ऐसा भाव है जो

आपको संपूर्ण और हर किसी के बराबर होने का एहसास कराता है। प्यार आपके हर दोष को छुपा देता है और आपको संपूर्णता का आभास कराता है। आप जैसे हैं, खुद को वैसा ही स्वीकार कर लेने में किसी तरह के शर्म की बात नहीं है।"

फिल्म 'सफेद' में ट्रांसजेंडर किरदार निभा रहे अभिनेता अभय वर्मा कहते हैं, ₹एक चॉकलेट बॉय की इमेज के साथ मैंने एक मॉडल और एक्टर के तौर पर कई विज्ञापनों और कई वेब शोज में काम किया है। अपनी पहली ही फिल्म में ट्रांसजेंडर 'चांदी' का रोल निभाने को लेकर मेरे मन में एक किस्म की झिझक थी लेकिन संदीप ने पूरे आत्मविश्वास के साथ इस रोल को निभाने का हौसला दिया। जिस गहराई के साथ इस किरदार को लिखा और पेश किया गया है, उसने मुझे भीतर तक झकझोर कर रख दिया था।"

वहीं फिल्म में एक विधवा का किरदार निभा रहीं मीरा चोपड़ा कहती हैं, ₹मैं संदीप द्वारा दी गई सक्रिप्ट को पढ़ने के बाद काफ़ी अभिभूत हो गई थी। एक निर्देशक के तौर पर संदीप की पहली फिल्म होने के नाते मैं थोड़ी आशंकित थी, मगर शूटिंग के शुरू होते ही मैं फिल्म को लेकर आश्वस्त हो गई थी। शूटिंग के पहले ही दिन मुझे इस बात का यकीन हो गया था कि मैं सुरक्षित हाथों में हूं। एक विधवा के दर्द और सफर को संदीप ने इस फिल्म में प्रभावी ढंग से पेश किया है।"

फिल्म 'सफेद' में अभय वर्मा और मीरा चोपड़ा लीड भूमिकाओं में हैं जबकि बरखा बिष्ट, ज़मील ख़ान और छाया कदम भी इस फिल्म में अहम रोल में नजर आएंगे। 70 मिनट की इस फिल्म सात गाने हैं जिन्हें सोनू निगम, रेखा भारद्वाज, शिल्पा राव, शैल हाडा, शशि सुमन, जज़ीम शर्मा और सुवर्णा तिवारी ने गाया है।

कटरीना ने मुझे बेहतर इंसान बनाया : विक्की कौशल

हाल ही में विक्की कौशल ने कटरीना कैफ और अपनी लव लाइफ पर बात की। बॉम्बे टाइम्स से बात करते हुए विक्की ने कहा कि वो पहली बार कटरीना से जोया अख्तर की पार्टी में मिले थे। उन्होंने ये भी बताया कि कैसे दोनों के बीच अंडरस्टैंडिंग बढ़ी और उनके रिलेशनशिप की शुरुआत हुई।

विक्की ने बातचीत के दौरान कहा कि कटरीना के आने से उनकी जिंदगी में कई पॉजिटिव बदलाव आए हैं वो एक बेहतर इंसान बन गए हैं। विक्की-कटरीना ने दिसंबर 2021 में राजस्थान में शादी की थी।

बातचीत के दौरान विक्की ने कहा कि किसी के साथ जिंदगी बिताने का मतलब है उनके साथ जिंदगी भर कुछ न कुछ सीखना। उन्होंने कहा कि जब दो लोग प्यार के साथ मिलकर ये सफर तय

करते हैं तो एक-दूसरे से सीखने की ये जर्नी और भी खूबसूरत हो जाती है। विक्की कौशल ने ये भी कहा कि अब तक कटरीना के साथ बिताया गया समय उनके लिए काफी एक्साइटिंग रहा है और कटरीना के होने से उनकी क्वालिटी ऑफ लाइफ भी इम्प्रूव हुई है।

विक्की ने कहा कि किसी के साथ जिंदगी बिताने का मतलब सिर्फ ये नहीं है कि आप जिंदगी देखने के उनके नजरिए, उनकी सोच या उनके रूटीन को समझें, साथ रहने के मायने कहीं ज्यादा हैं। उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें अपने लिए कटरीना से बेहतर पार्टनर नहीं मिल सकता।

विक्की-कटरीना पहली बार जोया अख्तर की पार्टी में मिले थे। इस दौरान कटरीना ने ये स्वीकार किया था कि उनके मन में विक्की कौशल के लिए अट्रैक्शन है। साल 2022 में कॉफी विद करण शो में कटरीना ने कहा था कि विक्की से शादी करना उनकी किस्मत में लिखा था, शायद इसलिए वो पार्टी में उनसे मिलने गई थीं। आखिरी बार विक्की कौशल सारा अली खान के साथ फिल्म जरा हटके जरा बचके में दिखे थे। जल्द ही विक्की कौशल मेघना गुलजार की फिल्म सैम बहादुर में दिखेंगे। इसके अलावा विक्की के पास राजकुमार हिरानी की फिल्म डंकी, आनंद तिवारी की मेरे मेहबूब मेरे सनम और विजय कृष्ण आचार्य की द ग्रेट इंडियन फैमिली में दिखेंगे। वहीं कटरीना कैफ सलमान खान के साथ टाइगर 3 में नजर आएंगी। कटरीना फिल्म मैरी क्रिसमस में भी दिखाई देंगी।

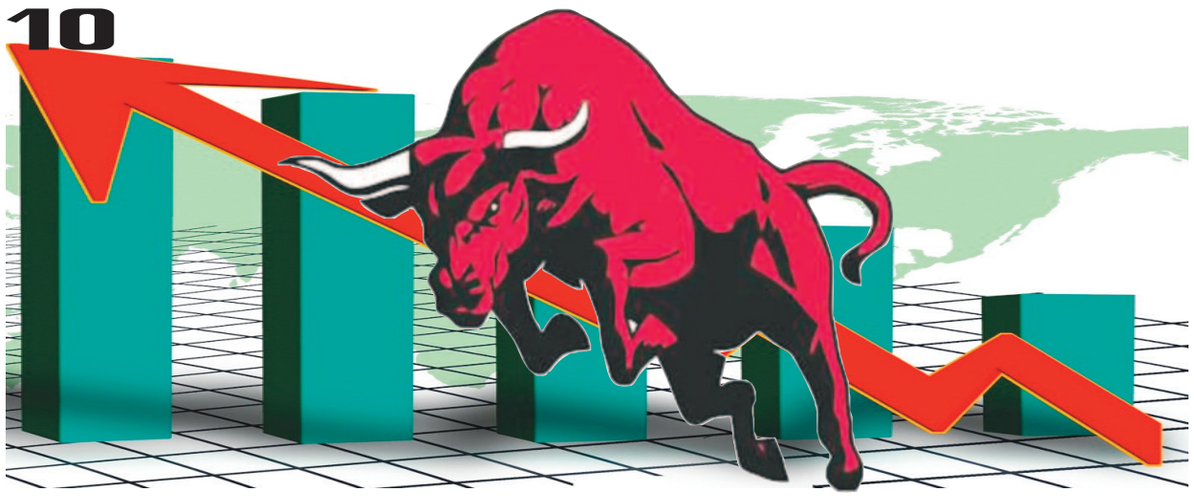

भारत को 2047 तक ऊर्जा के मामले में स्वतंत्र देश बनाने का लक्ष्य, वित्त मंत्री ने किया एलान

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने 2047 तक ऊर्जा के मामले में स्वतंत्र होने का लक्ष्य रखा है। यह बात केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिल्ली में आयोजित 'ग्लोबल केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स मैन्युफैक्चरिंग हब्स इन इंडिया' शिखर सम्मेलन में कही।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार ने आजादी के सौ वर्ष पूरे होने के मौके पर वर्ष 2047 तक ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य रखा है। यह ऊर्जा के मामले में स्वतंत्र बनने जैसा है। वित्त मंत्री ने कहा, ''हमें याद रखना है कि भारत ने 2047 तक ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने और 2070 तक शून्य कॉर्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य तबतक हासिल नहीं हो सकता, जबतक कि सभी उद्योग और सभी क्षेत्र इसमें अपना योगदान नहीं दें।''न्होंने कहा कि भारत की ऊर्जा दक्षता और नवीकरणीय ऊर्जा प्रतिबद्धताएं भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। भारतीय उद्योग जगत को शुद्ध शून्य उत्सर्जन और गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 500 गीगावॉट की स्थापित बिजली क्षमता के लक्ष्य को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने उद्योग जगत से हाइड्रोजन मिशन पर भी ध्यान देने का आग्रह किया। सरकार ने उत्सर्जन में कटौती के लिए हरित हाइड्रोजन के विनिर्माण को प्रोत्साहन देने को 19,744 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है।

वित्त मंत्री बोलीं- रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना पर होगा विचार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सरकार रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का इरादा भारत को इन उत्पादों का विनिर्माण केंद्र बनाने का है। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के कड़े नियमों और श्रम की बढ़ती लागत के मद्देनजर रसायन उद्योग के वैश्विक विनिर्माता अपने उत्पादों और उत्पादन क्षमता में विविधता लाने पर विचार कर रहे हैं और भारत विनिर्माण के लिए एक वैकल्पिक गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

हम हरित वृद्धि पर ध्यान दे रहे, कार्बन गहनता को कम करने की जरूरतः वित्त मंत्री

वित्त मंत्री ने शिखर सम्मेलन के तीसरे संस्करण को संबोधित करते हुए गुरुवार को कहा कि भारत एक बड़ा घरेलू बाजार भी है। उन्होंने कहा, ''हम भारत को विनिर्माण केंद्र बनाना चाहते हैं। इसलिए हम रसायन और पेट्रोरसायन पर पीएलआई योजना लाने पर विचार करेंगे।'' सीतारमण ने इस बात पर जोर दिया कि जिस उद्योग में व्यापक संभावनाएं हैं, उसे स्थिरता, कार्बन उत्सर्जन, सामान्य प्रदूषण और भूजल प्रदूषण को ध्यान में रखकर विनिर्माण क्षमता का निर्माण करना चाहिए। सीतारमण ने कहा, ''हम हरित वृद्धि पर ध्यान दे रहे हैं। कार्बन गहनता को कम करने की जरूरत है। ऐसे में प्रत्येक क्षेत्र को इसमें योगदान देना होगा।''

महंगा तेल बेच बीपीसीएल ने कमाया 10644 करोड़ मुनाफा

पेट्रोल पर 6.5 रुपये और डीजल पर 50 पैसे का फायदा

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सस्ता तेल खरीद कर ग्राहकों को महंगा बेचने से भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) को चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 10,664.30 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले समान अवधि में कंपनी को 6,148 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। हालांकि, मार्च तिमाही की तुलना में कंपनी को 55 फीसदी ज्यादा मुनाफा हुआ है। 2022-23 में इसे सिर्फ 2,892 करोड़ का फायदा हुआ था। कंपनी ने बुधवार को बताया कि पहली तिमाही में उसका राजस्व 7% घटकर 1.28 लाख करोड़ रहा। इस दौरान उसे पेट्रोल पर 6.5 रुपये व डीजल पर 50 पैसे प्रति लीटर का लाभ हुआ है। कुल खर्च 22% घटकर 1.14 लाख करोड़ रुपये रहा।

क्रूड सस्ता फिर भी ग्राहकों को राहत नहीं

पिछले साल अप्रैल से लेकर अब तक बीपीसीएल के साथ इंडियन ऑयल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखा है। उस समय कच्चे तेल की कीमतें 139 डॉलर प्रति बैरल थीं जो अब 75 डॉलर पर आ गई हैं। कच्चे तेल की कीमतों में करीब 45 फीसदी की गिरावट के बाद भी तीनों तेल कंपनियों ने ग्राहकों को कोई राहत नहीं दिया। इससे इनकी कमाई में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है।

एनपीए घटने से बैंकों को भी अधिक लाभ

एनपीए घटने और ब्याज आय बढ़ने से बैंक का चालू वित्त वर्ष की पहली यानी अप्रैल-जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ चार गुना बढ़कर 1,225 करोड़ रुपये पहुंच गया। तीन साल में यह रिकॉर्ड मुनाफा है। एक साल पहले की समान अवधि में बैंक को 308 करोड़ का लाभ हुआ था। ब्याज आय बढ़कर 25,145 करोड़ पहुंच गई। सकल एनपीए घटकर 7.73 फीसदी और शुद्ध एनपीए 1.98 फीसदी रह गया।

फेसबुक की कमाई में जबरदस्त इजाफा दुनियाभर में यूजर्स बढ़े,शेयर में आया बड़ा उछाल

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। फेसबुक की पेरेंट मेटा ने जून को समाप्त हुई इस साल की दूसरी तिमाही (क्यू2) के लिए अपनी वित्तीय परिणाम रिपोर्ट जारी की है। कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, कंपनी की आय में जबरदस्त इजाफा हुआ है। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, इस साल कंपनी की दूसरी वित्तीय तिमाही में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी ने बताया कि जून में फेसबुक के डेली एक्टिव यूजर्स औसतन 2.06 खरब थे, जो पिछले साल के मुकाबले 5 प्रतिशत अधिक है। यानी फेसबुक के साथ यूजर्स बढ़े हैं। इससे कंपनी की कमाई बढ़ी है क्योंकि एडवरटाइजर्स ने फेसबुक के माध्यम से विज्ञापन पर बजट बढ़ाया है। कंपनी की ओर से शानदार रिजल्ट जारी करने के बाद मेटा के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली। शेयर 1.39% उछलकर 298.57 डॉलर के भाव पर बंद हुआ। मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने बुधवार को रिपोर्ट में कहा, हमारी तिमाही अच्छी रही। हम अपने ऐप्स में मजबूत जुड़ाव देख रहे हैं और हमारे पास लामा 2, थ्रेड्स, रील्स, पाइपलाइन में नए एआई उत्पादों और क्वेस्ट के लॉन्च के साथ सबसे रोमांचक रोडमैप है, जो मैंने कुछ समय में देखा है। मेटा को उम्मीद है कि तीसरी तिमाही 2023 का कुल राजस्व 32-34.5 बिलियन डॉलर के बीच रहेगा। इसके अलावा, मेटा ने कहा कि उसे अगले साल बुनियादी ढांचे से जुड़ी लागत बढ़ने की उम्मीद है।मेटा के पास 30 जून तक कर्मचारियों की संख्या 71,469 थी, जो पिछले साल के मुकाबले 14% कम है। कंपनी ने दावा किया, 2022 की शुरुआत में, हमने अधिक दक्षता हासिल करने और अपने व्यवसाय और रणनीतिक प्राथमिकताओं को फिर से व्यवस्थित करने के लिए कई उपाय शुरू किए। 30 जून तक, हमने सुविधाओं के समेकन और डेटा सेंटर पुनर्गठन पहल का आकलन जारी रखते हुए नियोजित कर्मचारी छंटनी को काफी हद तक पूरा कर लिया है। यह भी अनुमान है कि पूरे वर्ष 2023 में कुल खर्च 88-91 बिलियन डॉलर की सीमा में होगा, जो कि 86-90 बिलियन डॉलर की पिछली सीमा से अधिक है। इस दृष्टिकोण में सुविधाओं के समेकन शुल्क और विच्छेद और अन्य कर्मियों की लागत से संबंधित लगभग 4 बिलियन डॉलर की पुनर्गठन लागत शामिल है। इसमें कहा गया, 30 जून, 2023 तक दीर्घकालिक ऋण 18.38 बिलियन डॉलर था।

चांदी की चमक खूब बढ़ी और महंगी हो गई ये कीमती मेटल, चेक करें लेटेस्ट रेट्स

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में आज तेजी देखी जा रही है और चांदी की चमक तो बेतहाशा बढ़ गई है। चांदी के लिए आज अच्छी बढ़त का दिन है और इसके दाम मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 500 रुपये तो अभी तक ही चढ़ चुके हैं। सोना हालांकि हल्की तेजी दिखा रहा है पर चांदी की चाल काफी तेज है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर जानें सोने के दाम

सोना एमसीएक्स पर आज 96 रुपये या 0.16 फीसदी चढ़कर 59557 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रहा है। इसके नीचे में दाम 59510 रुपये और ऊपर में दाम 59615 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गए थे। सोने के ये दाम इसके अगस्त वायदा के लिए हैं।

चांदी की कैसी है चमक

एसीएक्स पर चांदी के दाम पूरे

500 रुपये बढ़ चुके हैं और ये 0.66 फीसदी की बढ़त के साथ 75824 रुपये प्रति किलो पर आ चुके हैं। चांदी के दाम नीचे में 75777 रुपये और ऊपर में 75993 रुपये प्रति किलो तक जा चुके हैं। चांदी के ये दाम इसके सितंबर वायदा के लिए हैं।

आपके शहर में जानें चांदी के क्या हैं दाम

दिल्लीः चांदी 1000 रुपये की बढ़त के साथ 78400 रुपये प्रति किलो के रेट पर है

मुंबईः चांदी 1000 रुपये की बढ़त के साथ 78400 रुपये प्रति किलो के रेट पर है

कोलकाताः चांदी1000 रुपये की बढ़त के साथ 78400 रुपये प्रति किलो के रेट पर है चेन्नईः चांदी 1100 रुपये की बढ़त के साथ 81500 रुपये प्रति किलो के रेट पर है

देश के अन्य शहरों में कैसे हैं चांदी के दाम

अहमदाबादः चांदी 1000 रुपये की बढ़त के साथ 78400 रुपये प्रति किलो के रेट पर है बंग्लुरूः चांदी बिना किसी बदलाव के 76500 रुपये प्रति किलो के रेट पर है।

हैदराबादः चांदी 1100 रुपये की बढ़त के साथ 81500 रुपये प्रति किलो के रेट पर है

जयपुरः चांदी 1100 रुपये की बढ़त के साथ 78500 रुपये प्रति किलो के रेट पर है

पटनाः चांदी 1000 रुपये की बढ़त के साथ 78400 रुपये प्रति किलो के रेट पर है।

इन लोगों से परेशान है रेलवे! करा दिया 55.60 लाख का नुकसान, अश्विनी वैष्णव ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन कई राज्यों में चला रहा है। ऐसे में कई जगहों से पथराव जैसी घटनाएं सामने आई हैं। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को संसद में जानकारी दी कि 2019 के बाद से वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव के कारण रेलवे को 55 लाख रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। रेलमंत्री ने ये जानकारी लोकसभा में एक सवाल के जवाब के दौरान कही। लोकसभा में जवाब देते हुए रेलमंत्री ने कहा कि पथराव में शामिल 151 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि किसी भी यात्री के जान जाने या किसी यात्री के सामान की चोरी या किसी तरह के नुकसान की कोई घटना सामने नहीं आई है। उन्होंने बताया कि साल 2019, 2020, 2021, 2022 और 2023 (जून तक) के दौरान, पथराव की घटनाओं में वंदे भारत ट्रेनों को हुए नुकसान के कारण भारतीय रेलवे को 55.60 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

जागरूक करने के लिए योजना चला रहा रेलवे

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि लोगों को यात्रियों की सुरक्षा और बर्बरता के खिलाफ जागरूक करने के लिए अभियान की शुरुआत की गई है। इसके तहत ऑपरेशन साथी चलाया जा रहा है। रेलवे पटरियों से सटे आबादी वाले इलाकों में ये योजना चलाई जा रही है, जिसमें आरपीएफ, जीआरपी और जिला पुलिस, नागरिक प्रशासन जिम्मेदारी संभाल रहा है।

घटनाओं को रोकने के लिए उचित कार्रवाई

रेलमंत्री ने कहा कि चलती ट्रेनों पर पथराव की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में विस्तार से दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। इन घटनाओं का विश्लेषण करने के बाद इन घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कार्रवाई की जा रही है। वहीं शरारती तत्वों के खिलाफ नियमित अभियान चलाया जा रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	में	मेष--	23-13 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	में	वृष--	00-57 बजे
मंगल	सिंह	में	मिथुन..	02-59 बजे
बुध-	सिंह	में	कर्क...	04-10 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	07-23 बजे
शुक्र-	सिंह	में	कन्या..	09-29 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	11-34 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	13-44 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	15-58 बजे
			मकर..	18-05 बजे
			कुंभ...	19-55 बजे
			मीन ..	21-33 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 05-57 सूर्य अस्त- 18-47
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल --पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी - 14 -51 तक उपरान्त एकादशी
मास - अ.श्रावण शुक्ल पक्ष , शुक्रवार 28July
नक्षत्र - अनुराधा - 00-55 तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - शुक्ल - 11 - 55 - तक उप ब्रह्म
करण- गर - 14 -51 - तक उप- वणिज
विशेषः- सर्वार्थ सिद्ध योग
व्रत -त्योहार -

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:46 से 12:23 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	05:57 - 07:32 शुभ	रोग.	18:47 - 20:13 अशुभ
लाभ	07:32 - 09:09 शुभ	काल.	20:13 - 21:36 अशुभ
अमृत	09:09 - 10:46 शुभ	लाभ	21:36 - 22:59 शुभ
काल	10:46 - 12:23 अशुभ	उत्पात	22:59 - 00:23 अशुभ
शुभ.	12:23 - 13:59 शुभ	शुभ	00:23 - 01:46 शुभ
रोग	13:59 - 15:36 अशुभ	अमृत.	01:46 - 03:09 शुभ
उत्पात	15:36 - 17:13 अशुभ	चंचल.	03:09 - 04:32 शुभ
चंचल	17:13 - 18:47 शुभ	रोग.	04:32 - 05:57 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

अपने कार्यालय से जल्दी निकलने का प्रयास करें और वे काम करें जिनमें आपको वास्तव में आनंद आता है। जीवन में कठिन समय के दौरान पैसा आपको बचाए रखने में मदद करेगा। इसलिए आज से ही अपने पैसे को निवेश और बचाने पर विचार करें, नहीं तो परेशानी हो सकती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

विवाद से बचें क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। शादीशुदा जोड़ों को आज अपने बच्चों की शिक्षा पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपको ऐसी परियोजनाएं चुननी चाहिए जो पूरे परिवार के लिए समृद्धि लाएं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

हालाँकि धन की स्थिति और वित्तीय समस्याएँ तनाव का एक स्रोत हैं। अगर आप भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहते हैं तो आपको आज से ही पैसे बचाना शुरू कर देना होगा। पिता का कठोर व्यवहार आपको परेशान कर सकता है। लेकिन चीज़ों को नियंत्रण में रखने के लिए आपको अपना संयम बनाए रखने की ज़रूरत है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज अपनी सेहत को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपका मनोबल और उत्साह बढ़ाएंगे। आज आपका आर्थिक जीवन समृद्ध होगा। साथ ही आप अपने कर्ज या चल रहे कर्ज से भी छुटकारा पा सकते हैं। अनावश्यक वाद-विवाद परिवार में तनाव पैदा कर सकता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आत्म-सुधार की परियोजनाएँ एक से अधिक तरीक़ों से फ़ायदा पहुँचाएँगी- आप अपने बारे में बेहतर और आश्वस्त महसूस करेंगे। व्यापार में मुनाफ़ा आज कई व्यापारियों और व्यवसायियों के चेहरे पर ख़ुशी ला सकता है। सामाजिक समारोहों में शामिल होने के मौके मिल सकते हैं।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपना आहार बदलें। आपके माता-पिता आपसे किसी महत्वपूर्ण चीज़ के लिए भुगतान करने के लिए कह सकते हैं, लेकिन इससे आपकी वित्तीय स्थिति खराब होने की संभावना है। बच्चे आपकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरकर निराश हो सकते हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपका भरपूर आत्मविश्वास और आसान कार्यसूची आज आपको आराम करने के लिए पर्याप्त समय देगी। जिन लोगों को अभी तक वेतन नहीं मिला है वे पैसों के मामले में परेशान हो सकते हैं और अपने किसी मित्र से उधार मांग सकते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

अपना संतुलन बनाए रखें क्योंकि आपको कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, अन्यथा यह आपको किसी गंभीर संकट में डाल सकता है। ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें, जो एक छोटे से पागलपन के अलावा और कुछ नहीं है। धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

दूसरों की आलोचना करने में अपना समय बर्बाद न करें क्योंकि इसका असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारियों को आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे आर्थिक मदद मांगते हैं और बाद में लौटाते नहीं हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

स्वास्थ्य के कारण दिन की गतिविधियों में बाधा आने की संभावना है। निवेश करने और सट्टेबाजी के लिए अच्छा दिन नहीं है। ऑफिस का तनाव घर पर न लाएं। यह आपकी पारिवारिक खुशियों को ख़राब कर सकता है। बेहतर होगा कि ऑफिस में ही समस्या से निपटें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आराम करने के लिए कुछ समय करीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। सावधान रहें कि संदिग्ध वित्तीय सौदों में न फंसें। परिवार के सदस्यों के साथ शांतिपूर्ण और शांत दिन का आनंद लें- अगर लोग आपके पास समस्याएं लेकर आते हैं- तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

स्वास्थ्य को निश्चित रूप से देखभाल की आवश्यकता है। आपका पैसा कहां खर्च हो रहा है इस पर आपको नजर रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपनी पत्नी की उपलब्धि की सराहना करें और उसकी सफलता और सौभाग्य पर खुशी मनाएँ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

आसमान छूती महंगाई के चलते अमेरिका के फेड रिजर्व ने महंगा किया कर्ज

10 अगस्त 2023 को क्या करेगी आरबीआई?

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व ने बुधवार को एक बार फिर कर्ज महंगा कर दिया। फेड रिजर्व ने ब्याज दरों में एक चौथाई फीसदी की बढ़ोतरी कर ब्याज दरों को 5.25 से लेकर 5.50 फीसदी के रेंज में ला दिया जो 22 वर्ष का उच्च स्तर है। फेड रिजर्व ने अमेरिका में कमरतोड़ महंगाई के चलते कर्ज महंगा किया है। उसका लक्ष्य महंगाई दर को 2 फीसदी तक लाना है। पर सवाल उठता है कि फेड रिजर्व के इस फैसले का भारत पर क्या असर होगा। भारत की सेंट्रल बैंक आरबीआई की भी मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक 8 से 10 अगस्त 2023 तक होने वाली है।

खाद्य महंगाई ने बढ़ाई आरबीआई की मुश्किल

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास जुलाई महीने के लिए खुदरा महंगाई दर के आंकड़े घोषित होने से पहले ही मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा करेंगे। पर आरबीआई की एमपीसी की बैठक तब हो रही जब देश में खाद्य महंगाई में जोरदार उछाल देखा जा रहा है। टमाटर अदरक समेत साग-सब्जियों की कीमतें लोगों की जेब पर डाका डाल रही है। चावल-दाल और गेहूं की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है। यही वजह है कि जून महीने में खुदरा महंगाई दर 4.81 फीसदी पर आ गई जो मई में 4.25 फीसदी रही थी। खाद्य महंगाई में इजाफा होने के चलते खुदरा महंगाई बढ़ी है।

अप्रैल-जून में पॉलिसी रेट्स को किया होल्ड

ऐसे में सवाल उठता है कि आरबीआई ब्याज दरों को लेकर क्या निर्णय लेती है? इससे पहले अप्रैल और जून महीने में आरबीआई ने एमपीसी बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं

किया था। लेकिन आरबीआई गवर्नर ने साफतौर पर कहा था कि महंगाई के खिलाफ युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। और उनका ये कथन सच साबित हो रहा है। खाद्य महंगाई आरबीआई की मुसीबत को बढ़ाने जा रहा है। इसके बावजूद जानकारों का मानना है कि आरबीआई अपने एमपीसी बैठक में पॉलिसी रेट्स में कोई बदलाव नहीं करेगा।

आरबीआई होल्ड करेगा पॉलिसी रेट्स!

एसबीआई की पूर्व चीफ इकोनॉमिस्ट वृंदा जागीरदार के मुताबिक, देश में भारी बारिश से खरीफ फसल को नुकसान हुआ है। दाल का उत्पादन 15 फीसदी तक कम रहने का अनुमान है। हमारे यहां महंगाई दर 5 फीसदी के आसपास है, केवल खाद्य महंगाई को लेकर थोड़ी चिंता बनी हुई है। पर आरबीआई मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक में पॉलिसी रेट्स में कोई बदलाव नहीं करेगा और फिलहाल ब्याज दरों को कम करने का तो सवाल ही नहीं उठता है। फेड रिजर्व के कर्ज महंगा करने पर उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोप में अभी भी महंगाई बहुत ज्यादा है। और ये कम होने वाले नाम नहीं ले रही है। वैश्विक अनिश्चितता बनी हुई है। खाद्य महंगाई बहुत ज्यादा है। भारत ने चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगा दिया है इससे भी महंगाई बढ़ेगी। इसी के चलते फेड रिजर्व ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। पर भारत का मामला इससे अलग है। लेकिन हमें सतर्क रहने की जरूरत है।

हरे निशान में खुलने के बाद दिन के हाई से 900 अंकों तक गिरा सेंसेक्स

निचले लेवल से रिकवरी के बाद भी गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। गुरुवार के कारोबारी सत्र में फिर शेयर बाजार के निवेशकों को मायूसी का सामना करना पड़ा. बाजार मुनाफावसूली के चलते गिरावट के साथ बंद हुआ है. बैंकिंग, एफएमसीजी स्टॉक्स में बिकवाली देखी गई जिसके चलते आज बाजार बंद होने पर सेंसेक्स 440 अंकों की गिरावट के साथ 66,266 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 118 अंकों की गिरावट के साथ 19,699 अंकों पर क्लोज हुआ है. एक समय अपने हाई से सेंसेक्स 920 और निफ्टी 264 अंक नीचे जा फिसला था। लेकिन निचले लेवल से बाजार में रिकवरी देखी गई. आज के ट्रेड में बैंकिंग, ऑटो, आईटी, एफएमसीजी, मेटल्स, एनर्जी, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर गिरकर बंद हुए. जबकि फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स में खरीदारी देखी गई. निफ्टी फार्मा में 440 अंक या 3.04 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। निफ्टी फार्मा से सभी 10 शेयर्स तेजी के साथ बंद हुए. मिड कैप और स्मॉल कैप इंडेक्स भी तेजी के साथ बंद हुए. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 9 स्टॉक्स तेजी के साथ और 21 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 17 शेयर तेजी के साथ और 33 गिरकर बंद हुए। आज के ट्रेड में सम फार्मा 2.10 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.83 फीसदी, बारती एयरटेल 0.69 फीसदी, लार्सन 0.62 फीसदी, इंफोसिस 0.30 फीसदी, टीसीएस 0.27 फीसदी की तेदी के साथ बंद हुआ है। जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा 6.39 फीसदी, टेक महिंद्रा 3.82 फीसदी, नेस्ले 2.08 फीसदी, बजाज फाइनैंस 1.98 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। शेयर बाजार में गिरावट के चलते निवेशकों की संपत्ति में भई गिरावट आई है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 303.59 लाख करोड़ रुपये पर आ गया जो बुधवार को 303.92 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के सेशन में निवेशकों की संपत्ति में 33000 करोड़ रुपये की कमी आई है।

अब तक नहीं मिला रिफंड का पैसा? कहीं आपसे भी तो नहीं हुई ये गलती

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। असेसमेंट ईयर 2023-24 यानी वित्त वर्ष 2022-23 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने की डेडलाइन में अब बस चार दिन बचे हुए हैं। रिटर्न भरने की डेडलाइन 31 जुलाई 2023 है। इस बीच इनकम टैक्स डिपार्टमेंट फाइल किए गए रिटर्न की तेजी से प्रोसेसिंग कर रहा है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पोर्टल पर अब तक 11.44 करोड़ इंडिविजुअल टैक्सपेयर रजिस्टर हुए हैं। चालू सीजन यानी असेसमेंट ईयर 2023-24 की बात करें तो अब तक करीब 4.75 करोड़ से ज्यादा इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किए जा चुके हैं। इनमें से करीब 4.24 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न वेरिफाई भी किए जा चुके हैं। पोर्टल पर दी गई जानकारी के अनुसार, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने अब तक करीब 2.55 करोड़ वेरिफाइड इनकम टैक्स रिटर्न को प्रोसेस भी कर दिया है। इनमें से अधिकांश पात्र टैक्सपेयर के खाते में रिफंड के पैसे क्रेडिट किए जा चुके हैं। अब इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के बाद उसकी प्रोसेसिंग और रिफंड क्रेडिट होने में बमुश्किल 8-10 दिनों का समय लग रहा है।हालांकि कई सारे लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने रिटर्न तो बहुत पहले फाइल कर दिया, लेकिन उनका रिफंड अब तक नहीं आया है। ऐसे में सबसे पहले तो आपको अपने इनकम टैक्स रिटर्न का स्टेटस चेक करना चाहिए। उससे आपको पता चल जाएगा कि आपका रिफंड क्यों अटका हुआ है।रिफंड अटकने की सबसे बड़ी वजह होती है इनकम टैक्स रिटर्न को फाइल करने के बाद उसे वेरिफाई नहीं करना।

‘फातिमा’ बनी अंजू के पिता का मैसेज-मुझे तुमसे बात करनी है

अंजू के गांव में आक्रोश, ग्रामीण बोले– अब यहां कदम नहीं रखने देंगे

ग्वालियर, 27 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अंजू थॉमस से फातिमा बनी ग्वालियर की महिला के पिता ने बेटी को वॉइस मैसेज भेजा है। उन्होंने कहा- ‘मुझे तुमसे बात करनी है।’ इस मैसेज का उसने जवाब नहीं दिया। अंजू के पाकिस्तान जाकर निकाह करने के बाद गांव में भी आक्रोश है। गांववालों का कहना है कि उसकी इस हरकत से पूरे देश की बदनामी हुई है। अब उसे गांव में नहीं घुसने देंगे। मूलतः मध्यप्रदेश के ग्वालियर की रहने वाली 35 वर्षीय अंजू थॉमस पाकिस्तान में जाकर फातिमा बन गई है। उसने 25 जुलाई को पाकिस्तान के दीरबाला के डिस्ट्रिक कोर्ट में इस्लाम कुबूल कर लिया है। साथ ही, सोशल मीडिया फ्रेंड नसरुल्लाह से निकाह भी कर लिया है। अब अंजू उर्फ फातिमा अपने पाकिस्तानी इश्क नसरुल्लाह के साथ दीरबाला के टूरिस्ट्स प्लेस की सैर कर रही है। इधर, ग्वालियर के टेकनपुर स्थित बौना गांव में अंजू के घर के बाहर लोगों का जमावड़ा रहता है। लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं।

दादा बीएसएफ में थे, चाचा सेना में हैं

गांववालों का कहना है कि अंजू का फातिमा बनना महज इत्तेफाक नहीं है, यह साजिश भी हो सकती है। उसका ताल्लुक कहीं न कहीं ग्वालियर के टेकनपुर से है। उसके दादाजी बीएसएफ में थे। चाचा सेना में हैं। हो सकता है कि उसे पाकिस्तान की एजेंसियों ने नसरुल्लाह के जरिए टारगेट किया हो। वह प्यार नहीं, बल्कि साजिश की शिकार हुई है। यही कारण है कि उसे वीजा दिलवाया गया। पाकिस्तान पहुंचते ही तत्काल धर्म परिवर्तन कराकर निकाह भी करवा दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पिछले दो दिनों से नेशनल न्यूज एजेंसी के नाम पर जांच एजेंसियों के लोग गांव-गांव घूमकर जानकारी जुटा रहे हैं।

ग्वालियर से करीब 30 किलोमीटर दूर टेकनपुर का बौना गांव। गांव के अंदर संकरी गलियों के बीच से निकलकर अंजू का घर पड़ता है। करीब पांच हजार वर्गफीट का घर है। घर के बाहर कुछ लोग जमा हैं। उनमें नाराजगी और गुस्सा है। आपस में बात कर रहे हैं। कहते हैं- अंजू ने पाकिस्तानी नागरिक से निकाह करके अच्छा नहीं किया। इससे गांव की बदनामी हुई है। अगर वह भारत लौट भी आए, तो उसे गांव में कदम भी नहीं रखने दिया जाएगा। उसके लिए अब हमारे गांव के रास्ते हमेशा-हमेशा के लिए बंद हो गए हैं।

दूसरा शख्स कहता है कि यह इत्तेफाक है या कोई साजिश, इसकी भी जांच होनी चाहिए। बताया जाता है कि पिछले दो दिनों से गांव में सुरक्षा एजेंसियां मीडियाकर्मी बनकर लोगों से परिवार और उनके व्यवहार के बारे में पूछताछ कर रही हैं, जबकि अंजू उर्फ फातिमा के पिता गया प्रसाद थॉमस पहले ही कह चुके हैं कि वह सभी तरह की जांच के लिए तैयार हैं।

सरकार से अपील, उसे वहीं मरने दें

अंजू का पिता गया प्रसाद थॉमस कह चुके हैं कि उनका बेटी से कोई वास्ता नहीं है। वह हमारे लिए मर चुकी है। उसने मेरा सिर शर्म से झुका दिया है। बुधवार को गया प्रसाद ने अंजू के मोबाइल नंबर पर कॉल किया। यह कॉल बेटे डेविड थॉमस से लगवाया था।

अंजू ने कॉल तो रिसीव किया, लेकिन पिता से बात नहीं की।

उसने नेटवर्क न आने की बात कहते हुए वॉइस मैसेज करने के लिए कहा। इसके बाद पिता ने वॉइस मैसेज भी करवाया, लेकिन जवाब नहीं मिला। गया प्रसाद ने बताया कि वह सरकार से अपील करेंगे कि अंजू को वहीं रहने दें और मरने दें।

बौना गांव के रहने वाले सतेन्द्र गुर्जर का कहना है कि अंजू ने गलत किया है। इससे देश के साथ गांव की बदनामी हुई है। जब उनसे पूछा गया कि इसमें गलत क्या है? सतेंद्र का कहना था कि दो बच्चे और पति को ऐसे छोड़ पाकिस्तान चले जाना, वहां निकाह करना यह गलत नहीं तो क्या है? इसलिए गांव में अब अंजू के लिए कोई जगह नहीं है। उसे यहां नहीं रहने दिया जाएगा। गांव के सरपंच के भाई रवि गुर्जर का कहना है कि अंजू को गांव में नहीं आने दिया जाएगा। उसके लिए गांव के रास्ते हमेशा के लिए बंद हैं। जब पूछा गया कि अंजू के मां-पिता के लिए भी गांव के रास्ते बंद करेंगे, तो उनका कहना था कि उनकी क्या गलती है? उनको तो पता तक नहीं है।

21 जुलाई को पति, दो बच्चों को छोड़कर राजस्थान के भिवाड़ी से अंजू थॉमस पाकिस्तान के दीरबाला पहुंची थी। हालांकि, उसके पाकिस्तान पहुंचते ही साफ हो गया था कि वह प्रेमी नसरुल्लाह के लिए पाकिस्तान गई है। 30 दिन के वीजा पर गई अंजू ने पहले तो तीन से चार दिन में लौट आने की बात कही थी। नसरुल्लाह और अंजू का दीरबाला के पर्यटन स्थल पर रोमांटिक वीडियो शूट कर ट्वीट किया गया है।

जब अंजू के फातिमा बनने और नसरुल्लाह से निकाह की बात सार्वजनिक हुई, तो उसके पिता गया प्रसाद थॉमस की तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने लगी। उनका बेटा डेविड भिवाड़ी से तत्काल ग्वालियर लेकर पहुंचा था। यहां मीडिया से चर्चा में गया प्रसाद ने कहा है कि मेरा उससे अब कोई वास्ता नहीं है। मेरे लिए बेटी मर गई है। अब मैं क्या कह सकता हूं। जिस लड़की को अपने बच्चों और पति का ख्याल नहीं आया, वो लड़की किसकी हो सकती है। जब उनसे पूछा गया कि वह बेटी के लिए कोई अपील करेंगे, उसे लाने के लिए? उन्होंने कहा कि ना ना ना, मुझे इससे लेनादेना नहीं है और न ही वो यहां आए। उसे वहीं मरने दिया जाए।

अंजू उर्फ फातिमा ने निकाह के हलफनामा में लिखा

‘नाजिमा बेटी जी प्रसाद फ्लैट नंबर 704 टॉवर टेरा एलिगेंस भिवाड़ी, अलवर राजस्थान भारत। मैं शपथपूर्वक घोषणा करती हूं कि मेरा पूर्व नाम अंजू था। मैं ईसाई धर्म से हूं। मैंने स्वयं बिना किसी दबाव या जोर जबरदस्ती के सहर्ष इस्लाम धर्म स्वीकार कर लिया है, जिसमें किसी की ओर से जोर-जबरदस्ती नहीं होती।

इसके लिए मैं अपने देश भारत से यहां पाकिस्तान आई हूं। मन मुखलाफा (प्रार्थी) ने गवाहों के सामने, मुहम्मदन शरिया के अनुसार 10 तोला सोने के समेत दहेज के बदले में स्वेच्छा से सामी नसरुल्लाह से शादी की है। नसरुल्लाह मिन विश्फिया के कानूनी शौहर हैं। मिन मुखलफा ने इच्छा और मंशा के अनुसार उपरोक्त नसरुल्लाह से शादी कर ली है। यह मेरा कथन सत्य व सही है। मैंने इस संबंध में कुछ भी छिपाकर नहीं रखा है।’

ग्वालियर के वकील नितिन कुमार शर्मा ने बताया कि यह शादी नाजायज है। जब तक आप एक शादी से तलाक नहीं लेते, तो आपको दूसरी शादी करने का अधिकार नहीं। अंजू पाकिस्तान पहुंच गई है। नाम बदल लिया है, लेकिन अभी भी वह भारतीय नागरिक है। उस पर भारतीय कानून ही लागू होंगे। इसके साथ ही यदि लड़की के परिवार वाले आईपीसी के सेक्शन 494 की धारा के तहत कार्रवाई की मांग कर सकते हैं।

जन्म से हिंदू थे अंजू के पिता

ग्वालियर के टेकनपुर में बौना गांव के थापा मोहल्ला की रहने वाले गया प्रसाद वैसे तो हिंदू हैं, लेकिन कई साल पहले उन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया था। अब वह गया प्रसाद थॉमस हो गए हैं। अंजू के दादा सीमा सुरक्षा बल में बतौर सूबेदार रिटायर्ड थे। गया प्रसाद के पांच बेटियां और एक बेटा है। सबसे बड़ी बेटी अंजू का जन्म 25 दिसंबर 1988 को ग्वालियर में हुआ था।

सनकी स्वभाव के चलते अंजू उत्तर प्रदेश के जालौन स्थित माधौगढ़ में अपने नाना-नानी के साथ रहती थी। करीब 17 साल पहले अंजू की शादी भिवाड़ी, अलवर राजस्थान निवासी अरविंद कुमार के साथ हुई थी। दोनों के एक 13 साल की बेटी व एक 5 साल का बेटा भी है।

सिंहदेव बोले- अमित शाह बनें पीएम

मणिपुर पर डिप्टी सीएम ने कहा– संभव ही नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी को घटना की जानकारी न रही हो

रायपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर हिंसा मामले में देश का विपक्षी दल कांग्रेस लगातार भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार से जवाब मांग रहा है। प्रधानमंत्री को इस पूरे मुद्दे पर घेरने की कोशिश है। अब इसी सिलसिले में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री ने एक बयान जारी किया है। सिंहदेव ने कहा है कि अब अमित शाह को देश का प्रधानमंत्री बन जाना चाहिए।

मीडिया से चर्चा के दौरान सिंहदेव ने कहा कि अनेकों लोगों की जान जा रही है। कई महिलाओं के साथ क्रूर और अमानवीय व्यवहार किए गए हैं। इन परिस्थितियों में यह संभव नहीं है कि राज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति को ना मालूम हो और रिपोर्ट लगातार ना जाती हो। राष्ट्रपति के माध्यम से प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को जानकारी ना

मिलती हो यह संभव ही नहीं है।

सिंहदेव ने आगे कहा- एफआईआर दर्ज होने के 77 दिन बाद अगर घटना में कार्रवाई शुरू होती हो तो इसकी जवाबदारी किसकी है। गृह मंत्री को भी मालूम होगा, प्रधानमंत्री को भी मालूम होगा। यह देश में अत्यधिक संवेदनशील स्थिति का मामला है। कांग्रेस चाहती है कि प्रधानमंत्री, जैसे पूर्व में भी होता रहा है कि अत्यधिक गंभीर स्थितियां हों तो प्रधानमंत्री देश को विश्वास में लेते हैं। सदन में वक्तव्य देते हैं, चर्चा में भाग लेते हैं, कांग्रेस ने यही कहा है और यही होना चाहिए। यदि प्रधानमंत्री अगर जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते हैं तो अमित शाह जी को प्रधानमंत्री बना दें फिर अमित शाह जवाब देंगे।

पहले खुद बनें मुख्यमंत्री

पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने इसपर सिंहदेव को घेरा है। अजय चंद्राकर ने कहा- टीएस सिंहदेव, आदरणीय मंत्री जी पहले खुद सीएम बन जाएं ये इसके बाद इसपर बात करें। पूर्व में भी चंद्राकर ने मणिपुर मामले में कांग्रेस नेताओं से सोशल मीडिया पर एक सवाल करते हुए कहा था- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी मणिपुर की घटना पर आप संसद नहीं चलने दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ में 5 साल की बच्ची के साथ रेप हुआ है। क्या छत्तीसगढ़ के मंत्रियों का इस्तीफा लेंगे।

छत्तीसगढ़ जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन का फैसला

जगदलपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। जनवरी माह में मेकाज के पीजी, पीजी बोंडेड (एमडी/एमएस) डॉक्टर, पोस्ट एमबीबीएस बॉन्डेड डॉक्टर्स और इंटर्न के द्वारा स्टाइपेंड में बढ़ोतरी को लेकर हड़ताल की थी। जिसके बाद उन्हें आश्वासन मिला था। लेकिन उनकी मांगे पूरी होता ना देख एक बार फिर से डॉक्टरों के द्वारा हड़ताल का एलान किया गया है। जिसमें पहले हफ्ते काली पट्टी बांधकर विरोध करेंगे, उसके बाद भी मांग पूरी नहीं होती है तो 1 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू होगी। इस मामले को लेकर डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी भेजे जाने की बात कही है। मामले के बारे में छत्तीसगढ़ जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के डॉक्टरों ने बताया कि 25 जनवरी 2023 को समस्त चिकित्सा विद्यालय के छात्रों ने पीजी, पीजी बॉन्डेड (एमडी/एमएस) डॉक्टर, पोस्ट एमबीबीएस बॉन्डेड डॉक्टर्स और इंटर्न के स्टाइपेंड में बढ़ोतरी हेतु शांतिपूर्ण आंदोलन किया था। मुख्यमंत्री ने उस समय आश्वासन दिया था कि हमारी मांगों पर एक त्वरित निर्णय लिया जाएगा, लेकिन 6 माह के उपरांत भी स्टाइपेंड में बढ़ोतरी के विषय में शासन की ओर से कोई निर्णय नहीं लिया गया। सरकारी तंत्र की इस अनदेखी ने डॉक्टरों को काफी हतोत्साहित किया है। इसीलिए हम 1 हफ्ते के ब्लैक रिबन के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर अपनी मांगों को फिर से शासन प्रशासन तक लेकर जाने की बात कही है। डॉक्टरों का कहना है कि अगर फिर भी शासन हमारी लंबित मांगों पर कोई निर्णय नहीं लेता है तो डॉक्टर्स एक अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को बाध्य होंगे। हड़ताल के समय मरीजो को होने वाली परेशानियों के लिए स्वयं शासन जिम्मेदार रहेगा, क्योंकि मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद भी शासन ने हमारी मांगों पर कोई निर्णय नहीं लिया है।

माकपा नेता सुभाष मुंडा की गोली मारकर हत्या

कार्यालय में बैठे थे, जांच जारी

रांची, 27 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची में बुधवार शाम अज्ञात बदमाशों ने सीपीआई (एम) नेता सुभाष मुंडा की गोली मारकर हत्या कर दी। अपराधियों ने रांची के दलदली चौक पर शाम 7 से 8 बजे के बीच इस वारदात को अंजाम दिया, जब सीपीआई (एम) नेता सुभाष अपने कार्यालय में थे। रांची (ग्रामीण) के एसपी नौशाद आलम ने बताया कि सुभाष अपने कार्यालय में बैठे थे, जब उन्हें बाइक सवार हमलावरों ने गोली मार दी। पुलिस मौके पर है। मामले की जांच चल रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने इलाके की दुकानों में तोड़फोड़ की और सड़क को जाम कर दिया। आईजी (ऑपरेशंस) अमोल वी होमकर ने मीडिया को बताया कि एक नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस घटना के कारण कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो गई है। अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर भेजा गया है और पुलिस मामले की

जांच कर रही है। घटनास्थल पर पहुंचे रांची के एसएसपी किशोर कौशल ने कहा कि मामले में विशेष जांच दल का गठन किया गया है और हम सभी पहलुओं और सभी स्तरों पर मामले की जांच कर रहे हैं। हम जल्द ही मामले को सुलझा लेंगे। सुभाष मुंडा हटिया सीट से दो बार विधानसभा चुनाव और मांडर निर्वाचन क्षेत्र से उपचुनाव लड़ चुके थे। सीपीआई (एम) के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि मोटरसाइकिल सवार बदमाश वहां आए और उन पर सात गोलियां चलाईं। सीपीआई (एम) नेता की हत्या के विरोध में देर रात तक प्रदर्शन जारी था। विप्लव ने कहा कि मुंडा पार्टी की राज्य समिति के सदस्य थे। वह युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय थे। उन्होंने कहा कि गुरुवार से राज्य कमेटी की बैठक होनी थी और मुंडा को भी इसमें शामिल होना था। विप्लव ने कहा कि हमने लोगों से कानून-व्यवस्था अपने हाथ में नहीं लेने की अपील की है। साथ ही हमने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से दोषियों को पकड़ने के लिए तुरंत विशेष जांच दल गठित करने का आग्रह किया है।

ब्लड चढ़ाते ही छात्रा की मौत

परिजनों ने हंगामा करते हुए कर्मचारियों को पीटा

अंबिकापुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अंबिकापुर के भट्ठीरोड में संचालित निजी अस्पताल में ब्लड चढ़ाने के बाद एक छात्रा की मौत हो गई। छात्रा की मौत से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में हंगामा करते हुए कर्मचारियों की पिटाई कर दी। मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंची पुलिस अस्पताल के अधिकारयों को थाने ले गई है। मामले में अब तक अस्पताल प्रबंधन का बयान सामने नहीं आया है।

जानकारी के अनुसार, बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर निवासी दिया कश्यप (17) हायर सेकेंडरी स्कूल वाड्रफनगर की छात्रा थी। दो दिनों पहले स्कूल में उसे चक्कर आ गया था। परिजनों ने डॉक्टरों को दिखाया। वह बुखार से पीड़ित थी। उसका ब्लड टेस्ट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वाड्रफनगर में कराया गया तो छात्रा का एचबी 4.5 के आसपास मिला। चिकित्सकों ने उसे ब्लड चढ़ाने एवं खून की कमी के कारणों की जांच के लिए अंबिकापुर में एक बार जांच कराने की सलाह दी थी।

परिजन दिया कश्यप को लेकर अंबिकापुर पहुंचे और एकता अस्पताल में दाखिल कराया। वे अपने साथ समान ब्लड ग्रुप का डोनर भी लेकर आए थे। गुरूवार सुबह इलाज के दौरान चिकित्सक द्वारा तत्काल ब्डल चढ़ाने की सलाह देने पर डोनर का ब्लड निकलवाया गया। डोनर से ब्लड निकालने के बाद छात्रा को ब्लड चढ़ाया गया तो छात्रा की हालत बिगड़ गई और थोड़ी देर में उसने दम तोड़ दिया।

परिजनों को जैसे ही छात्रा की मौत की जानकारी मिली तो वे हैरान रह गए। आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल के कर्मचारियों की पिटाई कर दी और अस्पताल प्रबंधन एवं चिकित्सकों से भी उनका विवाद हुआ। परिजनों ने चिकित्सक को भी मारने की कोशिश की। सूचना पर कोतवाली थाने से पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों को समझाने के बाद अस्पताल के अधिकारियों व चिकित्सकों को लेकर पुलिस कोतवाली थाने पहुंची। परिजनों ने आरोप लगाया है कि डोनर का ब्लड न चढ़ाकर अस्पताल प्रबंधन ने दूसरे का ब्लड या गलत ब्लड चढ़ा दिया, जिससे छात्रा की मौत हो गई। छात्रा दिया कश्यप को बचपन से नाना एनएन कश्यप ने गोद ले लिया था और वह नाना के घर ही रहती थी। एनएन कश्यप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वाड्रफनगर में ड्रेसर के पद पर तैनात हैं। छात्रा की मौत की खबर से परिजनों एवं स्कूल में शोक है। परिजन इस अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही बता रहे हैं और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, मामले में अब तक अस्पताल प्रबंधन का बयान सामने नहीं आया है।

दलित महिला को निर्वस्त्र कर पेड़ में बांधकर पीटा, रात भर पेड़ से बंधी रही महिला

गिरिडीह, 27 जुलाई (एजेंसियां)। दलित महिला को निर्वस्त्र कर पीटा गया। उसे पेड़ से बांधकर मारा गया। राज्य में जब कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा है तो गिरिडीह की इस घटना ने राज्य में कानून व्यवस्था पर और मजबूती से सवाल खड़े किए हैं। लोगों ने एक महिला को घर से ले जाया गया और उसके साथ मारपीट की गयी। उसके कपड़े उतरवा कर उसे निर्वस्त्र कर दिया गया। मामला जब पुलिस की संज्ञान में आया तो इसकी जांच शुरू की गयी। दो लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। घायल महिला का इलाज सरिया के देवकी अस्पताल में किया जा रहा है । पीड़ित महिला ने घटना के संबंध में बताया कि बुधवार की रात अचानक कोवाडिया टोला के कुछ लोग घर पहुंचे। जबरन उसका मुंह बांध कर घर से लगभग 500 मीटर दूर जंगल की ओर ले जाकर एक पेड़ में बांध कर मारने लगे।

प्रॉपर्टी डीलर को पकड़कर लोगों ने जमकर पीटा

जमीन, मकान देने के नाम पर 60 लोगों से वसूले करोड़ों, एग्रीमेंट कर नहीं कराते थे रजिस्ट्री

बिलासपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बिलासपुर में पुलिस ने सस्ती जमीन और मकान देने के नाम पर 60 लोगों से करोड़ों रुपए वसूली करने वाले जायसवाल बंधुओं को गिरफ्तार किया है। एग्रीमेंट कर टोकल मनी लेकर आरोपी रजिस्ट्री नहीं कराते थे। परेशान लोगों ने उन्हें पकड़कर पहले जमकर पिटाई की, फिर उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया।

शहर के अलग-अलग जगहों पर सस्ती कीमत में जमीन और मकान के साथ ही कमर्शियल प्लॉट बेचने का झांसा देकर चांटीडीह के रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर संतोष जायसवाल, संदीप जायसवाल और सचिन जायसवाल ने पम्पलेट छपवा लिया। फिर अलग-अलग जगहों पर ऑफिस खोलकर लोगों से बतौर एडवांस और टोकन मनी के नाम पर 20 हजार रुपए से लेकर डेढ़ से तीन लाख रुपए तक वसूले। एग्रीमेंट कर उन्हें जमीन की रजिस्ट्री कराने का झांसा दिया। दलालों ने बीते 19 जुलाई को कई लोगों को जमीन की रजिस्ट्री कराने का दावा किया था और उन्हें रजिस्ट्री ऑफिस बुलाया था। लेकिन, जब लोग वहां पहुंचे तो तीनों भाई मोबाइल बंद कर गायब हो गए।

कलेक्ट्रेट में मिले तो जमकर की पिटाई, फिर पुलिस को सौंपा

सोमवार को ठगी के शिकार लोगों ने संतोष और उसके भाई संदीप को कलेक्ट्रेट के सामने पकड़ लिया। इस दौरान लोगों ने उनकी जमकर पिटाई की, फिर उन्हें पुलिस को सौंप दिया। पुलिस उन्हें बचाकर थाने ले आई। इसकी जानकारी मिलते ही उसके चंगुल में फंसे लोग सरकंडा थाना पहुंचे। उन्होंने तीनों भाइयों और उसके साथियों के खिलाफ धोखाधड़ी करने की शिकायत की। जिसके बाद पुलिस ने उनके ऑफिस में छापेमारी की।

ऑफिस में मिला फाइल और पम्पलेट का जखीरा

टीआई जेपी गुप्ता ने बताया कि लोगों की शिकायत पर जब पुलिस ने आरोपियों के ऑफिस में छापेमारी की, तब बड़ी मात्रा में जमीन के दस्तावेज, एग्रीमेंट और पम्पेट्स मिले। उन्होंने बताया कि प्रॉपर्टी डीलर ने लोगों को लुभाने के लिए अलग तरह का तरीका अपनाया था। अलग-अलग जगह बड़े ऑफिस खोल लिए थे, जहां कई स्टाफ रखे थे। यहां से ये लोग सस्ते में जमीन-मकान दिलाने का पंपलेट छपवाकर शहर और आसपास के क्षेत्रों में बंटवाते और इसी को दिखाकर लोगों को चंगुल में फंसाते थे।

पुलिस की जांच और पूछताछ में पता चला कि प्रॉपर्टी डीलर तीनों भाई और उसके साथियों ने जमीन और मकान बेचने के बहाने ठगी की दुकान खोल ली थी। उन्होंने किसानों की जमीन को खरीदने का दावा कर लोगों को दिखाकर किसानों के नाम से ही एग्रीमेंट करते थे। इस बहाने लोगों से टोकन मनी और एडवांस लेकर जमीन की रजिस्ट्री कराने का झांसा देते थे। अब तक 60 से अधिक लोगों ने पैसे वसूली करने की शिकायत की है। पुलिस ने संतोष जायसवाल (25), संदीप जायसवाल (22) को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं सचिन जायसवाल सहित अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पहले भी जेल जा चुके हैं आरोपी

आरोपियों के खिलाफ पहले भी धोखाधड़ी और अन्य आपराधिक केस दर्ज है। जिसमें पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जेल से बाहर आने के बाद आरोपियों ने जमीन बेचने का झांसा देकर लोगों से धोखाधड़ी करना शुरू कर दिया।

निगम-मंडल की नूरा-कुश्ती, एक का आदेश वापस

सन्नी बने रहेंगे कर्मकार मंडल के अध्यक्ष, नियुक्ति खत्म करने का आदेश रद्द

रायपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसढ़ में निगम मंडल के अध्यक्षों और सदस्यों के कार्यकाल को लेकर उठापटक मची हुई है। उहापोह का दौर लगातार जारी है। इस बीच एक मंडल के अध्यक्ष और उनके सदस्यों की नियुक्ति बच गई है। कर्मकार मंडल के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति समाप्त किए जाने के आदेश को रद्द कर दिया गया है। इस समय कर्मकार मंडल के अध्यक्ष सन्नी अग्रवाल हैं। इस आदेश के मुताबिक इससे पहले के आदेश में उनके और सदस्यों की नियुक्ति समाप्त कर दी गई थी। लेकिन नया आदेश निकालकर पुराने आदेश को निरस्त कर दिया गया है। निगम आयोगों के अध्यक्षों को दोबारा रिपीट नहीं करने की चर्चा है। पिछले दिनों कांग्रेस भवन में कुमारी सेलजा पदाधिकारियों की बैठक ले रही थीं, तब ऐसे पदाधिकारी पहुंच रहे हैं, जो निगम-मंडल में अध्यक्ष के पद पर हैं। वे उनसे रिन्यूअल की गुहार लगा रहे थे ,लेकिन अंदरखाने से खबर है कि कुमारी सेलजा ने स्पष्ट कर दिया था कि नए लोगों को मौका मिलेगा। चुनाव के लिए अब तीन चार महीने का समय ही बच गया है। ऐसे में अब टिकट की दावेदारी करने वाले बहुत से पदाधिकारियों ने बड़े नेताओं के ईर्द-गिर्द चक्कर काटना शुरू कर दिया है। इनमें वर्तमान विधायक और निगम मंडल के अध्यक्ष भी शामिल हैं। कई बोर्ड, निगम, आयोग के अध्यक्ष चाहते हैं कि उनका एक्सटेंशन किया जाए। ये फरियाद लेकर वे कुमारी सेलजा से मिलने भी पहुंचे। लेकिन अंदरखाने से खबर है कि उन लोगों को उन्होंने दो टूक कह दिया है- आपको मौका मिल चुका, बचे समय में दूसरों को मौका मिलेगा।

कौन होगा झारखंड में भाजपा विधायक दल का नेता?

जेपी पटेल का नाम लगभग तय बस ऐलान बाकी? ओबीसी वोटबैंक पर भाजपा की नजर

रांची, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी में भाजपा विधायक दल का नेता कौन होगा? भाजपा सूत्रों की माने तो बैठक से पहले मांडू विधायक जय प्रकाश भाई पटेल का नाम लगभग तय है, बस ऐलान बाकी है। आज शाम सात बजे होने वाली बैठक के बाद इसका खुलासा हो जायेगा लेकिन कई नाम हवा में हैं। भाजपा सूत्रों की माने तो नाम लगभग तय है। मांडू से विधायक जेपी भाई पटेल के नाम की चर्चा सबसे आगे हैं। इन नामों के साथ-साथ जिन नामों की चर्चा है उनमें सीपी सिंह, अनंत ओझा और बिरंची नारायण का नाम भी शामिल है। पार्टी रणनीतिक तौर पर किसी ओबीसी नेता को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंपना चाहती है। जेपी पटेल ओबीसी समुदाय से आते हैं और जेपी पटेल कई दिनों से दिल्ली में कैंप कर रहे थे। उन्होंने प्रेदश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी से भी मुलाकात की और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मिले। हमने फोन पर सीपी सिंह, अनंत ओझा और जेपी पटेल से संपर्क किया। सभी विधायकों ने एक जैसी बात कही। विधायकों ने कहा कि पार्टी हमारे लिए जो जिम्मेदारी तय करेगी हम उसे निभायेंगे। हमें अभी इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। बैठक के बाद ही तय होगा कि भाजपा के विधायक दल का नेता कौन होगा।

विधायक दल की बैठक में प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी भी मौजूद रहेंगे। साथ ही केंद्रीय पर्यवेक्षक अश्विनी चौबे भी इसमें शामिल होंगे।

किम जोंग से मिले रूसी रक्षा मंत्री

पुतिन का खत सौंपा, नॉर्थ कोरिया के हथियार-मिसाइलें देखीं, कहा- ये दुनिया की सबसे ताकतवर सेना

प्योंगयांग, 27 जुलाई (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग ने गुरुवार को रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोउगू से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच सैन्य मसलों और सुरक्षा को लेकर चर्चा हुई। नॉर्थ कोरिया के सरकारी मीडिया केसीएनए ने बताया कि किम ने रूसी रक्षा मंत्री को विक्ट्री डे पर बतौर मेहमान आमंत्रित किया है। दरअसल, कोरियन वॉर एनिवर्सरी को नॉर्थ कोरिया में विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

चीन का भी एक डेलिगेशन इस मौके पर उत्तर कोरिया पहुंचा है। नॉर्थ कोरिया में गुरुवार को डिफेंस ऐग्जिबिशन हुई, जिसमें उन बैलिस्टिक मिसाइलों को भी शामिल किया गया, जिसकी टेस्टिंग को लेकर नॉर्थ कोरिया पर बैन लगा हुआ है। इसके बाद रक्षा मंत्री शोउगू ने भी स्पीच दी। उन्होंने कहा कि नॉर्थ कोरिया की आर्मी दुनिया की सबसे ताकतवर आर्मी बन गई है।

सोवियत संघ टूटने के बाद पहली बार नॉर्थ कोरिया पहुंचे रूसी रक्षा मंत्री

ये पहला मौका है, जब सोवियत यूनियन के टूटने के बाद कोई रूसी रक्षा मंत्री नॉर्थ कोरिया पहुंचा है। नॉर्थ कोरिया में कोरोना पाबंदियां हटने के बाद ये पहला मौका, जब कोई विदेशी डेलिगेशन प्योंगयांग पहुंचा। केसीएनए के मुताबिक, शोउगू ने किम जोंग को राष्ट्रपति पुतिन का एक लेटर भी सौंपा। इसके बाद किम ने मिलिट्री डेलिगेशन भेजने के लिए पुतिन को धन्यवाद दिया।

तानाशाह ने कहा- इस यात्रा के साथ दोनों देशों के बीच सैन्य और परंपरागत रिश्ते बेहतर हुए हैं। क्षेत्रीय सुरक्षा, आपसी हितों और वैश्विक शांति पर मैंने अपने विचार भी साझा किए।

नॉर्थ कोरिया बोला- यूक्रेन में रूस का मिलिट्री ऑपरेशन सही

ऐग्जीबिशन से पहले दोनों देशों के बीच डेलिगेशन लेवल की बातचीत भी हुई। इसमें नॉर्थ कोरिया के रक्षा मंत्री कैंग सुन नैम शामिल हुए। उन्होंने यूक्रेन में चल रहे रूसी मिलिट्री के ऑपरेशन को देश की सुरक्षा के लिए सही बताया। केसीएनए के मुताबिक, कैंग ने कहा कि उन्हें इस बात में कोई शक नहीं है कि पुतिन की लीडरशिप में रूस और मजबूत देश बनेगा।

अमेरिका बोला- नॉर्थ कोरिया से हथियार ले रहा रूस

रूसी डेलिगेशन की यात्रा को लेकर व्हाइट हाउस प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा- ये दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब रूस दूसरे देशों से हथियार खरीदने की कोशिश कर रहा है। इसमें अब कुछ सीक्रेट नहीं रहा है। पुतिन दूसरे देशों से जंग में मदद मांग रहे हैं और इसमें नॉर्थ कोरिया भी शामिल है।

तानाशाह ने हमेशा से जंग में रूस का पक्ष लिया है और अब वो हथियार और मिसाइल भी सप्लाई कर रहा है। हालांकि, रूस और उत्तर कोरिया, दोनों ने ही इन दावों को खारिज कर दिया।

नॉर्थ कोरिया ने दिखाए ये परमाणु हथियार

इससे पहले मार्च में नॉर्थ कोरिया ने कई इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) सहित दूसरी मिसाइलों की टेस्टिंग की थी। देश ने पहली बार अपने परमाणु हथियार दुनिया के सामने पेश किए थे। इस दौरान नॉर्थ कोरिया ने और भी खतरनाक परमाणु हथियार बनाने की बात कही थी।

न्यूक्लियर एक्सपर्ट्स का मानना है कि नॉर्थ कोरिया के हथियार बेशक छोटे हैं फिर भी इन्हें इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों पर लगाकर अमेरिका और साउथ कोरिया में तबाही मचाई जा सकती है। सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर क्यून सू के मुताबिक ने कहा था को पहली बार ऑफिशियली दिखाए गए नॉर्थ कोरिया के परमाणु हथियार 2016 के मुकाबले बड़े हैं। इससे परमाणु हथियार बनाने में उनकी तरक्की साफ दिख रही है।

प्रतिबंध के बावजूद मिसाइल टेस्टिंग कर रहा नॉर्थ कोरिया

संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन ने नॉर्थ कोरिया पर परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइलों की टेस्टिंग को लेकर प्रतिबंध लगाए हैं। आसान शब्दों में कहें तो नॉर्थ कोरिया परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण नहीं कर सकता है। इसके बावजूद लगातार मिसाइल टेस्ट किए जा रहे हैं।

3000 हजार कार से लदे मालवाहक जहाज में लगी आग

डूबने का खतरा, एक भारतीय की मौत, 20 घायल

लंदन, 27 जुलाई (एजेंसियां)। करीब तीन हजार कार लदे एक मालवाहक जहाज में नीदरलैंड के तट पर भीषण आग लगने की खबर है। इस हादसे में एक भारतीय की मौत हो गई है और 20 लोग घायल हुए है। हादसे में जान गंवाने वाला भारतीय, जहाज के क्रू का सदस्य था। नीदरलैंड्स के तटरक्षक बलों ने चेतावनी जारी की है कि यह आग अगले कई दिनों तक लगी रह सकती है, जिसे बुझाने के प्रयास जारी हैं।

पनामा के जहाज में लगी आग

बता दें कि 199 मीटर लंबा पनामा का मालवाहक जहाज फर्मेंटल हाइवे जर्मनी से मिस्त्र का सफर कर रहा था लेकिन मंगलवार रात नीदरलैंड के तट के करीब इस जहाज में आग लग गई। नीदरलैंड्स स्थित भारतीय दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया है कि इस हादसे में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। दूतावास ने बताया कि वह मृतक के परिजनों के संपर्क में हैं और जल्द ही पार्थिव शरीर को भारत भेजा जाएगा। दूतावास ने बताया कि वह हादसे में घायल 20

लोगों के भी संपर्क में हैं और उन्हें मालवाहक जहाज का संचालन करने वाली कंपनी के साथ मिलकर सभी जरूरी मदद दी जा रही है। रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि डच आइलैंड अमेलैंड से 27 किलोमीटर दूर स्थित यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल द वाडेन सी के नजदीक यह हादसा हुआ। खास बात ये है कि जिस जगह हादसा हुआ, वह दुनियाभर के प्रवासी पक्षियों के लिए बेहद अहम जगह है। हादसे की तस्वीरों में जहाज से धुंआ उठता दिख रहा है। माना जा रहा है कि मालवाहक जहाज से ले जाई जा रहीं 25 इलेक्ट्रिक कारों में से किसी एक कार में आग लगी होगी, जिसने फैलकर भीषण रूप ले लिया। अग्निशमन विभाग के कर्मी आग बुझाने में जुटे हैं लेकिन 16 घंटे बीतने के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका है।

जहाज के डूबने का खतरा

बताया जा रहा है कि आग बुझाने में कई दिन लग सकते हैं क्योंकि अभी तक अग्निशमन कर्मी जहाज पर नहीं चढ़ सके हैं और मशीनों की मदद से ही पानी द्वारा आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि जहाज में बहुत ज्यादा पानी भरने की वजह से इसके डूबने का भी खतरा पैदा हो गया है। यही वजह है कि आग बुझाना बेहद चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

दशकों से एलियंस यूएफओ से जुड़ी जानकारी छिपा रहा अमेरिका

पूर्व वायुसेना अधिकारी ने संसद के सामने दी गवाही

वॉशिंगटन, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की वायुसेना के पूर्व खूफिया अधिकारी ने खुलासा किया है कि अमेरिका एलियंस और यूएफओ (अज्ञात उड़ने वाली वस्तु) से जुड़ी जानकारी दशकों से छिपा रहा है। यूएफओ को अब अमेरिका की सरकार यूएपी (अज्ञात उड़ने वाली घटना) कहती है। वायुसेना के पूर्व अधिकारी ने यूएस कांग्रेस के सामने दावा किया कि अमेरिका यूएफओ की रिवर्स इंजीनियरिंग पर काम कर रहा है। वहीं अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन ने पूर्व वायुसेना अधिकारी के खुलासे को खारिज कर दिया है और उनके दावों का खंडन किया है। बता दें कि रिटायर्ड मेजर डेविड ग्रश यूएस कांग्रेस की हाउस ओवरसाइट उपसमिति के सामने पेश हुए। इस दौरान अपनी गवाही में मेजर ग्रश ने बताया कि साल 2019 में यूएपी पर सरकार की टास्क फोर्स के प्रमुख ने उन्हें फोर्स के मिशन से संबंधित सभी खूफिया प्रोग्राम की पहचान करने का काम दिया था। मेजर ग्रश ने बताया कि उन्हें इसी दौरान राष्ट्रीय पूर्व परीक्षण कार्यालय के बारे में पता चला। यही एजेंसी अमेरिका के खूफिया सैटेलाइट्स का संचालन करती है।

मेजर ग्रश ने बताया कि उन्हें काम के दौरान पता चला कि दशकों से यूएपी के क्रैश होने की घटनाओं पर रिसर्च और यूएपी पर रिवर्स इंजीनियरिंग प्रोग्राम चलाया जा रहा है। हालांकि इन प्रोग्राम के बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। ग्रश ने कहा कि अमेरिकी सरकार को भी ऐसे प्रोग्राम के बारे में साल 1930 से ही जानकारी है।

पेंटागन ने किया खंडन

अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन ने मेजर ग्रश के दावों का खंडन किया है। पेंटागन ने एक बयान में कहा कि जांच में यूएपी की रिवर्स इंजीनियरिंग के दावों के संबंध में कोई पुष्ट जानकारी नहीं मिली है और ना पूर्व में और ना वर्तमान में इससे संबंधित कोई कार्यक्रम चल रहा है। मेजर ग्रश ने ये भी बताया कि सरकारी व्हिसिलब्लोअर बनने के चलते उन्हें काफी विरोध झेलना पड़ा। हालांकि इसके बारे में ज्यादा जानकारी देने से मेजर ग्रश ने इनकार कर दिया।

अफ्रीकी देश नाइजर में तख्तापलट

सैनिकों ने राष्ट्रपति बजौम की सरकार को उखाड़ फेंकने का किया दावा

नियामी, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश नाइजर में सेना का दावा है कि उन्होंने तख्तापलट कर दिया है। नाइजन सेना ने दावा करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम की सरकार को उखाड़ फेंका है। उन्होंने राष्ट्रपति बजौम को कैद कर लिया है। यूएन-अमेरिका के हस्तक्षेप पर सैनिकों ने आपत्ति जताते हुए उन्हें धमकी दी है। विदेशी मीडिया के अनुसार, नाइजर के राष्ट्रीय चैनल पर सैनिकों ने एलान किया है। कर्नल अमादौ अब्द्रमाने अपने साथी सैनिकों और अधिकारियों के साथ टीवी पर आए। उन्होंने टीवी पर बजौम की सरकार को पलट देने का एलान किया। विदेशी रिपोर्ट के अनुसार, कर्नल ने टीवी पर लाइव आकर कहा कि देश की बिगड़ती सुरक्षा व्यवस्था और खराब शासन के कारण हम राष्ट्रपति शासन को खत्म कर रहे हैं। नाइजर के बॉर्डर सील हैं। अब न तो कोई देश से बाहर जा सकता है और न ही बाहर से देश में प्रवेश कर सकता है। पूरे देश में कर्फ्यू है। सरकारी अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है।

तख्तापलट की जानकारी मिलते ही अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि वे नाइजर के राष्ट्रपति की हर संभव मदद करेंगे। यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का भी कहना है कि उन्होंने राष्ट्रपति से बात की है। उन्हें संयुक्त राष्ट्र की ओर से पूरा समर्थन देने की बात कही है। हालांकि नाइजर सैनिकों ने इसपर आपत्ति जताई है। विदेशी हस्तक्षेप को लेकर नाइजर सेना ने चेतावनी देते हुए कहा कि वे अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहे।.

राष्ट्रपति को रिहा करने का अमेरिका का आह्वान

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने नाइजर की सत्ता पर कब्जा करने के लिए सेना की निंदा की है। मिलर ने कहा कि अमेरिका नाइजर को लेकर चिंतित है। राष्ट्रपति बजौम लोकतांत्रिक रूप से चुने गए थे, जिस वजह से हम उनका समर्थन करते हैं। वहीं, शक्ति के आधार पर संवैधानिक व्यवस्था पर हमला करने की हम निंदा करते हैं। हम राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम की तत्काल रिहाई का आह्वान करते हैं। नाइजर की स्थिति पर हमारी करीब से नजर है। नियामी में स्थित अमेरिकी दूतावास के साथ हम लगातार संपर्क में हैं।

भारत के साथ मजबूत रिश्ते विकास के लिए महत्वपूर्ण

श्री जयवर्धनेपुरा कोट्टे, 27 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका के विदेश राज्य मंत्री ने भारत के साथ रिश्तों पर बात की। उन्होंने कहा कि भारत के साथ हमारे करीबी रिश्ते हैं। भारत के साथ मजबूत रिश्ते विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इससे देश के बेहतर भविष्य को सहायता मिलेगी।

राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की भारत यात्रा पर श्रीलंकाई विदेश राज्य मंत्री ठरका बालासूर्या ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कई गणमान्यों के साथ-साथ पीएम नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात की। पड़ोसी देशों के बीच रिश्तों को मजबूत करने के लिए संभावनाएं हैं। दोनों देशों के बीच सीधी नौका सेवा के साथ-साथ जाफना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के सुधार पर भी चर्चा चल रही है। बालासूर्या ने कहा कि श्रीलंका के लिए भारत के साथ घनिष्ठता काफी महत्वपूर्ण है। इससे श्रीलंका के विकास को मजबूती मिलेगी। निवेश के साथ-साथ विकास परियोजनाओं के मामले में भी दोनों देशों के बीच लाभप्रद पहलू हैं। हम अगर भारत के साथ बातचीत करके पहले से मौजूद बंदरगाहों का विस्तार करें तो हमें आर्थिक लाभ मिल सकता है। श्रीलंका को ऊर्जा का केंद्र बनाने पर बातचीत चल रही है। श्रीलंका में पवन, सौर और हरित ऊर्जा का कैसे विकास किया जाए, इसपर भी चर्चा की जाएगी। श्रीलंका ने त्रिंकोमाली ऑयल टैंक कॉम्प्लेक्स के आधुनिकीकरण और दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने पर भारत के साथ चर्चा की। राष्ट्रपति की तारीफ करते हुए बालासूर्या ने कहा कि विक्रमसिंघे के नेतृत्व में सभी देशों के साथ उनके मजबूत सहयोग के कारण श्रीलंका को भविष्य में काफी फायदा होगा। गुटनिरपेक्ष विदेश नीति से लाभ होगा।

कंगाल पाकिस्तान को फंसाने पर चीन की नजर

पाकिस्तान के ऊर्जा संसाधन नया टारगेट, गैस कंपनियां खरीदने जा रहा ड्रैगन

इस्लामाबाद, 27 जुलाई (एजेंसियां)। आर्थिक संकट में घिरे पाकिस्तान को अपने जाल में फांसने के लिए चीन ने एक और तैयारी कर ली है। पाकिस्तान में सरकारी कंपनियों को बेचने की कवायद चल रही है। इन पर चीन की नजर है। वह दो गैस कंपनियों सुई नॉर्दर्न और सुई सदर्न को खरीदने जा रहा है। यह कंपनियां गैस के भंडार वाले बलूचिस्तान प्रांत में गैस की खोज में शामिल होंगी। सूत्रों का कहना है कि चीन इन गैस कंपनियों, बिजली कंपनियों को हर कीमत पर लेना चाहता है। 9 सरकारी बिजली कंपनियों को पिछले साल 17 हजार करोड़ पाकिस्तानी रुपए का घाटा हुआ था। इसे मिलाकर दो गैस कंपनियों को 68,853 करोड़ पाकिस्तानी रुपए (2.4 अरब डॉलर) का नुकसान हो चुका है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि घाटे में चल रही सरकारी इकाइयों का निजीकरण सही कदम है। ज्यादातर इकाइयां

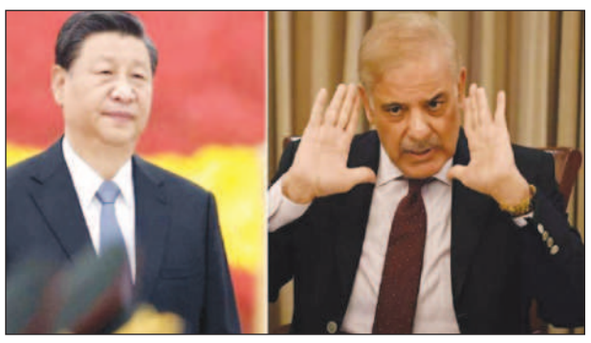

घिसे-पिटे पुराने ढर्रे से चलाए जाने के कारण कुप्रबंध का शिकार हैं। विश्लेषकों का कहना है कि इन सरकारी इकाइयों को चलाने के लिए हर पाकिस्तानी हर साल 3000 रुपए का भुगतान कर रहा है। हालांकि, उनको शक है कि इस चुनावी साल में सरकार ताकतवर यूनियन के विरोध का सामना करते हुए निजीकरण अंजाम दे पाएगी।

सीपीईसी का विरोध, कई बार चीन के कर्मचारियों पर हुए हमले

चीन के महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का बलूचिस्तान में विरोध हो रहा है। प्रोजेक्ट पर चीन 60 अरब डॉलर (करीब 4.9 लाख करोड़ रुपए) का निवेश कर रहा है। ग्वादर पोर्ट में चीन की गतिविधियां स्थानीय लोगों के निशाने पर हैं। वे चीन की डीप फिशिंग का विरोध करते हुए सुरक्षा चेक पॉइंट कम करने की मांग कर रहे हैं। चीनी नागरिकों और संपत्ति पर हमले भी हो चुके हैं। पिछले कुछ साल से चीन के प्रोजेक्ट और उनमें काम करने वाले चीनियों पर हमले बढ़े हैं।

चीनी कर्मियों की सुरक्षा में एके 47 वाले गार्ड

पाकिस्तान में विरोध के कारण चीन के कामगारों और इंजीनियरों की सुरक्षा में एके 47 राइफल से लैस जवान तैनात करने पड़ रहे हैं। पाकिस्तानी सुरक्षा पर भरोसा करने के बजाय चीन ने ग्वादर में खुद के जवान तैनात कर रखे हैं। जुलाई 2021 में चीनी इंजीनियरों की बस पर फिदायीन हमला हो चुका था। तब सुरक्षा बढ़ाई गई।

एयरलाइंस घाटे में, कराची, लाहौर एयरपोर्ट लीज पर देंगे

इस्लामाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट, सरकारी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस को भी निजी हाथों में सौंपा जा रहा है। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस का कर्ज और घाटा उसकी संपत्तियों से ज्यादा हो गया है। पिछले साल यह 8,800 करोड़ और कुल कर्ज 75 हजार करोड़ पाकिस्तानी रुपए हो गया। विमानतलों में कुप्रबंधन है।

सीआरपीएफ ने मनाया अपना 85वां स्थापना दिवस

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ के मध्य सेक्टर, सीआरपीएफ कार्यालय के प्रांगण में 27 जुलाई 2023 को शौर्य, पराक्रम, बलिदान एवं मानवीय मूल्यों के स्वर्णिम व गौरवमयी इतिहास से परिपूर्ण विश्व के सबसे बड़े एवं पुराने अर्धसैनिक बल के रूप में स्थापित सीआरपीएफ का 85वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। सीआरपीएफ के महानिरीक्षक सतपाल रावत ने अधिकारियों एवं जवानों को देश सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। अंग्रेजी शासनकाल में 27 जुलाई 1939 को 'काउन रिप्रेजेन्टेटिवस पुलिस' (सी.आर.पी) के नाम से इस बल का गठन वर्तमान मध्य प्रदेश के नीमच नामक स्थान पर किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य उस समय की देशी रियासतों में आंदोलनों एवं राजनीतिक अशांति को नियंत्रित कर कानून-व्यवस्था बनाए रखना था। स्वतंत्रता पश्चात इस सुरक्षा बल ने देशी रियासतों के भारत संघ में विलय की प्रक्रिया में सबसे अहम भूमिका

ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति के पुलिस पदक से किया अलंकृत

निभाई। स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने इस सुरक्षा बल के बहुआयामी अस्तित्व को समझते हुए देश की अखण्डता एवं आंतरिक सुरक्षा के हित में इसे आजादी के बाद भी अक्षुण्ण बनाए रखने का अहम निर्णय लिया। तदनुसार, 28 दिसम्बर 1949 को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अधिनियम के लागू होने के साथ ही यह सुरक्षा बल अपने वर्तमान स्वरूप में आ गया इस बल की कार्यदक्षता, कर्तव्यनिष्ठा एवं देश पर सर्वस्व न्यौछावर करने के जज्बे का परिणाम है कि 02 बटालियन से प्रारंभ होकर आज 247 बटालियनों के साथ विश्व के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल होने का इसे गौरव प्राप्त है। राष्ट्र की सेवा में अभी तक सी.आर.पी.एफ. के 2200 से अधिक बहादुर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। उन्होंने बताया कि सी.आर.पी.एफ के शौर्य एवं पराक्रम को सर्वोच्च मान्यता देते हुए अब तक इस बल को वर्ष 2023 के गणतंत्र दिवस तक कुल 2200 वीरता के पदक प्रदान किये गये हैं जो कि इस बल की परिचालनिक सफलताओं का परिचायक है। लखनऊ के बिजनौर स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप केन्द्र प्रांगण में स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने सीआरपीएफ अधिकारियों एवं जवानों को महामहिम राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त किए गए पुलिस पदकों से अलंकृत किया। इस अवसर पर पाठक ने सीआरपीएफ को उनके स्थापना दिवस की बधाई दिया तथा इस बल द्वारा देश की आंतरिक सुरक्षा में किए गए योगदान को भी याद किया तथा बताया कि सीआरपीएफ ने देश की सुरक्षा में अपने प्राणों की आहुति दिया है तथा सरकार एवं आम जनता के भरोसे को बनाए रखा है। इस समारोह में श्री सतपाल रावत, महानिरीक्षक तथा श्री डी0के0 त्रिपाठी, उप महानिरीक्षक, श्री एच०के० कनौजिया, उप महानिरीक्षक, श्री एस० पी० सिंह, उप महानिरीक्षक, श्री भूपेन्द्र कुमार, उप महानिरीक्षक तथा श्री सुनील कुमार, उप महानिरीक्षक तथा अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारी और जवान तथा उनके परिवारीजन शामिल हुए।

पाकिस्तान बोला- पीओके पर भारत का बयान गैर-जिम्मेदाराना

इस्लामाबाद, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कारगिल दिवस पर राजनाथ सिंह के बयान को पाकिस्तान ने भड़काऊ बताया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने प्रेस रिलीज में कहा- हम लद्दाख में दिए गए भारत के रक्षा मंत्री के बयान की निंदा करते हैं।

भारत को इस मामले में खास तौर पर सावधानी बरतने की जरूरत है, क्योंकि उनके ऐसे बयान क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा है। इससे साउथ एशिया में रणनीतिक माहौल खराब हो सकता है। ये पहली बार नहीं है जब भारत के किसी नेता या सैन्य अधिकारी ने पीओके और गिलगिट-बाल्टिस्तान को लेकर इस तरह का गैर-जिम्मेदाराना बयान दिया है। इस तरह की राष्ट्रवादी बयानबाजी बंद होनी चाहिए। हम भारत को ये याद दिलाना चाहते हैं कि पाकिस्तान किसी भी खतरे के होने पर अपनी रक्षा करने में पूरी तरह से सक्षम है। पाकिस्तान ने कहा कि भारत के नेता चुनाव में अपने फायदे के लिए पाकिस्तान पर बयानबाजी करते हैं, जिसे बंद करने की जरूरत है। साथ ही पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने भारत को सलाह दी कि वो विवादित क्षेत्र पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों को ईमानदारी से लागू करे। 26 जुलाई को कारगिल दिवस के मौके पर द्रास में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि 1999 को कारगिल युद्ध जीतने के बाद भी सेना ने एलओसी पार नहीं की क्योंकि भारत एक शांतिप्रिय देश है। हम अपने सदियों पुराने मूल्यों में विश्वास रखते हैं और अंतरराष्ट्रीय कानून को लेकर प्रतिबद्ध हैं। हमने तब ऐसा नहीं किया इसका मतलब यह नहीं कि हम अब भी एलओसी पार नहीं कर सकते थे।

हम ऐसा कर सकते थे, कर सकते हैं और जरूरत पड़ी तो ऐसा करेंगे भी। उन्होंने ये भी कहा कि जनता को युद्ध के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना होगा।

जहाज पर आग लगी, एक भारतीय की मौत, 20 घायल

ऐम्सटरडैम, 27 जुलाई (एजेंसियां)। नीदरलैंड के तट पर एक कार्गो शिप में आग लग गई, जिसमें भारतीय क्रू मेंबर की मौत हो गई। हादसे में करीब 20 लोग घायल हुए हैं। इस जहाज पर माल ले जाने वाली 3 हजार कारें मौजूद थीं। शिप के मालिक जापान के शोई किसेन ने कहा कि जहाज पर सभी 21 क्रू मेंबर भारतीय थे। मौके पर रेस्क्यू के लिए पहुंचे जहाज लगातार आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। डच न्यूज एजेंसी एएनपी के मुताबिक, आग पर काबू पाने में कई दिन लग सकते हैं क्योंकि इस पर काफी सामान लदा हुआ है। आग बुझाने के लिए लगातार पानी का स्प्रे किया जा रहा है लेकिन ज्यादा पानी से जहाज के डूबने का भी खतरा है। 199 मीटर लंबा पनामा का जहाज फर्मेंटल हाइवे जर्मनी से मिस्त्र का सफर कर रहा था लेकिन मंगलवार रात नीदरलैंड के तट के करीब इस जहाज में आग लग गई। नीदरलैंड में मौजूद भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर बताया- इस हादसे में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई।

राठौड़ बोले- गुढ़ा छापों के दौरान मेरे घर आए थे

मैंने उनकी हमेशा मदद की है; लाल डायरी होने से साफ इनकार किया

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के आरापों पर अब सीएम अशोक गहलोत के नजदीकी और आरटीडीसी के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने पलटवार किया है। राठौड़ ने गुढ़ा के लाल डायरी के दावों पर सवाल उठाते हुए बुधवार देर रात बयान जारी किया है। उन्होंने इनकम टैक्स के छापों के दौरान गुढ़ा के घर आने की बात मानी है, लेकिन लाल डायरी होने से साफ इनकार कर दिया।

राठौड़ ने गुढ़ा को अविश्वनीय व्यक्ति भी बताया। तीन दिन पहले गुढ़ा ने दावा किया था कि धर्मेंद्र राठौड़ के घर पड़े आयकर छापों के दौरान सीएम ने उन्हें लाल डायरी लाने भेजा था। गुढ़ा उस लाल डायरी के पन्ने खुद के पास होने का दावा कर रहे हैं।

राठौड़ ने कहा- BJP ने मध्य प्रदेश की तर्ज पर राजस्थान में भी सरकार गिराने का प्रयास किया, इसी षड्यंत्र के हिस्से के तहत केंद्रीय एजेंसियों ने कांग्रेस नेताओं, तमाम प्रतिष्ठानों और मुख्यमंत्री के भाई तक के घर पर छापा डाला। मुझे याद है कि उस घटनाक्रम के दौरान राजेन्द्र गुढ़ा मेरे घर आए थे, लेकिन इस घटनाक्रम से लेकर कभी भी मेरे से गुढ़ा किसी लाल डायरी की चर्चा नहीं की।

मैं संभवतः हमेशा गांधी डायरी का उपयोग करता हूं और अपनी दिनचर्या इसमें लिखता हूं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के लोग मेरे घर से तीन डायरियां लेकर गए थे, जिनमें ऐसी गांधी डायरियां थीं, ये उनके रिकॉर्ड में भी दर्ज हैं।

धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा- मेरे राजेंद्र गुढ़ा से लंबे समय से पारिवारिक संबंध रहे हैं। हमारे संबंधों की प्रगाढ़ता इतनी रही कि लगभग 10 साल पहले वो मेरे घर में रहे।

उस समय इनके विधानसभा क्षेत्र के कई लोग आकर मुझसे इनकी आलोचना कर कहते थे कि इनको अपने घर में नहीं रखना चाहिए क्योंकि ये बेहद अविश्वसनीय व्यक्ति हैं। मेरे व्यक्तिगत संबंधों के कारण मैंने उन बातों पर ध्यान नहीं दिया। एक कांग्रेस कार्यकर्ता होने के नाते मैंने हमेशा इनकी मदद की।

राठौड़ ने कहा- 2009 और 2019 में अन्य बसपा विधायकों के साथ इन्होंने कांग्रेस जॉइन की, ये तब भी मेरे संपर्क में रहे और इनका बैकग्राउंड जानते हुए भी पार्टी हित में मैंने इनका साथ दिया। पिछले लगभग सालभर से राजेन्द्र गुढ़ा पार्टीलाइन से हटकर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ ही बयानबाजी कर रहे थे, मैंने इनको समझाने का प्रयास किया कि ऐसा ना करें परन्तु मैं तब समझ नहीं पाया कि यह अंदर ही अंदर क्या षड्यंत्र कर रहा है?

राठौड़ ने कहा- ये किन-किन कांग्रेस और बीजेपी नेताओं के संपर्क में हैं, आज आश्चर्यजनक रूप से राजेन्द्र गुढ़ा की प्रशंसा कर रहे केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कुछ दिन पूर्व गुढ़ा जी को जब बिन पैंदे का लोटा कहा था, तब भी मैंने इनका बचाव किया था।

राजेंद्र गुढ़ा को मोहरा बनाकर बीजेपी ने हाईवोल्टेज ड्रामा रचा

राठौड़ ने कहा- कांग्रेस समेत सभी विपक्षी पार्टियां मणिपुर में हो रहीं हिंसा, महिलाओं से बलात्कार और हत्याओं के मामले पर संसद में चर्चा करना चाहती हैं। पूरे देश-दुनिया की नजर इस पर हैं पर संसद नहीं चल पा रही है। दिल्ली से लेकर जयपुर तक भाजपा राजस्थान सरकार पर झूठे आरोप लगाकर मणिपुर के मुद्दे की गंभीरता को कम करने का षड्यंत्र कर रही है। उसी षड्यंत्र के तहत राजेन्द्र गुढ़ा को मोहरा बनाकर ये हाई वोल्टेज ड्रामा रचा गया है। प्रधानमंत्री के राजस्थान दौरे से महज तीन दिन पहले राजेन्द्र गुढ़ा और बीजेपी के नेताओं के जो बयान विधानसभा के अंदर और बाहर आए हैं, वो इसी षड्यंत्र का हिस्सा हैं, हालांकि वो इसमें सफल नहीं हुए ।

'लाल डायरी' पर कांग्रेस ढूंढ रही डैमेज कंट्रोल का रास्ता

हाईकमान भी टेंशन में, एआईसीसी का एक वर्ग मानता है- गुढ़ा की बर्खास्तगी में जल्दबाजी हुई

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। चार साल के गहलोत-पायलट विवाद को 20 दिन पहले दिल्ली में मैराथन बैठक के दौरान सुलझाने का दावा करने वाली कांग्रेस नए संकट में फंस गई है। गहलोत सरकार के बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढा की ओर से उछाले गए 500 करोड़ रुपए के लेनदेन वाली ' लाल डायरी' के प्रकरण ने कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व को चिंता में डाल दिया है।

डायरी में छिपे राज बाहर लाने की मांग उठाकर बीजेपी दो दिन से लगातार राष्ट्रीय स्तर पर इसे हवा दे रही है, वहीं गुरुवार को सीकर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस पर कांग्रेस को घेर सकते हैं। चूंकि मोदी शेखावाटी में आ रहे हैं और गुढ़ा इसी क्षेत्र से आते हैं। ऐसे में कांग्रेस को डर है कि मोदी इसे बड़ा मुद्दा बनाएंगे, जो राजस्थान के साथ बाकी चार चुनावी राज्यों में भी अपना असर दिखा सकता है।

एआईसीसी सूत्रों का कहना है कि गुढ़ा की मंत्री पद से बर्खास्तगी का फैसला लेने में जल्दबाजी हुई है। एआईसीसी नेताओं के एक वर्ग का मत है कि एक दिन पहले आनन-फानन में गुढ़ा को मंत्री पद से हटाकर दूसरे ही दिन विधानसभा से निलंबित करने से मामले ने ज्यादा तूल पकड़ा।

चुनाव से पहले मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए गुढ़ा प्रकरण को प्रदेश स्तर पर बातचीत के जरिए निपटाया जा सकता था।

इस नए घटनाक्रम के बाद भाजपा लगातार यह नरैटिव सेट करने में जुटी है कि गहलोत सरकार में भारी भ्रष्टाचार हुआ है।

सूत्रों का कहना है कि 6 जुलाई को दिल्ली में हुई बैठक के बाद प्रदेश कांग्रेस के माहौल में जो बदलाव आया था, गुढ़ा प्रकरण ने उसे गहरी चोट पहुंचाई है। चूंकि गुढ़ा ने डायरी में आरसीए चुनाव के दौरान और गहलोत सरकार को संकट के समय बचाने में हुए लेनदेन संबंधी ब्योरा होने के आरोप लगाए हैं। जनता में उत्सुकता है कि डायरी में जिस लेनदेन की बात हो रही है, उसमें किन-किन नेताओं के नाम है? इस वजह से यह मुद्दा पब्लिक के बीच ज्यादा चर्चाओं में आ रहा है।

पार्टी के एक जनरल सेक्रेटरी नाम नहीं छापने की शर्त पर बोले- राष्ट्रीय नेतृत्व के स्तर पर डैमेज कंट्रोल के रास्ते तलाशे जा रहे हैं, लेकिन मामला इतना बढ़ चुका है कि कांग्रेस के लिए न निगलते बन रहा है और न उगलते। यह ऐसा मुद्दा है जो चुनाव तक ठंडा होना मुश्किल है। यही वजह है कि कांग्रेस हाईकमान ने राजस्थान के नेताओं को हिदायत दी है कि गुढ़ा प्रकरण को बयानबाजी करके ज्यादा तूल नहीं दिया जाए। मीडिया में भी बयानों से बचने के लिए कहा गया है।

ट्रेंड : चुनाव से पहले जो मुद्दा छिड़ता है, वही गूंजता है

महज 4 माह बाद हो रहे चुनाव को कांग्रेस अपनी योजनाओं के भरोसे जीतने की उम्मीद कर रही है। अचानक हुए डायरी प्रकरण से उसे डर है कि मुद्दा ज्यादा चला तो पॉजिटिव माहौल पर पानी फिर जाएगा। राजस्थान में यह ट्रेंड रहा है कि चुनावी साल में सरकार के खिलाफ जो मुद्दा छिड़ता है, वो सत्ताधारी पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचाता है। पिछले चुनाव में वसुंधरा सरकार के खिलाफ भी आनंदपाल एनकाउंटर और भ्रष्टाचार बड़े मुद्दे थे।

'यूथ कांग्रेस के लोग उम्मीद करते हैं, जिम्मेदारी जरूर मिलेगी'

पायलट बोले- काम करने का ज्यादा मजा प्रदेशाध्यक्ष के दिनों में ही आया

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने बीजेपी और केंद्र सरकार पर एक बार फिर जमकर निशाना साधा। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में विपक्षी पार्टियों के गठबंधन 'इंडिया' की जीत का दावा किया है।

पायलट ने कहा- कर्नाटक ने देश की राजनीति को बदलने का काम किया है। बीजेपी वाले चाहे कितनी ताकत लगा लें। अब उनकी हार तय है।

बीजेपी का सबसे पहला डबल इंजन हमने हिमाचल में और दूसरा कर्नाटक में फेल किया। आने वाले चुनावों में बीजेपी के सारे डबल इंजन फेल करने हैं।

इस साल मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान सहित चार राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं। सभी जगह बीजेपी के डबल इंजन फेल होंगे और कांग्रेस की सरकार बनेगी। पायलट बेंगलुरु में यूथ कांग्रेस के सम्मेलन में बोल रहे थे।

युवा उम्मीद करते हैं उन्हें पद मिलेंगे

पायलट ने कहा- पिछले कुछ

सालों में यूथ कांग्रेस के नेताओं ने जिस जज्बे से काम किया है, वह अनूठा है। आप सब यूथ कांग्रेस के लोग उम्मीद करते हैं आने वाले समय में कुछ न कुछ जिम्मेदारी मिलेगी, पद मिलेगा।

मैं ऐसा मानता हूं कि त्याग, तपस्या और समर्पण भाव से काम करोगे तो एक ना एक दिन ना सिर्फ आपके सपने पूरे होंगे, संगठन के माध्यम से देश-प्रदेश में जो परिवर्तन करना चाहते हैं वह भी हम कर पाएंगे।

प्रदेशाध्यक्ष के तौर पर काम करते हुए मुझे सबसे ज्यादा मजा आया

पायलट ने कहा- मुझे राजनीति में 22 साल हो गए। इस दौरान कांग्रेस पार्टी ने मुझे बहुत अवसर दिया है। केंद्र और प्रदेश में काम किया। सांसद, केंद्रीय मंत्री के रूप में काम किया, लेकिन जिस काम में मुझसे ज्यादा मजा आया, सबसे ज्यादा संतोष मिला वह था पांच साल जब मैं प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष था। राजस्थान में हम लोग विपक्ष में थे।

वह 5 साल यह बात मैं इसलिए कह रहा हूं कि मुझे कभी भी यूथ कांग्रेस में किसी पद पर काम करने का मौका नहीं मिला। यह कसक रह गई थी। बहुत कम उम्र में मुझे चुनाव लड़ने का मौका मिल गया। 26 साल में मैं सांसद बन गया।

जब यूथ कांग्रेस में काम करने का मौका नहीं मिला तो जब मैं राजस्थान पीसीसी का अध्यक्ष बना तो पीसीसी को ही यूथ कांग्रेस बना दिया। वसुंधरा राजे की 163 विधायकों के भारी बहुमत वाली सरकार थी। उसका हम लोगों ने मुकाबला किया।

हमारे लिए समय बहुत विपरीत था। उस समय प्रदेश के नौजवानों ने और यूथ कांग्रेस के साथियों ने मेरे साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया। आज उसकी बदौलत हम मजबूती से खड़े हैं।

युवा साथी कहते हैं समय निकल रहा है

पायलट ने कहा- विपक्ष में रहते हुए हमने भूख हड़ताल की। जेल में गए। लाठी-डंडे खाए। खून-पसीना बहाया। उस मेहनत की वजह से जो जज्बाती जुड़ाव हमारा पैदा हुआ वह आज भी कायम है।

मैं किसी जिले में जाता हूं बहुत से मेरे युवा साथी बोलते हैं कि समय निकल रहा है। हम 30 साल के हो गए, 33 साल के हो गए 40 के हो गए।

यह बात सही है, जो समय निकल जाता है, वापस नहीं आता है लेकिन एक ना एक दिन वह समय आएगा जब कलम आपके हाथ में होगी और ताकत आपके हाथ में होगी। बिना संघर्ष, बिना मेहनत के अगर आपको कुछ मिल भी जाए तो उसका स्वाद नहीं आता। लड़कर और संघर्ष करके जब कुछ मिलता है, तो उसका एहसास हमको रहता है कि हमें कुछ मिला है।

आने वाला समय इंडिया गठंबधन का होगा

पायलट ने कहा- आने वाला समय इंडिया का है, जो विपक्ष की पार्टियां हैं। आज का विपक्ष आने वाली सत्ता वाली पार्टी है। कांग्रेस वह पार्टी है, जो देश में भाजपा को चुनौती देकर हरा सकती है।

हमारे क्षेत्रीय दल हैं। उनको हम साथ लेकर चलेंगे। कश्मीर से कन्याकुमारी तक 543 लोकसभा क्षेत्रों में कांग्रेस का समर्थक वर्ग है। केंद्र सरकार कितना ही प्रचार कर ले, लेकिन हकीकत जनता से छिपी नहीं है। यह सरकार हर मोर्चे पर फेल है।

ट्रैक्टर चलाकर सांसद भागीरथ चौधरी पहुंचे बीजेपी कार्यालय

किसान मोर्चे की संभाली जिम्मेदारी, कहा- कांग्रेस ने किसानों को ठगने का काम किया

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा किसान मोर्चे के अध्यक्ष पद का पदभार ग्रहण करने के लिए आज भाजपा सांसद भागीरथ चौधरी ट्रैक्टर चलाकर अपने समर्थकों के साथ बीजेपी कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने किसान मोर्चे के अध्यक्ष पद का पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पिछले 60 सालों में कांग्रेस ने किसानों को ठगने का काम किया हैं। लेकिन केन्द्र की मोदी सरकार किसानों को सशक्त करने का काम कर रही हैं।

वहीं आज किसान मोर्चे के अलावा बीजेपी ओबीसी मोर्चे के प्रदेशाध्यक्ष चंपालाल गैदर ने भी कार्यभार ग्रहण किया। इस मौके पर गैदर ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने के नाम पर कमेटिया व आयोग बनाकर ओबीसी वर्ग को गुमराह करने का काम किया हैं। लेकिन केन्द्र की मोदी सरकार ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया।

भाजपा ने किसान व ओबीसी वर्ग को जो दिया, कांग्रेस 60 सालों में नहीं दे पाई

पदभार ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि आज का दिन भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन है। कारगिल विजय दिवस शौर्य और वीरता की गाथा कहता है। किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के किसानों को जो सौगात दी है, ऐसी सौगात कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारें साठ साल में नहीं दे पाई। फसलों की एमएसपी को डेढ गुना बढाने का काम हो या नीम कोटेड यूरिया देने का काम सभी किसानों के लिए लाभकारी हैं।

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि ओबीसी आयोग के नाम पर पूर्व की सरकारों ने काका कालेलकर आयोग के नाम पर ओबीसी जातियों को गुमराह किया। वहीं मोदी ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर ऐतिहासिक काम किया। इस दौरान सीपी जोशी ने प्रधानमंत्री मोदी की गुरूवार को सीकर में होने वाली आमसभा के लिए अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान भी किया।

बीकानेर में 8 इंच से ज्यादा बारिश, कॉलोनियां डूबीं

कई जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में इस सीजन मानसून अब तक मेहरबान रहा है। बुधवार देर शाम बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, भरतपुर संभाग के कई जिलों में भारी बरसात हुई। बीकानेर में एक घंटे के दौरान 8 इंच से ज्यादा पानी बरसा। यहां सड़कों पर नदियां बहने लगीं।

गंगानगर-बीकानेर समेत कई जिलों में भारी बारिश के कारण जनजीवन पर भी असर पड़ा है। वहीं, मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक आज भी राज्य के कई जिलों में तेज बारिश हो सकती है।

पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू, सीकर, जयपुर, सिरोही, करौली समेत 14 से ज्यादा जिलों में जमकर पानी बरसा। गंगानगर के रावला, हिंदूमलकोट एरिया में 3 इंच, जयपुर के शाहपुरा, झुंझुनूं के खेतड़ी और सिरोही के ओरा एरिया में 4 इंच तक बरसात देखने को मिली है।

बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में सबसे ज्यादा 208मिमी (8 इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई। यहां भारी बारिश के कारण कालोंनियों में पानी भर गया, कई घरों में भी घुस गया। गंगानगर में बाजारों में दुकानों के बाहर रखा सामान पानी में बहता दिखाई दिया। जयपुर के शाहपुरा में भी तेज बारिश के बाद जयपुर-दिल्ली हाईवे पर जाम लग गया। झुंझुनूं के खेतड़ी एरिया में भी जबरदस्त बरसात हुई।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक आंध्रप्रदेश-उड़ीसा तट पर बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बना हुआ है। मानसून ट्रफ लाइन फलोदी, अजमेर, दमोह, रायपुर होते हुए बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। इसके अलावा एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन गंगानगर इससे लगते पंजाब व पाकिस्तान के ऊपर एक्टिव है। इन सिस्टम के कारण राजस्थान में तेज बारिश हुई।

40 लाख महिलाओं को अगस्त से मिलेगा फ्री मोबाइल

9 महीने का डाटा रिचार्ज होगा, फोन पसंद करते ही सीधे खाते में आएंगे 6 हजार रुपए

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में फ्री स्मार्टफोन और डेटा सिम बांटने को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सरकार 10 अगस्त से कैंप लगाकर स्मार्टफोन बांटने का काम शुरू करेगी।

राज्य के हर जिले में अलग से कैंप लगेंगे। पहले चरण में करीब 40 लाख महिलाओं को फोन बांटे जाएंगे। इसमें 9वीं या उससे ऊपर की कक्षा में पढ़ने वाली बालिकाओं, कॉलेज स्टूडेंट्स, विधवा या अकेली रहने वाली नारी और इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी में 50 दिन और मनरेगा में 100 दिन का काम पूरा करने वाले परिवार की महिला मुखिया को प्राथमिकता दी जाएगी।

खास बात ये होगी कि सरकार

डाटा रिचार्ज (9 महीने) के 675 रुपए और मोबाइल फोन खरीद के लिए 6125 रुपए देगी। डिपार्टमेंट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड कम्युनिकेशन (डीओआईटी) की ओर से जारी आदेशों के मुताबिक मोबाइल खरीद के लिए सरकार मौके पर ही पैसे लाभार्थी के ई-वॉलेट में ट्रांसफर करेगी। लाभार्थियों की सूचना उनके मोबाइल पर सरकार मैसेज के जरिए भेजेगी। आदेशों के मुताबिक लाभार्थी को मोबाइल हैंडसेट चुनने का ऑप्शन होगा। इसके लिए मौके पर वोडाफोन, जीओ, एयरटेल और बीएसएनएल कंपनियों के काउंटर लगेंगे। काउंटर पर अलग-अलग मोबाइल कंपनियां भी अपने हैंडसेट रखेंगी। सरकार एक मोबाइल के लिए 6 हजार 125 रुपए देगी। यदि कोई इससे ज्यादा कीमत वाला फोन पसंद करता है तो उसे अतिरिक्त रुपए अपनी जेब से देने होंगे।

योजना के अनुसार स्मार्टफोन खरीदने पर महिलाओं को तय राशि का भुगतान उनके खाते में शिविर से बाहर निकलने से पहले ही कर दिया जाएगा। मोबाइल खरीदने पर सरकार महिलाओं के बैंक अकाउंट में डीबीटी के तहत भुगतान करेगी। ये पेमेंट मोबाइल में सिम डालते ही कुछ पलों में ही यूपीआई के जरिए बैंक अकाउंट में पहुंच जाएगा।

सरकार के स्तर पर सभी कलेक्टर से पहली फेज की 40 लाख महिलाओं की बैंक अकाउंट के साथ सूची मंगा ली गई है। साथ ही यूपीआई के जरिए नकद भुगतान के लिए उनके बैंक अकाउंट को शेड्यूल तक करवा लिया गया है।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी की स्टूडेंट ने किया सुसाइड

6 महीने में दूसरा सुसाइड, कमरे में फंदे पर लटकती हुई मिली

अजमेर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सेंट्रल यूनिवर्सिटी की एक स्टूडेंट ने बुधवार रात फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। इस यूनिवर्सिटी में सुसाइड का ये 6 महीने में दूसरा मामला है। इधर, इस घटना के बाद स्टूडेंट्स ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। हालांकि अभी तक स्टूडेंट के सुसाइड के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। मामला अजमेर के बांदर सिंदरी थाना क्षेत्र स्थित यूनिवर्सिटी में बुधवार रात 10:45 बजे का है। लद्दाख की रहने वाली फुन्स्टॉग डोल्मा (28) सोशलवर्क डिपार्टमेन्ट की पीएचडी स्टूडेंट थी। घटना की जानकारी के बाद यूनिवर्सिटी की एम्बुलेंस के जरिए उसे किशनगढ़ यज्ञनारायण अस्पताल ले जाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

कैंपस में बने हॉस्टल में ही रहती थी

पुलिस के अनुसार मृतक छात्रा कैंपस के हॉस्टल बी-1 में रहती थी। बताया जा रहा है कि आठ बजे फुन्स्टॉग डोलमा ने खाना खाया था। इसके बाद वह अपने हॉस्टल के रूम में चली गई। अन्य गर्ल्स स्टूडेंट ने खिड़की से देखा तो पंखे पर लटकी हुई देखी। इस पर वार्डन को सूचना दी गई। फिर डोल्मा के रूम का दरवाजा तोड़ा गया और उसे नीचे उतारा गया। यहां से उसे यूनिवर्सिटी की डिस्पेंसरी लेकर गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद किशनगढ़ के सरकारी हॉस्पिटल ले गए। हैरानी की बात ये भी है कि इसके बाद भी यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट की ओर से पुलिस को सूचना नहीं दी गई। जब मृतका को हॉस्पिटल ले जाया गया तो वहां से पुलिस को सूचना मिली। इधर, जब सुसाइड की जानकारी दूसरे स्टूडेंट को मिली तो वे रात में ही धरने पर बैठ गए और 7 दिन में घटना की निष्पक्ष जां करने की मांग करने लगे। स्टूडेन्ट का कहना रहा कि मेडिकल डिपार्टमेन्ट के लोगों ने ऑक्सीजन की जगह ड्रिप लगा दी। इससे उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और उसे किशनगढ़ लेकर गए तब तक मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने युवक का कान तोड़ा: पिटाई में अलग हो गया था, 1 घंटे सर्जरी कर दोबारा जोड़ा

बाड़मेर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। हॉस्पिटल में सर्जरी हुई। 1 घंटे तक चले ऑपरेशन में दोबारा कान जोड़ा गया। बाड़मेर में पुलिस की पिटाई से एक युवक का कान टूटकर अलग हो गया। इसके बाद युवक को हॉस्पिटल ले जाया गया। हालांकि सर्जरी कर युवक का दोबारा कान जोड़ दिया गया है। लेकिन, घटना के बाद

युवक की ओर से 6 पुलिकर्मियों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज करवाया गया है। इधर, पुलिस का दावा है कि वह हिस्ट्रीशीट को पकड़ने गई थी, इसी दौरान युवक ने उसे छुड़ाने का प्रयास किया था।

मामला जिले के बायतु थाना क्षेत्र में 25 जुलाई रात 11 बजे का है। वहीं इस घटना के बाद पुलिस की ओर से भी युवक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है।

इस घटना में घायल हुए चनणाराम (30) पुत्र गोरधनराम निवासी सांवलसर हेमजी का तला ने बुधवार को बायतु पुलिस को रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि वह 25 जुलाई की रात बायतु से दो किलोमीटर दूर एक होटल पर खाना खा रहा था।

किसान कल्याण की दिशा में काम कर रही मोदी सरकार : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज तेलंगाना के लोगों से अपील की कि वे भाजपा को राज्य में अगली सरकार बनाने का मौका दें। मेडचल जिले के शमीरपेट में पीएम किसान समृद्धि केंद्र के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान राज्य में किसान समृद्धि केंद्रों का उद्घाटन किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि खुदरा उर्वरक दुकानों को अब पीएम किसान सेवा केंद्रों में शामिल कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों के कल्याण की दिशा में काम कर रही मोदी सरकार ने किसानों की जरूरतों को पहचाना है और उन सभी को एक छत के नीचे लाया है। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक, मृदा परीक्षण, बीज परीक्षण आदि सभी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्रों पर सल्फर लेपित यूरिया भी उपलब्ध कराया जा रहा है और देश भर में 2.8 लाख उर्वरक दुकानों को चरणबद्ध तरीके से 'किसान समृद्धि केंद्रों' में बदल दिया जाएगा। इन्हें चरणबद्ध तरीके से 'मॉडल उर्वरक दुकानों' में भी उन्नत किया जा रहा है। हम जहां भी आवश्यक हो, नई दुकानें स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में 4900 से अधिक उर्वरक दुकानों को पीएम 'किसान समृद्धि केंद्रों' में अपग्रेड किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने किसानों के कल्याण पर विशेष ध्यान दिया है और कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के नारे के साथ, समाज के सभी वर्गों को उचित प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों को सम्मान देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कम लागत वाले उर्वरक, बीज, कृषि उपकरण, मिट्टी परीक्षण, जागरूकता कार्यक्रम और पीएम-किसान के माध्यम से किसानों के खातों में प्रति वर्ष 6,000 रुपये के हस्तांतरण जैसी कई पहल की हैं। उन्होंने कहा कि इन पीएम किसान सेवा केंद्रों का उद्देश्य किसानों के सामने आने वाली कठिनाइयों की पहचान करना और साथ ही उनका समाधान करना है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद यूरिया की आपूर्ति नीम कोटेड के माध्यम से की जा रही है। कालाबाजारी पर अंकुश लगा है. कृषि क्षेत्र में एक और सुधार, प्रधान मंत्री ने 'सल्फर लेपित यूरिया' भी लॉन्च किया। इसके अलावा, 'पीएम-किसान' फंड की 14वीं किश्त कल जारी की जाएगी। आज देशभर के 8.5 करोड़ से ज्यादा किसानों के खाते में 17,500 करोड़ रुपये डाले जाएंगे. तेलंगाना के 39.5 लाख किसानों के खाते में 800 करोड़ रुपये डाले जाएंगे।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स में धमाका सेल का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स, सोमाजीगुड़ा में वार्षिक धमाका सेल का भव्य शुभारंभ किया गया। आज यहाँ प्रतिष्ठान के गौतमचन्द सेहलोत ने बताया कि पिछले 11 वर्ष की भांति इस वर्ष भी नये और प्रतिष्ठित ग्राहकों के लिए वार्षिक धमाका सेल आरंभ किया गया। नगर में जारी लगातार वर्षा के बावजूद खरीददारों की अच्छी खासी भीड़ रही। एसएलजे के प्रमुख मीठालाल सेहलोत का कहा है कि यह सेल मुख्य रूप से नये ग्राहकों को जोड़ती है। वर्षभर प्रतिष्ठान अपने अनुसार उचित दर पर व्यापार करता है और एसएलजे का मानना हषै कि वर्ष में पाँच दिन ग्राहों के मुताबिक व्यापार होना चाहिए। इसी भावना को ध्यान में रखकर गत 11 वर्षों से सेल चलाई जा रही है, जसे अच्छी प्रतिक्रिया भी मिल रही है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सेल में ग्राहक खुश होंगे और आफर्स का भरपूर लाभ उठायेंगे। इस धमाका सेल में आंध्र, तेलंगाना ही नहीं बल्कि देश के कई शहरों से ग्राहक अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं। इस सेल की खासियत नो मेकिंग नो वेस्टेज है, यानि सेल के दौरान गहनों की खरीददारी पर मेकिंग चार्ज नहीं लिया जाएगा। वेस्टेज भी नहीं जोड़ा जाएगा।

अग्रवाल समाज एसआर नगर शाखा की सावन की सैर आयोजित

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज एसआर नगर शाखा की सावन की सैर उज्जैन महाकाल ज्योतिर्लिंग और ओंकारेश्वर इंदौर में संपन्न हुई।

शाखा के मनात मंत्री राकेश अग्रवाल ने बताया शाखा की सावन की शेर 19 जुलाई को नामपल्ली स्टेशन से अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल और कोषाध्यक्ष नवीन अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर प्रस्थान कराया।

इस यात्रा में 60 लोगों ने भाग लिया और सभी ने इसका भरपूर आनंद उठाया। इस यात्रा में हमारे अग्रवाल भाई मदनलाल का विशेष सहयोग रहा जिन्हों वीआईपी दर्शन करवाए अंत में यात्रा के अयोजक हेमचंद गुप्ता अध्यक्ष और सोनू अग्रवाल कोषाध्यक्ष ने सभी का धन्यवाद किया।

एससीआर ने किया ट्रेन रद्द से प्रभावित यात्रियों की सहायता के लिए आवश्यक उपाय

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खतरे के निशान पर पानी बहने के कारण एससीआर में सिकंदराबाद डिवीजन के हसनपर्ती-काजीपेट के बीच खंड को आज सुबह दोनों दिशाओं में ट्रेन की आवाजाही के लिए निलंबित कर दिया गया।

चूंकि यह खंड सिकंदराबाद को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्ग में पड़ता है। बल्हारशाह के रास्ते हैदराबाद से दिल्ली तक नियमित ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। परिणामस्वरूप, गुरुवार को 18:00 बजे तक 5 ट्रेनें रद्द कर दी गईं, 4 ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द कर दी गईं, 2 ट्रेनों का समय बदल दिया गया और 40 ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया गया। इन ट्रेनों में आरक्षण कराने वाले सभी यात्रियों को संदेश भेज दिए गए हैं ताकि वे उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बना सकें। इसके अलावा, न केवल नियमित मार्गों पर बल्कि परिवर्तित मार्गों पर भी सभी प्रमुख स्टेशनों पर हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है, इनमें सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, निज़ामाबाद, वारंगल, काजीपेट, करीमनगर, खम्मम, मनचेरियाल, सिरपुर कागजनगर, रामागुंडम, ओंगोल, समालकोट, राजमुंदरी आदि स्टेशन शामिल हैं। इसके अलावा, महत्वपूर्ण स्टेशनों पर भी हेल्पलाइन नंबर खोले गए हैं: सिकंदराबाद (040-27801111/27786666), काजीपेट (08702576430), विजयवाड़ा (0866-2576924), गुडुर (7815909300) आदि शामिल हैं। यात्रियों की जानकारी के लिए ट्रेनों की आवाजाही में बदलाव के बारे में सभी स्टेशनों पर नियमित सार्वजनिक घोषणाएं की जा रही हैं। स्टेशनों पर रेल यात्रियों के मार्गदर्शन और सहायता के लिए टिकट जाँच और रेलवे कर्मचारियों को तैनात किया गया था। जिन यात्रियों की ट्रेन रद्द हो गई थी, उनके लिए रिफंड की व्यवस्था की गई। प्रभावित रेल यात्रियों के लिए पर्याप्त खानपान व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए, पैंट्री सुविधा वाली ट्रेनों की पहचान की गई है और पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके अलावा, अन्य ट्रेनों के यात्रियों के लाभ के लिए, (परिवर्तित) मार्ग पर खानपान इकाइयों को भी यात्रियों के लाभ के लिए पर्याप्त स्टॉक रखने के लिए सूचित किया गया है। स्टेशनों पर फंसे यात्रियों को भोजन और पानी भी उपलब्ध कराया गया, जहां ट्रेनों को नियंत्रित किया गया था। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को सभी सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करते हुए जल्द से जल्द ट्रेन की आवाजाही बहाल करने के लिए आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिया। उन्होंने यात्रियों को कम से कम असुविधा सुनिश्चित करने और नियमित ट्रेन चालन में किसी भी बदलाव के बारे में यात्रियों को समय पर सूचना प्रसारित करने पर जोर दिया। महाप्रबंधक ने विभिन्न स्तरों पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया और बारिश की प्रगति पर कड़ी नजर रखें और किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें।

भारी बारिश के मद्देनजर एसपी ने किया बाढ़ग्रस्त इलाकों का निरीक्षण

कुमरम भीम आसिफाबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों से जिले में हो रही भारी बारिश के कारण कई इलाकों है बाढ़ ग्रस्त हो जाने के कारण लोगों काजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। इसको मद्देनजर रखते हुए आसिफाबाद एसपी के सुरेश कुमार ने गुरुवार के दिन बाढ़ ग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया। असिफाबाद और कागजनगर डिवीजन के अंतर्गत कई इलाकों में बाढ़ आ गई है, निगरानी करें, लोग सतर्क रहें।आसिफाबाद में गुंडी नदी में, बड़े नाले में बाढ़ आ गई जिला एसपी के सुरेश कुमार आईपीएस और आसिफाबाद डीएसपी श्रीनिवास ने दौरा किया और स्थिति की समीक्षा की क्योंकि प्रवाह उग्र था। कागज नगर डीएसपी करुणाकर और चिंताला मनेपल्ली मंडल ने कागजनगर डिवीजन के अंतर्गत बाबासागर वागु, डिंडा वागु और गुडेम में प्राणहिता नदी की बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया। एसपी ने कहा कि बाढ़ संभावित क्षेत्रों में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।उन्होंने कहा कि बाढ़ संभावित क्षेत्रों में जलधाराओं को पार न करें।बिना किसी रुकावट के त्वरित कार्रवाई की जा रही है. एसपी ने किसानों और मछुआरों से से बात की और उनका हाल जाना।

केंद्र नितिन गडकरी को दिया नए राष्ट्रीय राजमार्ग की आधारशिला रखने के लिए आमंत्रण

कुमरम भीम आसिफाबाद/नई दिल्ली, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार ने हाल ही में 11 हजार करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से मंचिरयाला जिले के तांडूर से भीमिनी, दहेगांम, कागज नगर, सिरपुर और कौटाला मंडलों के माध्यम से महाराष्ट्र के गढ़चिरौली तक एक नए राष्ट्रीय राजमार्ग को मंजूरी दी है।इसकी मान्यता में, केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को आज संसद में आदिलाबाद के सांसद सोयम बापू राव और भाजपा नेता डॉ. पालवाई हरीश बाबू ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री को शीघ्र ही कौताला मंडल केंद्र में आयोजित होने वाले शिलान्यास समारोह में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में नेता चप्पिदा सत्यनारायण, एलकारी दामोदर और अन्य ने भाग लिया।

नारायण सेवा संस्थान उदयपुर की हैदराबाद शाखा द्वारा आयोजित शिविर में निःशुल्क ह्विल चेयर व कृत्रिम अंग वितरित किये गये। इस अवसर पर उपस्थित हैं पूर्व अध्यक्ष उत्तम जैन डामरानी, शाखा संयोजिका अलका चौरी व अन्य।

गजवेल डीसीसी अध्यक्ष और पूर्व विधायक नरसा रेड्डी ने गजवेल मंडल के रामचंद्रपुरम गांव में पदयात्रा कर जनसमस्याओं का जायजा ले रहे हैं। यइ पदयात्रा में पूर्व पीसीसी अध्यक्ष और पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव ने भी भाग लिया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बात की और डबल बेडरूम घर और एससी ऋण देने के बारे में जानकारी ली।

आईआईटी और एनआईटी के डीन (शिक्षाविदों) का सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद (आईआईटीएच) ने सभी आईआईटी और एनआईटी के दो दिवसीय डीन (शिक्षाविद) कॉन्क्लेव का आयोजन किया। आईआईटीएच के निदेशक प्रोफेसर बीएस मूर्ति ने प्रतिभागियों से भारतीय तकनीकी-शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के भविष्य को आकार देने के लिए नवीन और टिकाऊ समाधान तलाशने के लिए अपनी मूल्यवान अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने का अनुरोध किया। कॉन्क्लेव का एजेंडा तेजी से बदलती दुनिया में आगे बढ़ने के लिए छात्रों को ज्ञान, कौशल और मूल्यों के साथ सशक्त बनाने के लिए समर्पित था।

शिक्षा में उत्कृष्टता की विरासत के साथ, हम दयालु, नवोन्मेषी और जिम्मेदार वैश्विक नागरिकों को आकार देने और सहयोग को बढ़ावा देने, नवोन्मेषी विचारों का आदान-प्रदान करने और उच्च शिक्षा के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में आईआईटी और एनआईटी जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने का प्रयास करते हैं। शिक्षा और एनईपी दिशानिर्देशों के अनुसार सुधार के संभावित क्षेत्रों का पता लगाना। विचार-विमर्श का समन्वय प्रोफेसर सप्तर्षि मजूमदार, डीन (शिक्षाविद), आईआईटीएच द्वारा किया गया था। कॉन्क्लेव का विषय एनईपी मामलों, रिसर्च स्कॉलर अफेयर्स (पीएचडी), एमटेक शिक्षा और कोर इंजीनियरिंग शाखाओं, देश के तकनीकी-शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के साथ कौशल विकास, आईआईटी और एनआईटी में सर्वोत्तम प्रथाओं के समेकन और चर्चाओं से प्राप्त निष्कर्षों पर ध्यान केंद्रित करना था। उपरोक्त सभी विषय. कॉन्क्लेव का नतीजा शिक्षा मंत्रालय को एक श्वेत पत्र के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों के सहयोग से डामर प्लांट के लिए परमिट, लोग गंभीर संकट में : कार्तिक

कुमरम भीम आसिफाबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के रेबेना मंडल के रामपुर गांव के पास बिना किसी अनुमति के एक डामर प्लांट बनाया जा रहा है और इससे ग्रामीणों को गंभीर नुकसान हो रहा है। उस प्लांट के धुएं से होने वाले प्रदूषण से लोग कई त्वचा रोगों से पीड़ित हो रहे हैं।

इसी तरह खेतों में धुआं उड़ने से फसल को नुकसान हो रहा है। वहीं मामले में अधिकारियों या जन प्रतिनिधियों से कोई जवाब नहीं आ रहा है।इसे देखकर हम समझ सकते हैं कि जन प्रतिनिधियों के मन में जनता के प्रति कितना प्रेम है।

अगर गांव के बगल में लगे डामर प्लांट को तुरंत नहीं हटाया गया तो हम चेतावनी दे रहे हैं कि ग्रामीण भारतीय प्रजातंत्र युवजन समाख्या डीवाईएफआई जिला समिति में शामिल होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।हम उस प्लांट को हटाना चाहते हैं और रामपुर नवेगाम के लोगों के साथ न्याय करना चाहते हैं।' इस कार्यक्रम में डीवाईएफआई के जिला उपाध्यक्ष चपिदी पुरूषोत्तम और दुर्गम निखिल नेता शामिल हुए।

अष्टलक्ष्मी महायज्ञ जारी, भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुरलीधर मंदिर हाईकोर्ट रोड के प्रांगण में पुण्यदाई मास पुरुषोत्तम मास में भारी वर्षा के बीच अष्टलक्ष्मी महायज्ञ लगातार जारी है तथा यह यज्ञ 29 जुलाई तक चलेगा। पंडित संजय शर्मा के आचार्यत्व में योग्य पंडितों के द्वारा आहूतियां देकर नित्य राजमानों के साथ श्री कनकधारा के स्त्रोत्रों व श्री सूक्त की ऋचाओ का शुद्ध उच्चारणों के साथ दी जा रही है। पंडित संयज शर्मा के वक्तव्य में ये पावन पुनीत पर्व अधिक श्रावण मास (पुरुषोत्तम) मास 19 वर्षों के बाद आया है। पंडित संजय शर्मा के आचार्यत्व में पिछले 25 वर्षों से अष्टलक्ष्मी महायज्ञ यजमानों व भक्तों के हितार्थ किया जा रहा है। ये आचार्य के आचार्यत्व में 9वां महायज्ञ अनुष्ठान हो रहा है।

यज्ञ प्रातः 8 बजे से 10 बजे व मध्याह्न 4 बजे से सायं 7 बजे तक निर्बाध रूप से चल रहा है। आहूतियों के पश्चात आरती के यजमानों द्वारा की जाती है। इसके पश्चात नित्य भंडारा सभी भक्तों के लिये किया जा रहा है। उपरोक्त पुनीत व पावन पार्व के प्रधान सहयोगी नरेन्द्र भाई गोयल का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। यथासमय पर आदि गौड विप्र समाज के अध्यक्ष श्रीकिशन शर्मा का भी यथायोग्य सहयोग प्राप्त हो रहा है। प्रधान आचार्य पं. संजय शर्मा व नरेन्द्र भाई गोयल ने सभी धर्म प्रेमियों से सादर अनुरोध है कि पावन अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) में अष्टलक्ष्मी महायज्ञ में उपस्थित होकर पुण्य व प्रसाद के भागीदार बनें। आज के यज्ञ में श्रीमती बबीता-सुनील केडिया यज्ञ यजमान तथा किशोर गुप्ता व किरण तायल आरती यजमान रहे।

एमआरओ से मुलाकात कर की गई जनसमस्याओं का समाधान

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली के एमआरओ प्रसाद से शिष्टाचार मुलाकात कर लगातार बारिश के मद्देनजर गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र को किसी भी दुर्घटना की स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए कहा गया। गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने एमआरओ बताया कि प्राचीन इमारतों के ढहने के खतरे के संदर्भ में वे राजस्व आरआई के साथ निरीक्षण करें और लोगों की समस्याओं का समाधान जल्द कराएं। इसी तरह किसी भी दुर्घटना की स्थिति में तत्काल मुआवजा देने का अनुरोध किया गया है। सकारात्मक प्रतिक्रिया देने वाले एमआरओ ने इस पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। उन्होंने गोशामहल के लोगों की ओर से उन्हें धन्यवाद दिया। इसी तरह, जीएचएमसी, बिजली और जल कार्य के अधिकारियों को भी किसी भी शिकायत का तुरंत समाधान करने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा कि गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को किसी आपात स्थिति में ही घर से बाहर निकलना चाहिए और सुनिश्चित करें कि बच्चों को बाहर न भेजा जाए। मैन होल पर सावधान रहने की सलाह दी जाती है। कार्यक्रम में जामबाग मंडल के महासचिव जी. नंदू कुमार, बलाराजू, भरत, किरण व अन्य शामिल हुए।

ग्रेटर हैदराबाद में अंतर क्षेत्रीय चेस्स टूर्नामेंट 2023 का आयोजन आज से

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। देश की अग्रणी कंपनी पावरग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक हरिनारायणन पीके ने बताया कि, ग्रेटर हैदराबाद में अंतर क्षेत्रीय चेस्स टूर्नामेंट 2023 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह टूर्नामेंट कल से परसों तक अर्थात 28 जुलाई से 30 जुलाई तक आयोजित किया जायेगा। इस संदर्भ में, पावरग्रिड सीजीएम हरिनारायणन ने आगे बताया कि, पावरग्रिड व्दारा अंतर क्षेत्रीय चेस्स टूर्नामेंट 2023 का भव्य आयोजन, कार्यक्रम स्थल होटल ताज दक्कन, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में किया जा रहा है।

रोहित बोले- बुमराह की रिकवरी अच्छी

वर्ल्ड कप से पहले जितना खेलें, उतना अच्छा ; विराट पर कहा- उन्हें कुछ बताने की जरूरत नहीं

बारबाडोस, 27 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे की सीरीज से पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा बोले, 'अनुभवी खिलाड़ियों की इंजरी से टीम को परेशानी होती है। बुमराह फिलहाल अच्छा कर रहे हैं। पता नहीं वो आयरलैंड जाएंगे या नहीं, लेकिन वर्ल्ड कप से पहले वो जितने ज्यादा मैच खेलें, टीम के लिए उतना अच्छा रहेगा।'

विराट ने 5 साल बाद विदेश में टेस्ट शतक लगाया। उनके फॉर्म पर रोहित ने कहा, 'विराट उन खिलाड़ियों में से हैं, जिन्हें ज्यादा बताने की जरूरत नहीं पड़ती। बाहर क्या हो रहा है, टीम को इस बात से फर्क नहीं पड़ता।'

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला वनडे आज शाम 7 बजे से खेला जाएगा। मैच से पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, आइए जानते हैं उनकी अहम बातें...

1. हमारा फोकस टीम की सक्सेस पर

'बाहर जो बातें होती हैं, किसने

कितने रन बनाए, कितने विकेट लिए, उन लोगों को नहीं पता कि अंदर क्या होता। हम चाहते हैं कि ये चीजें अंदर ही रहें। हमारे लिए जरूरी यही है कि किस तरह सभी प्लेयर्स का बेस्ट निकले। किस तरह टीम मैच और सीरीज जीते, हमारा फोकस इसी पर रहता है। बाहर कौन किस तरह से बात करता है, हमारे लिए वो बिलकुल मायने नहीं रखता। मैं ये चीज बहुत बार बोल चुका हूं और हर बार यही बोलता रहूंगा। हमारा फोकस टीम की सक्सेस पर ही रहता है।

कुछ प्लेयर्स ऐसे होते हैं, जिनसे (विराट) बातें करने की जरूरत नहीं पड़ती। टीम में काफी नए लड़के आए हैं, हमारा फोकस यही रहता है कि कैसे उन्हें मौका दिया जाए। टीम के किसी भी प्लेयर को ये नहीं बताया जा सकता कि बैट कैसे पकड़ा जाता है। हमारा फोकस प्लेयर्स को कम्फर्ट देने पर ज्यादा रहता है, हम टीम के फायदे पर ही ध्यान रखते हैं।'

2. जसप्रीत बुमराह का अनुभव टीम के लिए अहम

'बुमराह का एक्सपीरिएंस टीम के लिए काफी अहम है, मुझे पता नहीं कि उनका सिलेक्शन आयरलैंड सीरीज के लिए होगा या नहीं। अगर उन्हें मैच खेलने को मिले तो अच्छी बात होगी, हम कोशिश करेंगे कि उन्हें वर्ल्ड कप से पहले जितने ज्यादा मैच खेलने को मिले उतना अच्छा रहेगा। हमारी कोशिश यही रहेगी कि अगर कोई प्लेयर वर्ल्ड कप खेलने का दावेदार है तो उसे ज्यादा से ज्यादा वनडे मैच मिल सके।'

3. बैटिंग-बॉलिंग में 15-20 ऑप्शन

'टीम सिलेक्शन बिलकुल भी आसान नहीं होता, टीम में खेलते 11 ही प्लेयर्स हैं। उनमें भी बैटर्स 6 या 7 ही हो सकते हैं, उसके लिए हमारे पास 15-20 अच्छे ऑप्शंस हैं। बॉलिंग के लिए भी इसी तरह का माहौल होता, टीम में 3 या 4 पेसर्स की ही जगह होती है, लेकिन ऑप्शन कई होते हैं। हर टीम को इस तरह की सिचुएशन से जूझना पड़ता है। हम देखते हैं कि हमारे प्लान में कौन से प्लेयर अच्छा परफॉर्म कर सकते हैं। टीम की जरूरत के हिसाब से ही हम टीम सिलेक्ट करते हैं, प्लान के हिसाब से ही प्लेयर्स को कोई रोल दिया जाता है।'

4. सभी को फिट रख पाना सबसे बड़ा चैलेंज

'वर्ल्ड कप से पहले अनुभव बहुत जरूरी होता है, लेकिन कई बार प्लेयर्स को इंजरी हो जाती है तो ऐसे में हमें पता नहीं लगता क्या करना है। मैच में कभी भी इंजरी हो सकती है, इसलिए हमें सबस्टिट्यूट प्लेयर्स पर भी फोकस करना होता है। मैं उम्मीद करूंगा जिस स्क्वॉड के साथ हम खेलना चाहते हैं, हम उन्हीं प्लेयर्स के साथ वर्ल्ड कप में उतरें।'

5. वर्ल्ड कप से पहले 10-12 वनडे टीम सिलेक्शन के लिए काफी

'वेस्टइंडीज में 3 वनडे हैं, एशिया कप के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 3 वनडे होंगे। कुल मिलाकर हम 10 से 12 वनडे खेलने वाले हैं। 10-12 वनडे का टाइम वर्ल्ड कप की फाइनल टीम बनाने के लिए काफी है। वेस्टइंडीज सीरीज इसलिए अहम है, क्योंकि काफी सारे नए प्लेयर्स टीम में हैं। हमें भी पता लगेगा कि प्लेयर्स मुश्किल सिचुएशन में कैसा परफॉर्म करते हैं।'

मोहम्मद सिराज को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से आराम

टेस्ट टीम के साथ भारत लौटे; मुकेश कर सकते हैं डेब्यू

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे की सीरीज से आराम दिया गया है। वो टेस्ट सीरीज का हिस्सा रहे आर अश्विन, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत और नवदीप सैनी के साथ ही भारत लौट गए हैं। सिराज को वनडे सीरीज के लिए चुना गया था, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने अचानक उन्हें आराम देने का फैसला कर लिया।

सिराज ने पोर्ट ऑफ स्पेन में ड्रॉ रहे दूसरे टेस्ट में 5 विकेट लिए थे और पहली बार टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। डॉमनिका टेस्ट में भी उन्होंने 2 विकेट लिए थे। आर अश्विन (15) के बाद वह सीरीज में भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे।

मोहम्मद सिराज की जगह टीम में किसे लिया जाएगा, इस पर फैसला नहीं हुआ है। आज यानी गुरुवार को होने वाले पहले वनडे के साथ भारत के पास जयदेव उनादकट, उमरान मलिक, शार्दूल ठाकुर और मुकेश कुमार जैसे तेज गेंदबाज मौजूद हैं।

सिराज की गैरमौजूदगी में मुकेश कुमार को वनडे में डेब्यू का मौका मिल सकता है। हार्दिक के रूप में पेस बॉलिंग ऑलराउंडर के होने से शार्दूल को बिठाया जा सकता है। मुकेश को दूसरे टेस्ट में टेस्ट डेब्यू का मौका भी मिला था, जिसमें उन्होंने 2 विकेट लिए थे। जबकि जयदेव उनादकट को 2 टेस्ट में कोई विकेट नहीं मिला, ऐसे में मुकेश को ही उनके ऊपर भी प्राथमिकता देकर वनडे डेब्यू कराया जा सकता है।

सिराज की गैरमौजूदगी में शार्दूल ठाकुर 35 मैचों में 50 विकेट के साथ भारत की टीम में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। अगर शार्दूल और मुकेश दोनों को मौका मिला तो उमरान मलिक को बाहर बैठना पड़ सकता है।

वनडे वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया का शेड्यूल काफी व्यस्त है। भारत को अगस्त-सितंबर में एशिया कप खेलना है। इसके बाद घर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की वनडे सीरीज भी रहेगी।

सिराज ने अपना आखिरी वनडे मैच मार्च 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। सिराज ने वनडे में 2022 की शुरुआत से अब तक 43 विकेट लिए, जो किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : रोहित नौवें स्थान पर पहुंचे

यशस्वी जायसवाल को 11 स्थान का फायदा; गेंदबाजों में अश्विन टॉप पर

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। युवा भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में 11 पायदान ऊपर चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि कप्तान रोहित शर्मा में नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। बुधवार को आईसीसी ने नई प्लेयर और टीम रैंकिंग जारी की।

पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ ड्रॉ हुए दूसरे टेस्ट में 57 और 38 के स्कोर ने 21 वर्षीय जयसवाल को बैटिंग रैंकिंग में पहुंचा दिया है। अब उनके 466 अंक हैं। दूसरे टेस्ट में 80 और 57 रन बनाने वाले रोहित टॉप रैंकिंग वाले भारतीय टेस्ट बल्लेबाज बने रहे। उनके 759 अंक हैं और वह श्रीलंकाई बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने के साथ नौवें स्थान पर हैं।

कोहली 14वें नंबर पर

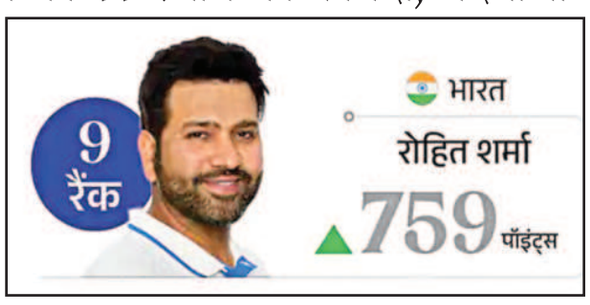

रोहित के पीछे उनके साथी खिलाड़ी ऋषभ पंत हैं, जो 743 अंकों के साथ एक पायदान नीचे 12वें स्थान पर खिसक गए। विराट कोहली 733 अंकों के साथ 14वें स्थान पर बने हुए हैं।

लाबुशेन दूसरे नंबर पर पहुंचे

चौथे एशेज टेस्ट के बाद रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियन और इंगलिश खिलाड़ी आगे बढ़ें हैं। ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन और इंग्लैंड के जो रूट तीन-तीन पायदान आगे बढ़ते हुए क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज केन विलियमसन 883 रेटिंग पॉइंट्स के साथ लिस्ट में टॉप पर बने हुए हैं।

इंग्लैंड के जैक क्रॉली 13 स्थान ऊपर 35वें स्थान पर, हैरी ब्रूक 11वें स्थान पर और जॉनी बेयरस्टो तीन स्थान ऊपर उठकर 19वें स्थान पर हैं।

अश्विन बॉलर्स में टॉप पर

अनुभवी भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (879) गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर बने हुए हैं। जबकि रवींद्र जड़ेजा (782) छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी लिस्ट में ऊपर की ओर देखा गया है और वह छह स्थान ऊपर 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

गॉल में श्रीलंका के प्रभात जयसूर्या के सात विकेट ने उन्हें 7 रैंकिंग की बढ़त दी। वह ऊपर अपने करियर के बेस्ट सातवें स्थान पर पहुंच गए है। जयसूर्या के स्पिन जोड़ीदार रमेश मेंडिस मैच में छह विकेट लेकर एक स्थान ऊपर 21वें स्थान पर हैं। ऑलराउंडर्स में, जडेजा और अश्विन टॉप 2 स्पॉट पर बने हुए हैं, जबकि अक्षर पटेल पांचवें नंबर पर बरकरार हैं।

एशियाड में हिस्सा लेंगी भारत की फुटबॉल टीम

खेल मंत्रालय से हरी झंडी मिली; मेंस-विमेंस की अंडर-23 टीम में 3 सीनियर प्लेयर रख सकेंगे

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय मेंस और विमेंस फुटबॉल टीम 23 सितंबर से चीन के हांगझू में होने वाले आगामी एशिया कप में हिस्सा लेंगी। भारतीय फुटबॉल टीम इस समय 18वें स्थान पर है। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। एशियाड के फॉर्मेट के मुताबिक अंडर-23 टीम और 3 सीनियर प्लेयर्स हिस्सा लेंगे। आखिरी बार टीम ने 2014 के एशियाड में हिस्सा लिया था। भारतीय टीम को 2018 के एशियाड में खेलने की अनुमति नहीं मिली थी। खेल मंत्रालय का नियम कहता है कि टीम इवेंट में केवल एशिया टॉप -8 रैंक में शामिल टीमों को ही जाने की अनुमति मिलेगी।

अंडर-23 का साथ 3 सिनियर टीम प्लेयर के भी स्क्वाड का हिस्सा होंगे। इसमें भारत की ओर से कप्तान सुनील छेत्री, स्टार डिफेंडर संदेश झिंगन और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू टीम का हिस्सा होंगे। वहीं, सीनियर टीम के क्रोएशियाई कोच इगोर स्टिमैक कोच होंगे।

क्रोएशियाई कोच इगोर स्टिमैक

के नेतृत्व में नेशनल टीम ने एसएएफएफ चैंपियनशिप जीतकर एक बार फिर फीफा रैंकिंग में टॉप-100 क्लब में प्रवेश किया है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय फुटबॉल फेडरेशन अपने कप्तान सुनील छेत्री के नेतृत्व में एशियाई खेलों में अपनी पहली टीम भेजने को लेकर उत्साहित है।

1970 से फुटबॉल में मेडल नहीं जीत सका भारत

एशियन गेम्स इसी साल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर के बीच चीन के हांगझू में होंगे। एशियाड में फुटबॉल की यू-23 टीमों के मुकाबले ही होंगे। जिसमें सीनियर टीम के 3 ही खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे। भारत ने एशियन गेम्स (1951 और 1962) में 2 गोल्ड मेडल जीते हैं। टीम 1970 में एक ब्रॉन्ज मेडल भी जीत चुकी है।

भारतीय टीम में इस समय लालिंगजुआला चांग्ते और जैक्सन सिंह जैसे यंग खिलाड़ी हैं। इन्हें एशियाड में जापान, ईरान और साउथ कोरिया जैसी टॉप टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। इस टूर्नामेंट से भारत की यंग टीम का पोटेंशियल भी हम जान सकेंगे।

जापान ओपन बैडमिंटन : सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

प्रणय ने हमवतन श्रीकांत को हराया; लक्ष्य सेन भी जीते

टोक्यो, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी BWF जापान ओपन सुपर 750 के मेंस डबल्स में गुरुवार को क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। उनके अलावा एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन को भी जीत मिली। वहीं विमेंस डबल्स में त्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद पुलेला की भारतीय जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा।

एचएस प्रणय ने दूसरे राउंड में हमवतन किदांबी श्रीकांत को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। प्रणय ने श्रीकांत को 19-21 21-9, 21-9 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वहीं, लक्ष्य ने जापान के कांता त्सुनेयामा को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए है। उन्होंने त्सुनेयामा को 21-14, 21-16 से हराया।

कोरिया ओपन जीतने वाले सात्विक और चिराग ने डेनमार्क के लास्से मोल्हेडे और जेप्पे बे को 21-17, 21-11 से मात दी। विमेंस डबल्स जोड़ी त्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद पुलेला टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। उन्हें जापानी जोड़ी चिहारू शिदा और नामी मात्सुयामा ने 21-23, 19-21 से हराया।

फ्रेंच स्टार किलियन एम्बाप्पे ने 2725 करोड़ रुपये का ऑफर ठुकराया, सऊदी अरब नहीं जाएंगे खेलने

खेल डेस्क, 27 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे ने सऊदी अरब के क्लब अल हिलाल के लिए खेलने का ऑफर ठुकरा दिया है। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के लिए क्लब फुटबॉल खेलने वाले एम्बाप्पे ने अल हिलाल के प्रतिनिधियों से मिलने से मना कर दिया है। इससे सऊदी क्लब की महत्वाकांक्षाओं को झटका लगा है। अल हिलाल ने एम्बाप्पे के सामने रिकॉर्ड 300 मिलियन यूरो (करीब 2725 करोड़ रुपये) का ऑफर रखा था।

फ्रांस के अखबार एल इक्विप की रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांसीसी स्टार ने इस बुधवार को पेरिस में मौजूद अल-हिलाल क्लब के प्रतिनिधियों के साथ किसी भी तरह की चर्चा से इनकार कर दिया है। जेनिट सेंट

पीटर्सबर्ग से ब्राजीलियाई खिलाड़ी मैल्कॉम के ट्रांसफर को अंतिम रूप देने के लिए सऊदी क्लब का एक प्रतिनिधिमंडल पेरिस आया था। प्रतिनिधिमंडल फ्रांस की राजधानी में रहते हुए एम्बाप्पे के सामने अपना प्रोजेक्ट भी पेश करना चाहता था। रिपोर्ट में यह कहा गया कि 24 वर्षीय खिलाड़ी के एजेंट ने सऊदी क्लब के प्रतिनिधियों के साथ किसी भी चर्चा से इनकार कर दिया। फ्रांस के कप्तान एम्बाप्पे ने कभी भी सऊदी अरब जाने के विकल्प पर विचार नहीं किया। रियाद स्थित अल हिलाल को पीएसजी द्वारा एम्बाप्पे के साथ बातचीत शुरू करने की अनुमति दी गई थी। पीएसजी को पता था कि एम्बाप्पे कभी सऊदी लीग में नहीं खेलना चाहते हैं। इसके बावजूद उसने अल-हिलाल को अनुमति दी थी।

एम्बाप्पे ने पिछले महीने कहा था कि वह जून 2024 के बाद वह पीएसजी के साथ अपना करार आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं। उनके इस बयान से क्लब हैरान हो गया था। एम्बाप्पे ने 2022 में पीएसजी के साथ नया करार किया था। तब उन्होंने 2025 तक टीम के साथ रहने का वादा किया था। एम्बाप्पे और पीएसजी के बीच हुए करार के मुताबिक, 2024 तक एम्बाप्पे क्लब के खिलाड़ी रहेंगे। जून 2024 के बाद वह अपने करार को एक साल के लिए बढ़ा सकते हैं। अब एम्बाप्पे ने एक साल पहले ही क्लब को पत्र लिखकर बता दिया है वह जून 2024 के बाद करार को आगे नहीं बढ़ाएंगे। एम्बाप्पे नए क्लब की तलाश में हैं। पेरिस सेंट जर्मेन से उनका करार अगले समाप्त होगा, लेकिन क्लब ने उन्हें नई टीम खोजने का आदेश दे दिया है।

असली राशिद खान कौन ?

पहचानने में चकरा जाएगा सिर, देखें फोटो

खेल डेस्क, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राशिद खान क्रिकेट में बड़ा नाम हैं। अफगानिस्तान का ये स्टार खिलाड़ी दुनिया भर में टी20 लीग खेलता है। अपनी लेग स्पिन से दिग्गज बल्लेबाजों को झटके में फंसाने वाले राशिद इन दिनों अमेरिका में खेली जा रही मेजर लीग क्रिकेट में कमाल कर रहे हैं। इस लीग के 15वें मुकाबले में कुछ ऐसा हुआ, जिसे देख फैंस कंन्फ्यूज हो जाएंगे। मेजर लीग क्रिकेट में फैंस उस वक्त चौंक गए जब राशिद खान ने अपने डुप्लीकेट से मुलाकात की। मेजर लीग क्रिकेट की टीम सिएटल ओरकास ने राशिद खान और उनके डुप्लीकेट की फोटो अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर की है। इस फोटो में सिएटल के स्टार बल्लेबाज नौमान अनवर और एमआई न्यूयॉर्क के लिए खेल रहे राशिद खान नजर आ रहे हैं। इस फोटो में असली राशिद खान को पहचानना मुश्किल है, क्योंकि दोनों की कद काठी और शक्ल काफी मिल रही है।

दरअसल, नौमान अली मेजर लीग क्रिकेट में सिएटल ओरकास का हिस्सा हैं। जबकि राशिद एमआई न्यू यॉर्क के लिए खेल रहे हैं। इन दोनों खिलाड़ियों की टीम का मुकाबला 25 जुलाई को खेला गया, जिसमें नौमान की टीम ने 2 विकेट से जीत दर्ज की। इस मैच में नौमान ने अपनी टीम के लिए कमाल की बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों पर 6 चौके और 3 छक्कों की मदद से ताबड़तोड़ 51 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी।

हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री का सेक्शुअल हैरेसमेंट केस

महिला कोच का मोबाइल डेटा रिकवर; चैट के रिकॉर्ड मिले, नए नाम सामने आए

चंडीगढ़, 27 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह सेक्शुअल हैरेसमेंट केस में एक नया मोड़ आ गया है। जूनियर महिला कोच के फोन का डेटा चंडीगढ़ पुलिस ने रिकवर कर लिया है। फोन से पुलिस को चैट के रिकॉर्ड मिले हैं, जिस आधार पर मंत्री संदीप सिंह और जूनियर महिला कोच से पुलिस की एसआईटी पूछताछ कर चुकी है। साथ ही मोबाइल डेटा में कुछ नए नाम भी सामने आए हैं, ये वे लोग हैं जिनके नाम जूनियर महिला कोच ने पुलिस पूछताछ में लिए थे।

इन लोगों से भी चंडीगढ़ पुलिस की एसआईटी ने सेक्टर-26 थाने बुलाकर कई सवालों के जवाब लिए हैं।

साइबर सेल ने की जांच

इस पूरे विवाद में चंडीगढ़ एसआईटी की टीम ने पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह और जूनियर महिला कोच के मोबाइल जब्त किए थे। संदीप सिंह के 2 मोबाइल की जांच चंडीगढ़ पुलिस की साइबर सेल टीम जांच कर रही थी। महिला कोच ने संदीप सिंह से सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म पर चैटिंग के आरोप लगाए हैं। टीम इस चैट को रिकवर कर मामले की पड़ताल की है।

7 से 10 दिनों के अंदर दाखिल होगी चार्जशीट

चंडीगढ़ पुलिस अब इस मामले में और देरी नहीं करना चाहती है। इसलिए सभी पहलुओं पर जांच कर

संदीप सिंह, पूर्व खेल मंत्री, हरियाणा

एक विस्तृत चार्जशीट पुलिस ने तैयार की है। चंडीगढ़ पुलिस सूत्रों के अनुसार अब एसआईटी इस केस की चार्जशीट तैयार करने में जुटी है। सूत्रों की माने तो पुलिस 7 से 10 दिनों के भीतर ही कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करेगी। यहां बता दें कि केस दर्ज होने के 90 दिन तक पुलिस को चार्जशीट दाखिल करना जरूरी होता है।

10 पॉइंट्स में समझिए पूरा मामला...

- 26 दिसंबर को जूनियर महिला कोच ने खेल मंत्री संदीप सिंह पर छेड़खानी का खुलासा किया।
- 27 दिसंबर को संदीप सिंह के समर्थन में खेल विभाग की डिप्टी डायरेक्टर कविता आईं।
- 28 दिसंबर को खेल मंत्री संदीप सिंह विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता से मिलने पहुंचे।
- 29 दिसंबर 2022 को जूनियर महिला कोच ने चंडीगढ़ पुलिस को इस मामले की शिकायत दी।
- हरियाणा के डीजीपी ने जांच के लिए 3 मेंबरों की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बना दी।
- 29-30 दिसंबर को पुलिस एक्शन में आई। मंत्री के खिलाफ सबूत जुटाने शुरू किए।
- 31 दिसंबर को शुरूआती जांच में महिला कोच की बताई बातें पुलिस को सही लगीं।
- मंत्री के खिलाफ धारा 354, 354ए, 354 बी, 342 और 506 के तहत केस दर्ज कर लिया।
- चंडीगढ़ पुलिस ने 1 जनवरी को खुलासा किया कि मंत्री के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।
- केस दर्ज होने के बाद संदीप सिंह ने खेल मंत्रालय छोड़ दिया, हालांकि वह अभी भी हरियाणा सरकार में प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी मंत्री हैं।

पाकिस्तान ने श्रीलंका को पारी और 222 रनों से हराया

सीरीज पर 2-0 से कब्जा; दूसरी पारी में नोमान ने 7 विकेट झटके

कोलंबो, 27 जुलाई (एजेंसियां)। दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में पाकिस्तान ने श्रीलंका को पारी और 222 रनों से हरा दिया। इसी के साथ पाकिस्तान ने सीरीज भी 2-0 से जीत ली। पाकिस्तान के लिए नोमान अली ने 7 विकेट झटके। वहीं बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक ने दोहरा शतक जड़ा। श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला कोलंबो में खेला गया। श्रीलंका ने पहली पारी में 166 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान पांच विकेट के नुकसान पर 576 रन बनाकर पहली पारी घोषित कर दिया था। मैच के चौथे दिन पाकिस्तान 563/5 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया, और 576 रन के स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर दिया। जवाब में श्रीलंका टीम 188 रन पर

ऑल आउट हो गई। इस तरह पाकिस्तान ने मैच पारी और 222 रन से जीत लिया। पाकिस्तान ने पहला टेस्ट 4 विकेट से जीता था।

श्रीलंका के लिए दूसरी पारी में एंजेलो मैथ्यूज ने 63 रनों की नाबाद पारी खेली। मैथ्यूज ने सात चौके और दो छक्के लगाए। उनके अलावा कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने 41 रनों का योगदान दिया। निशान मदुश्का 33, रमेश मेंडिस 16 और कुसल मेंडिस 14 रन बनाए। मैच की दूसरी पारी में पाकिस्तान की ओर से नोमान अली ने सात और नसीम शाह ने तीन विकेट लिए।

पाकिस्तान के लिए दोहरा शतक लगाने वाले शफीक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं टीम के ऑलराउंडर आगा सलमान (221 रन, 3 विकेट) को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला कोलंबो में खेला जा रहा है। मैच के तीसरे दिन पाकिस्तान ने 145/2 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। तीसरे दिन स्टंप्स तक पाकिस्तान ने 5 विकेट खो कर 563 रन बना लिए हैं। आगा सलमान 132 रन और मोहम्मद रिजवान 37 रन बना कर नाबाद रहे।

जनहानि रोकने के लिए सुरक्षा के सारे उपाय : केटीआर

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सभी छुट्टियां रद्द करके नगर निगम कर्मचारियों की पूरी ताकत को राहत कार्यों में तैनात किया गया है। एमए एवं यूडी मंत्री केटी रामाराव ने गुरुवार को कहा कि भारी बारिश के दौरान जानमाल की हानि न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक उपाय किए गए हैं। गुरुवार को जीएचएमसी और नगर निगमों द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को बारिश के दौरान नागरिकों की सुरक्षा के लिए उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। एमए एंड यूडी अधिकारियों के साथ, मंत्री ने स्थिति का निरीक्षण करने और जायजा लेने के लिए हुसैन सागर क्षेत्र का दौरा किया। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव राहत कार्यों की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। लगातार हो रही बारिश से परिवारों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मैं हैदराबाद और अन्य शहरी केंद्रों में लोगों से सावधान रहने और सावधानी बरतने का आग्रह करता हूं,। कमिश्नर, जोनल कमिश्नर, फील्ड स्तर के कर्मचारी सहित पूरा जीएचएमसी कार्यबल बाढ़ वाले स्थानों पर स्थिति को सुधारने के लिए ओवरटाइम काम कर रहा था। नगर निगम कर्मचारियों की सभी छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और स्थिति पर चौबीसों घंटे नजर रखी जा रही है। राज्य सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और संकट में फंसे लोगों की मदद के लिए हर संभव उपाय कर रही है। रामा राव ने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस साल कम समय में भारी बारिश होने के बावजूद हैदराबाद में भारी शहरी बाढ़ नहीं देखी गई। पिछले छह महीनों में, शहरी बाढ़ की समस्या के समाधान के लिए कई उपाय किए गए। नाला गाद निकालने का काम किया गया और हमने जीएचएमसी क्षेत्र में और उसके आसपास जलाशयों पर लगभग 135 द्वार बनाए। पिछले कुछ वर्षों में एसएनडीपी के काम भी काम आए हैं और कई संवेदनशील क्षेत्रों में स्थिति नियंत्रण में है।

बीआरएस कैडर से बारिश प्रभावित क्षेत्रों में सहायता बढ़ाने का आह्वान

राज्य भर में हो रही भारी बारिश के बीच, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामाराव ने निर्वाचित प्रतिनिधियों और पार्टी सदस्यों से तेलंगाना में बारिश से प्रभावित लोगों को सभी आवश्यक सहायता देने का आह्वान किया। चूंकि पिछले एक सप्ताह से कुछ जिलों में मूसलाधार बारिश का कहर जारी है, उन्होंने पार्टी कैडर से प्रभावित समुदायों के साथ एकजुटता से खड़े होने का आग्रह किया।

विशेष रूप से वारंगल जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, जहां लगातार बारिश का प्रभाव गंभीर है, रामा राव चाहते थे कि स्थानीय नेता और कार्यकर्ता राहत प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लें, बाढ़ वाले क्षेत्रों और गांवों को अपनी पूरी ताकत से सहायता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि बीआरएस जरूरतमंद लोगों को आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराने से लेकर किसी भी संभव तरीके से लोगों की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने विपक्षी दलों से आग्रह किया

एमए एंड यूडी मंत्री के टी रामा राव ने गुरुवार को विपक्षी दलों के नेताओं से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत और पुनर्वास कार्यों का राजनीतिकरण नहीं करने का आग्रह किया। राहत प्रदान करने में शामिल कार्यबल की अनावश्यक रूप से आलोचना और हतोत्साहित करने के बजाय, मैं उनसे सकारात्मक तरीके से योगदान देने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा कि कई परिवार संकट में हैं और उन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं। विपक्षी दलों को राहत कार्यों में बाधा नहीं बनना चाहिए।

बाढ़ की स्थिति पर कड़ी नजर, कई लोगों को सुरक्षित बचाया गया : शांति कुमारी

जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ वरिष्ठ अधिकारी कर रहे हैं निगरानी

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों के दौरान लगातार बारिश को देखते हुए पूरे राज्य प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के निर्देशानुसार, राज्य में बाढ़ की स्थिति पर जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। किसी भी आपात स्थिति में बचाव और राहत उपाय करने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अग्निशमन सेवा टीमों को तैयार रखा गया है।

बाढ़ की स्थिति पर नजर रखने के लिए सचिवालय में एक विशेष नियंत्रण कक्ष (7997950008, 7997959782, 040-23450779) स्थापित किया गया है। नियंत्रण कक्ष में तीन वरिष्ठ अधिकारियों को नियुक्त किया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसी प्रकार सभी जिलों के कलेक्टर कार्यालयों में नियंत्रण कक्ष स्थापित किये गये हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि कोत्तागुडेम और हैदराबाद जिलों में एनडीआरएफ की दो टीमों को तैयार रखा गया है, जबकि मुलुगु और वारंगल जिलों में एनडीआरएफ की एक-एक टीम लगाई गई है। इस बीच, राज्य के कई जिलों, खासकर उत्तरी तेलंगाना के कई जिलों में बुधवार रात से लगातार बारिश हो रही है। इन जिलों में 30 से 40 सेंटीमीटर तक बारिश दर्ज की गई है। भूपालपल्ली जिले के मोरंचापल्ली गांव में मोरंचवागु में बाढ़ आ गई है और इसके परिणामस्वरूप पूरा गांव जलमग्न हो गया है। जिला प्रशासन ने मोरंचापल्ली गांव के ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया है। एनडीआरएफ की एक टीम मोरंचापल्ली गांव भेजी जा रही है, जबकि एक हेलीकॉप्टर गांव में भेजने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। भूपालपल्ली जिले के कलेक्टर और एसपी लगातार मोरंचपल्ली के ग्रामीणों के संपर्क में हैं और व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

मनैर नदी में 15 लोग फंसे, बचाव कार्य जारी

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली जिले में मंथनी मंडल के गोपालपुर के पास मनैर नदी में रेत खदानों में काम करने वाले 15 ड्राइवर और अन्य कर्मचारी फंसे हुए थे। मधु नाम का एक व्यक्ति बाढ़ के पानी में बह गया था। वह सुरक्षित रूप से तैरने में कामयाब रहा और ओदाराम गांव में तट पर पहुंच गया।

पटनचेरुवु विधायक के बेटे का निधन

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के पटनचेरुवु विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी के बेटे गुडेम विष्णुवर्धन रेड्डी (34) का गुरुवार को हैदराबाद के एक अस्पताल में बीमारी के इलाज के दौरान निधन हो गया। छात्र जीवन से ही भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सक्रिय सदस्य रहे रेड्डी 23 जुलाई को बीमार हो गए थे। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें पीलिया बताया। गुरुवार सुबह 2.30 बजे उनका निधन हो गया। रेड्डी के परिवार में उनकी पत्नी डॉ किरणमई, एक बेटा और एक बेटी हैं। वित्त मंत्री टी हरीश राव, मेदक सांसद कोत्ता प्रभाकर रेड्डी और अन्य नेताओं ने शोक व्यक्त किया।

10 लोगों के बहने की आशंका

मुलुगु, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को जिले की नदियों में अचानक आई बाढ़ में दस लोगों के बह जाने की आशंका है। पहली घटना एतुरनगरम मंडल के कोंडई गांव के पास हुई, जहां उनके गांव के करीब स्थित जमपन्ना वागु में अचानक पानी आने से एक ही परिवार के पांच सदस्यों सहित सात लोगों के बह जाने की खबर है। यह पता चला है कि वे आश्रय के लिए सुरक्षित स्थान पर जाने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि बाढ़ का पानी गाँव को घेरने वाला था।

इसी तरह, गोविंदरावपेट मंडल के प्रोजेक्ट नगर गांव के एक चरवाहा परिवार की दो महिलाओं सहित तीन व्यक्तियों के भी पास के लक्नवरम झील से पानी के अतिप्रवाह के कारण तेज धार में बह जाने की आशंका थी। अचानक और जोरदार बाढ़ ने ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप इन लोगों के हताहत होने की आशंका थी।

तेलंगाना सिंचाई विभाग हाईअलर्ट पर दो हेलीकाप्टर तैयार : रजत कुमार

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सिंचाई विभाग के विशेष प्रधान सचिव रजत कुमार ने कहा है कि राज्य में हाल ही में हुई भारी बारिश के मद्देनजर राज्य सिंचाई विभाग हाई अलर्ट पर है। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड उच्च वर्षा के कारण, विशेष रूप से आदिलाबाद, वारंगल और खम्मम के संयुक्त जिलों में जल परियोजनाओं में बाढ़ के पानी का प्रवाह बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग की ऑपरेशन टीमें राज्य के 19 प्रादेशिक क्षेत्रों में मुख्य अभियंताओं के निर्देशन में काम कर रही हैं और समय-समय पर बाढ़ की स्थिति की समीक्षा कर रही हैं। कडेम परियोजना में भारी प्रवाह है।

उन्होंने कहा कि जल निकासी विभाग के अधिकारियों, जिला प्रशासन और राज्य के मंत्रियों ने परियोजना पर सख्त सुरक्षा कदम उठाए हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि भद्राचलम में दूसरा आपातकालीन अलर्ट वर्तमान में जारी है और भद्राचलम शहर में बाढ़ के पानी के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए भारी मोटरें पंप की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की जनहानि से बचने के लिए सभी उपाय किये जा रहे हैं। दो हेलीकॉप्टर भी तैयार रखे गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य के जल निकासी विभाग के अधिकारी पोलावरम गेटों को ऊपर रखने के लिए संबंधित परियोजना अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। सिंचाई के विशेष मुख्य सचिव रजत कुमार ने कहा कि मिशन काकतीय के परिणाम अब स्पष्ट हैं क्योंकि वर्षा के कारण राज्य भर में 46,000 तालाब पानी से भर गए हैं।

गड्डैनावागु परियोजना भरी, भैंसा को भुगतना पड़ रहा है खामियाजा

निर्मल, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को गड्डैनावागु परियोजना से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने से भैंसा शहर के कई हिस्से जलमग्न हो गए, जिससे निचले इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

जलमग्न भैंसा बस डिपो का दृश्य।

परियोजना से छोड़े गए बाढ़ के पानी से भैंसा में ऑटोनगर, कुभीर चौरास्ता, विनायकनगर, डब्बा गली और कमला टॉकीज क्षेत्र जलमग्न हो गए। पलसीकर रंगा राव परियोजना को प्रचुर मात्रा में धन प्राप्त हुआ जिसके परिणामस्वरूप गड्डैनावागु परियोजना पूरी हो गई। परियोजना में 1.08 लाख क्यूसेक का प्रवाह और 1.08 लाख क्यूसेक का बहिर्प्रवाह देखा गया। परियोजना से अतिरिक्त पानी को नीचे की ओर प्रवाहित करने के लिए परियोजना के छह गेट हटा दिए गए। भैंसा मंडल के महागांव और सिराला गांवों के निचले इलाकों में ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के बाद सिंचाई टैंकों में पानी भर जाने के कारण लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए मजबूर होना पड़ा। सिराला गांव में 135 साल पुराना सिंचाई टैंक ओवरफ्लो हो गया, जिससे स्थानीय लोग घबरा गए। गाँव के निवासी इस डर से बस्ती के पास एक पहाड़ी पर चढ़ गए कि टैंक कभी भी टूट जाएगा और बस्ती को बहा ले जाएगा। इस बीच, मुधोल मंडल के बिड्रेली गांव में एक पुल के उफान पर आने के कारण निर्मल और निज़ामाबाद जिलों के बीच यातायात निलंबित कर दिया गया है।

एचसी ने वनमा वेंकटेश्वर राव की याचिका खारिज की

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उच्च न्यायालय ने गुरुवार को वनमा वेंकटेश्वर राव द्वारा दायर एक याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें कोत्तागुडेम निर्वाचन क्षेत्र से विधान सभा के लिए उनके चुनाव को रद्द करने के उच्च न्यायालय के फैसले के क्रियान्वयन पर रोक लगाने की मांग की गई थी। तेलंगाना उच्च न्यायालय की डॉ. न्यायमूर्ति राधा रानी ने बुधवार को वेंकटेश्वर राव के चुनाव को रद्द कर दिया था और याचिकाकर्ता जलागम वेंकट राव को 12 दिसंबर, 2018 से विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित घोषित किया था। अदालत ने उन पर 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। वेंकटेश्वर राव पर चुनाव आयोग को फॉर्म 26 में अपनी और अपनी पत्नी की पूरी संपत्ति का ब्योरा नहीं देने का आरोप है। वेंकट राव का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील कुटुम्बका रमेश के अनुसार, गुरुवार की याचिका डॉ. न्यायमूर्ति राधा रानी की अदालत में भी दायर की गई, जिन्होंने याचिका खारिज कर दी। वेंकटेश्वर राव ने 'सेट-एसिड' आदेश के कार्यान्वयन को निलंबित करने का अनुरोध करते हुए कहा था कि वह सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहेंगे। जलागम वेंकट राव ने तत्कालीन तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) का प्रतिनिधित्व करते हुए कोत्तागुडेम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, लेकिन अपने कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी वनमा वेंकटेश्वर राव से हार गए थे। वेंकटेश्वर राव बाद में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) में शामिल हो गए, जिसे अब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नाम दिया गया है।

श्रीवारी पुष्करणी 1-31 अगस्त तक बंद

तिरुमाला 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। इस वर्ष सितंबर और अक्टूबर में होने वाले आगामी ब्रह्मोत्सवों के संबंध में स्वामी पुष्करिणी के सफाई कार्य और नागरिक मरम्मत करने के लिए, एक अभ्यास के रूप में, श्रीवारी पुष्करिणी सफाई के उद्देश्य से 1-31 अगस्त तक बंद रहेगी। टीटीडी ने बाद में इन कार्यों के पूरा होने तक पुष्करिणी हरती को भी रद्द कर दिया है।

एक कुशल पुनर्चक्रण प्रणाली की उपस्थिति को देखते हुए, जिसके साथ ताजे पानी का एक अनुपात नियमित रूप से पुनर्नवीनीकरण किया जाता है, आम तौर पर पुष्करणी में पानी का कोई ठहराव नहीं होता है। टीटीडी जल कार्य विभाग मंदिर के टैंक के पानी की सफाई अभियान चलाता है और मरम्मत के बाद, सात पीएच मान वाला पानी फिर से भरा जाता है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार सुबह अत्तापुर में पीवीएनआर एक्सप्रेसवे पर एक सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। एक्सप्रेसवे पर दोपहिया वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मृतक व्यक्ति की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। वह एक अन्य व्यक्ति के साथ मेहदीपट्टनम से आरामघर की ओर जा रहा था, तभी खंभा संख्या 158 के पास बाइक फिसल गई। वह व्यक्ति सड़क के दूसरी ओर गिर गया और उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए ओजीएच अस्पताल पहुंचाया। घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.